नई दिल्ली
रविवार 22 मार्च 2026
चैत्र मास शुक्ल पक्ष,
चतुर्थी वर्ष : 29, अंक : 337
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 28
न्यून. 17

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

चतुर्थी: मां कूष्मांडा

सुरासंपूर्णकलशं रुधिराप्लुतमेव च।
दधाना हस्तपद्माभ्यां कूष्मांडा शुभदास्तु मे।

सीबीएसई में काउंसलरों को एआई आधारित परीक्षा पास करनी होगी

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने शिक्षा को आधुनिक बनाने और छात्रों के कल्याण के लिए एक नए पहल की शुरुआत की है।

बोर्ड ने स्कूल काउंसलरों और वेलनेस शिक्षकों के लिए एआई की मदद से ऑनलाइन मूल्यांकन शुरू किया है, जिसे घर बैठे भी दिया जा सकता है। यह पहल काउंसलरों की क्षमता बढ़ाने और उनके काम की गुणवत्ता सुधारने के लिए की गई है। इसका उद्देश्य स्कूलों में बच्चों के लिए बेहतर काउंसलिंग सिस्टम तैयार करना है। यह परीक्षा सीबीएसई के क्षमता विकास कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसके जरिए ये जांचा जाएगा कि काउंसलर बच्चों की मानसिक और भावनात्मक परेशानियों को समझने और उन्हें संभालने में कितने सक्षम हैं। प्रक्रिया के तहत कुल 10,000 काउंसलर शामिल होंगे।

क्षेत्र में अहम बुनियादी ढांचे पर हमलों की निंदा की और कहा, इनसे बाधित होती वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं सहित क्षेत्रीय सुरक्षा

युद्ध के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने की ईरान के राष्ट्रपति से टेलीफोन पर बातचीत

अंतरराष्ट्रीय नौवहन स्वतंत्रता संग जहाजों के समुद्री आवाजाही मार्ग खुले, सुरक्षित रहने पर दिया जोर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया में जारी भीषण युद्ध के बीच शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेज़ेश्कियन से टेलीफोन पर बातचीत की है। जिसमें उन्हें ईद और नवरोज़ की शुभकामनाएं दीं और क्षेत्र में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हाल ही में हुए हमलों की निंदा की है। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि ऐसी कार्यवाई क्षेत्रीय स्थिरता को खतरे में डालती है और उसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को भी बाधित करती है। प्रधानमंत्री ने बातचीत में ये उम्मीद भी जताई कि यह त्योहारी मौसम पश्चिम-एशिया में शांति और समृद्धि लाने में मददगार साबित होगा। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर की गई एक पोस्ट के जरिए पीएम ने यह जानकारी दी है। यहां बता दें कि दोनों शीर्ष नेताओं के बीच ये वार्ता एक ऐसे समय में हुई है। जब 21 मार्च को अमेरिका और इजरायल ने ईरान के जटिल बुनियादी ढांचों और उसकी परमाणु सुविधाओं पर हमला किया था। जबकि इसके पूर्व में ईरान ने ये दावा किया था कि नतांज परमाणु संवर्धन संयंत्र को निशाना बनाया गया है। जिसमें कोई रेडियो एक्टिव लीक नहीं हुआ है और न ही इलाके के आसपास रहने वाली आबादी को कोई नुकसान पहुंचा है। बीते वक्त भारत के प्रधानमंत्री ने क्षेत्र में कई अन्य देशों के शीर्ष नेताओं के साथ भी पश्चिम-एशिया के हालात पर चर्चा की है। जिसमें यूएई, कतर, कुवैत, सऊदी ▶▶ शेष पेज 5 पर

फाइल फोटो

जयशंकर ने ईरान के विदेश मंत्री से की बात

प्रधानमंत्री के अलावा विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने भी ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से टेलीफोन पर बातचीत की है। जिसमें उन्होंने ईरानी विदेश मंत्री को नवरोज और ईद की लिए शुभकामनाएं दीं और उसके अलावा संघर्ष से जुड़े हुए हालिया घटनाक्रमों और उनके क्षेत्र के बड़े हिस्से पर पड़ रहे प्रभावों के मुद्दे पर चर्चा की है। ज्ञात हो कि बीते कुछ वक्त में दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच हुई सम्भवतः यह पांचवीं बातचीत है। भविष्य में भी यह सिलसिला जारी रहेगा।

इस साल फरवरी तक का है ये आंकड़ा, जिसमें सबसे आगे है यूएई, उसके बाद सऊदी अरब शामिल है

पश्चिम-एशिया क्षेत्र में जारी युद्ध...खाड़ी में मारे गए 1 हजार से अधिक भारतीय श्रमिक

- विदेश मंत्रालय ने संसद में दिए हालिया आंकड़ों के जरिए दी है यह जानकारी

हरिभूमि ब्यूरो, नई दिल्ली। पश्चिम-एशिया से लेकर समूचे खाड़ी क्षेत्र में चल रहे भीषण त्रिपक्षीय युद्ध (अमेरिका-इजरायल और ईरान शामिल) के बीच अगर सिर्फ और सिर्फ खाड़ी के इलाके की बात करें, तो इस साल फरवरी महीने तक यहां कुल करीब 1 हजार 195 भारतीय श्रमिकों की मौत हो चुकी है। जिनका संबंध अलग-अलग घटनाओं से है। यह जानकारी विदेश मंत्रालय ने हाल ही में संसद में दी है। जिसमें वर्ष 2021 से लेकर 2026 तक के श्रमिकों की मृत्यु के आंकड़े साझा किए हैं। लेकिन हम यहां विशेष रूप से मौजूदा युद्ध से जुड़े दो वर्षों का उल्लेख कर रहे हैं। जिसमें बीता हुआ साल 2025 और मौजूदा साल 2026 शामिल है। ▶▶ शेष पेज 5 पर

शीर्ष पर हैं यूएई और सऊदी अरब

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 2026 के फरवरी महीने में खाड़ी क्षेत्र में मारे गए भारतीयों के मामले में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शीर्ष पर है। वहां कुल 510 भारतीयों की मौत हुई है। इसके बाद सऊदी अरब में ये आंकड़ा 457, कुवैत में 91, ओमान में 51, कतर में 47 और बहरीन में 39 भारतीय कामगार मारे गए हैं। यहां ये भी स्पष्ट कर दें कि संसद में दिए गए इस आंकड़े में यह नहीं बताया गया है कि मृतकों की ये संख्या मौजूदा वर्ष के पूरे फरवरी महीने की है या ▶▶ शेष पेज 5 पर

कानूनी रूप से तय की जाएगी सशस्त्र पुलिस बल में आईपीएस की पोस्टिंग

लोकसभा में कल सीएपीएफ बिल लाएंगे अमित शाह

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को लोकसभा में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) से जुड़ा महत्वपूर्ण विधेयक पेश करने जा रहे हैं। यह कदम सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के बाद उठाया जा रहा है, जिसमें मई 2025 में सरकार को सीएपीएफ में आईपीएस अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति को चरणबद्ध तरीके से कम करने का निर्देश दिया गया था। प्रस्तावित केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, 2026 का उद्देश्य भर्ती प्रक्रिया और सेवा शर्तों को विनियमित करना बताया जा रहा है। लोकसभा बुलेटिन के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को दो वर्षों के भीतर सीएपीएफ में आईपीएस अधिकारियों की तैनाती कम करने को ▶▶ शेष पेज 5 पर

विवाद की पृष्ठभूमि

यह मामला सेवानिवृत्त सीएपीएफ अधिकारियों की याचिका के बाद सामने आया था। याचिकाकर्ताओं का आरोप था कि वर्तमान व्यवस्था में पदोन्नति संरचना इस तरह बनी है कि आंतरिक कैडर अधिकारियों को शीर्ष पदों तक पहुंचने से वंचित किया जाता है, जबकि आईपीएस अधिकारियों को प्रतिनियुक्ति पर वरीयता मिलती है।

हरियाणा में जापानी कंपनी करीब 4 हजार करोड़ रुपये का निवेश करने को तैयार

भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट में सीएम सैनी के साथ जापानी कंपनी टीडीके के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

नई दिल्ली में आयोजित भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट-2026 में शनिवार को जापानी कंपनी ने भी हरियाणा में 4 हजार करोड़ रुपये का निवेश करने की इच्छा जताई है। समिट के दौरान हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल के साथ जापानी कंपनी टीडीके के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने हरियाणा में करीब 4 हजार करोड़ ▶▶ शेष पेज 5 पर

उद्योग जगत के साथ निरंतर संवाद जारी

बता दें कि टीडीके कंपनी ने पहले भी हरियाणा के सोहना में 180 एकड़ में प्लॉट स्थापित कर रखा है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर प्रदेश में 'ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस' को और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। इससे निवेश को बढ़ावा मिला है। राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई नई पहल के तहत उद्योग जगत के साथ निरंतर संवाद स्थापित किया जा रहा है, ताकि उत्पादन लागत, लॉजिस्टिक्स ▶▶ शेष पेज 5 पर

उत्तम नगर में भारी पुलिस बल तैनाती के बीच मुस्लिमों ने ईद की नमाज अदा की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के उत्तम नगर में करीब दो सप्ताह पहले झड़प में एक व्यक्ति की मौत के बाद व्याप्त तनाव के बीच शनिवार को ईद-उल-फितर सादगी और कड़ी सुरक्षा के साये में मनाया जा रहा है। इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, बैरिकेड और सतर्क निगरानी में लोगों ने अमन-चैन की दुआ के साथ नमाज अदा की। पुलिस ने बताया कि हस्तसाल गांव व उससे सटे इलाकों में दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों की मजबूत तैनाती की गई है। हर प्रवेश और निकास मार्ग पर अवरोधक लगाए गए हैं और पहचान पत्रों की सख्त जांच के बाद ही लोगों को आगे बढ़ने दिया जा रहा है, ताकि पूरे क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनी रहे। सत्यापन के बाद केवल स्थानीय निवासियों को ही कुछ विशेष हिस्सों में जाने की अनुमति दी जा रही है, जबकि बाहरी लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। किसी भी अप्रिय घटना को टालने के लिए पुलिस दल लगातार पैदल गश्त कर रहे हैं और छतों, संकरी गलियों तथा अन्य संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों के जरिये चौकस निगरानी रखी जा रही है, ताकि पूरे इलाके में भरोसे और सुरक्षा का माहौल कायम रहे। द्वारका के पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह ने कहा कि हालात शातिपूर्ण हैं।

उन्होंने कहा, ₹यहां माहौल शांतिपूर्ण है। लोगों ने इत्मीनान से नमाज अदा की। पूरे क्षेत्र में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू है और नियमित गश्त व पहरा जारी है।₹ सिंह ने साथ ही लोगों से अपील की कि वे सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही अफवाहों पर ध्यान न दें और शांति व सौहार्द बनाए रखने में सहयोग करें। स्थानीय लोगों ने कहा कि भारी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद भी नमाज शांतिपूर्वक तरीके से अदा की गई, हालांकि उत्सव इस बार सादगी के साथ मनाया गया। स्थानीय निवासी परवेज ने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द की भावना अब भी कायम है।

उन्होंने कहा, ₹हमने शांति से नमाज अदा की। उम्मीद है कि हमारे हिंदू मित्र भी पर्व में शामिल होंगे और हम सब मिलकर त्योहार मनाने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। तरुण की मौत से हमें गहरा दुख है, वह हमारे लिए भाई जैसा था। हालांकि, जमीन पर मौजूदा स्थिति उतनी तनावपूर्ण नहीं है, जितना (सोशल मीडिया पर) दिखाया जा रहा। हमारे पड़ोसी बेहद सहयोगी रहे हैं और पुलिस ने भी पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की है।₹ एक अन्य स्थानीय निवासी मोहम्मद नवीन ने माना कि माहौल पूरी तरह सामान्य तो नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा, ₹बाहरी तत्वों द्वारा बनाए गए माहौल और भारी पुलिस तैनाती के कारण पहले जैसी सहजता महसूस नहीं हो रही। तनावपूर्ण स्थिति के बीच हम ईद मना रहे हैं। फिर भी हम दिल्ली पुलिस के आभारी हैं, जिसने कानून-व्यवस्था बनाए रखी और हमें सुरक्षित ढंग से त्योहार मनाने का अवसर दिया।₹ उत्तम नगर की जामा मस्जिद के प्रमुख खालिद अली ने कहा कि शुरुआती दिनों में अफवाहों और बाहरी लोगों की सक्रियता से इलाके में तनाव बढ़ा था। उन्होंने कहा, ₹पहले यहां माहौल तनावपूर्ण था, लेकिन पुलिस ने मुस्तैदी से सुरक्षा और कानून-व्यवस्था संभाली। आज हम सुरक्षित माहौल में ईद मना पाए हैं। मुझे यह भी जानकारी दी गई कि उत्तम नगर की सभी मस्जिदों में ईद की नमाज शांतिपूर्वक तरीके अदा की गई।₹ चार मार्च को होली के दिन जेजे कॉलोनी में दो पड़ोसी परिवारों के बीच हुई झड़प में घायल 26 वर्षीय तरुण की बाद में मौत हो गई। यह विवाद उस समय शुरू हुआ, जब एक परिवार की लड़की द्वारा फेंका गया पानी का गुब्बारा अनजाने में दूसरे परिवार की एक महिला को लग गया और बात बढ़ते-बढ़ते हिंसक टकराव में बदल गई। इस घटना के बाद कुछ समूहों ने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान आरोपियों से जुड़े दो वाहनों में आग लगा दी गई। पुलिस ने मामले में कई आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और जांच जारी है। अधिकारियों ने कहा कि अफवाहों पर लगाम लगाने और भड़काऊ सामग्री के प्रसार को रोकने के लिए सोशल मीडिया पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

बजट सत्र के लिए दिल्ली विधानसभा तैयार : विजेंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

■ विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की व्यवस्थाओं का लिया जायजा
24 मार्च को पेश होगा बजट

दिल्ली विधानसभा बजट सत्र के लिए पूरी तरह तैयार है। यह बात शनिवार को विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने तैयारियों की समीक्षा करने के बाद कही। अध्यक्ष गुप्ता ने शनिवार को आठवीं विधानसभा के चौथे सत्र के दूसरे भाग (बजट सत्र) की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि आगामी बजट सत्र संसदीय परंपराओं की श्रेष्ठता का प्रतीक होना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि सदन की गरिमा बनाए रखना और सार्थक चर्चा सुनिश्चित करना सभी की साझा जिम्मेदारी है। 23 मार्च से 25 मार्च 2026 तक चलने वाले इस सत्र के लिए अध्यक्ष ने सदन के भीतर परिचालन और प्रक्रियात्मक पहलुओं का व्यापक निरीक्षण किया, ताकि कार्यवाही सुचारू और व्यवस्थित ढंग से संचालित की जा सके। उन्होंने कहा कि सत्र की तैयारियों के बीच तकनीकी आधुनिकीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। विधायी कार्यों को डिजिटल बनाने की दिशा में सभी सदस्यों की मेजों पर टैबलेट लगाए गए हैं, जिससे उन्हें सदन की कार्यवाही, आधिकारिक दस्तावेजों और विधायी कार्यों तक वास्तविक समय (रियल-टाइम) में पहुंच प्राप्त होगी। इसके साथ ही, सदन के राष्ट्रीय चरित्र को और मजबूती देने के लिए सत्र की शुरुआत में एक प्रख्यात गायक द्वारा 'वंदे मातरम' का पूर्ण गायन लाइव गाया जाएगा। इस दौरान सदन की स्क्रीन पर भी वंदेमातरम गीत की पंक्तियां प्रदर्शित की जाएगी ताकि राष्ट्रीय भावना और सामूहिक चिंतन का वातावरण निर्मित हो सके। अध्यक्ष गुप्ता ने कहा कि दिल्ली विधानसभा देश की पहली ऐसी विधानसभा बनने जा रही है जो सदस्यों की सहायता के लिए अपना इन-हाउस एआई-सक्षम चैटबॉट 'विधान साथी' पेश करेगी। यह एआई प्लेटफॉर्म सदस्यों के लिए एक समर्पित विधायी अनुसंधान सहायक के रूप में कार्य करेगा, जो विधेयकों, अधिनियमों और नीतिगत मामलों के विश्लेषण में डेटा-आधारित सटीक जानकारी प्रदान करेगा। इस तकनीक के माध्यम से सदस्य विधायी कार्यों में अधिक स्पष्टता और गहराई के साथ भाग ले सकेंगे, जो भारतीय विधायी इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होगा। इस महत्वपूर्ण सत्र का मुख्य आकर्षण 24 मार्च 2026 को प्रस्तुत होने वाला वार्षिक बजट होगा। यह सत्र राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के शासन और विकास की दिशा तय करने वाले महत्वपूर्ण वित्तीय और नीतिगत निर्णयों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सुरक्षा, विधायी और तकनीकी टीमों के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं ताकि लोकतंत्र के इस मंदिर में चर्चा का स्तर उच्चतम बना रहे।

सीएम रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री से की मुलाकात दिल्ली के सर्वांगीण विकास पर की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और दिल्ली के सर्वांगीण विकास को लेकर चर्चा की। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आत्मीय भेंट कर उनका मूल्यवान मार्गदर्शन प्राप्त किया। उनके दूरदर्शी नेतृत्व और दिल्ली के प्रति विशेष स्नेह से हमें हमेशा नई ऊर्जा और प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि इस प्रेरक भेंट के दौरान दिल्ली के समग्र विकास, बुनियादी ढांचे की मजबूती और जन-आकांक्षाओं की पूर्ति के संकल्प पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रधानमंत्री के कुशल मार्गदर्शन और सतत सहयोग से हम अपनी दिल्ली को प्रगति, समृद्धि और सुशासन की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सतत प्रेरणा और अपना बहुमूल्य समय देने के लिए प्रधानमंत्री का हृदय से आभार। वहीं प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ)द्वारा सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा गया कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

नंदू गिरोह से जुड़े शार्पशूटर, हथियार मुहैया कराने वाले बदमाश को किया गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने कपिल सांगवान उर्फ नंदू गिरोह से जुड़े एक शार्पशूटर और हथियार मुहैया कराने वाले एक बदमाश को गिरफ्तार करके उनके पास से दो देसी पिस्तौल व पांच कारतूस बरामद किए हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मुख्य आरोपी एवं महेंद्रगढ़ (हरियाणा) निवासी सुमित पूनिया (25) को द्वारका से गिरफ्तार किया गया और उसके पास से एक देसी अर्ध-स्वचालित पिस्तौल और पांच कारतूस बरामद किए गए। अधिकारी ने बताया कि पूछताछ में पता चला कि सुमित 2021 की एक मुठभेड़ के मामले में फरार था। अधिकारी ने बताया कि उक्तर मामला विशेष प्रकोष्ठ द्वारा दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि सुमित का संबंध नंदू गिरोह से था और वह कथित रूप से एक शार्पशूटर के रूप में काम करता था। अधिकारी ने बताया कि सुमित की निशानदेही पर गिरोह के लिए हथियार मुहैया कराने वाले कथित बदमाश बदर इस्लाम (32) को उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि बदर के कब्जे से एक देसी पिस्तौल बरामद की गई। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी व्यक्ति उस नेटवर्क का हिस्सा थे जो गिरोह के सदस्यों को अवैध हथियार उपलब्ध कराता था। जांचकर्ताओं ने बताया कि सुमित 2020-21 के आसपास गिरोह में शामिल हुआ था और वह छोटी उम्र से ही गैंगस्टर कपिल सांगवान को जानता था, क्योंकि दोनों पड़ोसी गांवों के रहने वाले हैं। हरियाणा में एक शस्त्र मामले में पूर्व में गिरफ्तार हो चुका सुमित दिल्ली और हरियाणा में दर्ज कई आपराधिक मामलों में वांछित रहा है। पुलिस के अनुसार, अवैध हथियार मुहैया कराने वाला बदर इस्लाम के खिलाफ उत्तर प्रदेश में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। अधिकारी ने बताया कि दोनों के खिलाफ अपराध शाखा थाने में शस्त्र अधिनियम सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

राष्ट्र, समाज एवं पार्टी के प्रति समर्पित बनाता है हमारा महाप्रशिक्षण अभियान : सचदेवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा एक संगठन आधारित रचनात्मक राजनीतिक दल है और हमारे कार्यकर्ताओं को नियमित दिये जाने वाला प्रशिक्षण उन्हे अन्य राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं से श्रेष्ठ बनाने के साथ ही राष्ट्र, समाज एवं पार्टी के प्रति समर्पित बनाता है। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने हरिनगर एक्सटेंशन मंडल में पं. दीनदयाल उपाध्याय महाप्रशिक्षण अभियान के अंतर्गत शनिवार को यह संबोधन दिया। सचदेवा ने कहा कि यूं तो अक्सर भाजपा एवं अन्य दलों के कार्यकर्ताओं के बीच समर्पण अंतर साफ दिखता है पर विगत तीन दिन में जिस तरह दिल्ली के पालम में हुए दुखद अग्नि कांड के बाद आम आदमी पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का अभद्र व्यवहार सामने आया है तो वहीं उस पर भाजपा विधायक एवं कार्यकर्ताओं का संयमित व्यवहार देखने को मिला है उसने साफ किया है कि भाजपा के प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं एवं "आप" एवं कांग्रेस जैसे दलों के अप्रशिक्षित कार्यकर्ताओं में कितना अंतर है। सचदेवा ने कहा है कि 14 अप्रैल तक दिल्ली भाजपा अपने सभी 256 मंडलों में प्रशिक्षण महाभियान को पूरा कर लेगी।

शनिवार को दिल्ली में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत भाजपा के प्रशिक्षण महाअभियान सह प्रमुख सांसद वी.डी. शर्मा ने द्वारका सी मंडल में, केन्द्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने महरौली मंडल में और दिल्ली की प्रशिक्षण महाभियान प्रमुख सांसद कमलजीत सहरावत ने द्वारका सी मंडल में, सांसद योगेन्द्र चांदोलिया ने मुबारकपुर मंडल में और अनेक प्रमुख वक्ताओं ने विभिन्न संगठनात्मक विषयों से जुड़े सत्रों को सम्बोधित किया।

डिजिटल शिक्षा की ओर निगम के बढ़ते कदम : योगेश

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के स्कूलों को डिजिटल शिक्षा की ओर बढ़ाया जा रहा है। शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि हाल ही में निगम ने एक महत्वपूर्ण पहल - डिजिटल शिक्षा की ओर कदम - के तहत स्कूलों में शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रगति करते हुए एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में केनवा एजुकेशन की एजुकेशन लीड सगरी चटर्जी, सार्ड के सीईओ सुधीर भटनागर, प्रोग्राम मैनेजर सागर तथा निगम के शिक्षा निदेशक निखिल तिवारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान एमसीडी स्कूलों में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को बढ़ावा देने के लिए एक ठोस एवं रणनीतिक रोडमैप तैयार किया गया। यह पहल प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों एवं छात्रों को विश्वस्तरीय क्रिएटिव टूल्स और प्रोफेशनल डेवलपमेंट के अवसर पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी। यह पहल दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को एक नई दिशा देने के साथ-साथ उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर करने वाला एक सराहनीय कदम है। शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा ने कहा कि इस पहल के माध्यम से शिक्षकों को आधुनिक तकनीक एवं आवश्यक संसाधनों से सशक्त बनाकर पारंपरिक कक्षाओं को रचनात्मक, नवाचारी एवं सहभागिता आधारित शिक्षण वातावरण में परिवर्तित किया जाएगा। इससे विद्यार्थियों में रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच एवं नवाचार की भावना को प्रोत्साहन मिलेगा।

उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने शनिवार को दक्षिण दिल्ली के वसंत विहार के आरडब्लूए के साथ स्थानीय व खास मुद्दों पर एक अच्छी और दिलचस्प बातचीत की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रैक्टिकल, समाधान वाले सुझाव देने और असरदार तरीके से लागू करने के लिए सभी निवासियों के बीच सहयोग पक्का करने में एक्टिव रूप से हिस्सा लेने के उनके कमिटमेंट से हिम्मत मिली।

आज से ऑटो टैक्सी की दो दिवसीय चक्का जाम हड़ताल, जंतर मंतर पर किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। अपनी मांगों को लेकर दिल्ली एनसीआर के ऑटो टैक्सी चालकों ने रविवार से दो दिवसीय चक्का जाम हड़ताल की घोषणा कर दी है। जबकि इससे ठीक पहले शनिवार को चालकों ने जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर केंद्र व दिल्ली सरकार को घेरा। इस बारे में हड़ताल का आह्वान करने वाले संगठन ऑल दिल्ली ऑटो टैक्सी ट्रांसपोर्ट कांग्रेस यूनियन के अध्यक्ष किशन वर्मा ने बताया कि गैर कानूनी ओला उबर रैपिडो मोबाइल ऐप बेस सेवाओं को रोकने व चालकों की जान बचाने के लिए हड़ताल करनी पड़ रही है। उन्होंने बताया कि दिल्ली के ऑटो टैक्सी चालकों की जान हमेशा खतरे में रहती है। कई बार यात्री बनकर असामाजिक तत्व चालकों को जान से मारकर लूटपाट तक कर देते है। ऐसे में चालको की जान का लेकर उनका परिवार हमेशा खौफ के साए में जीता है। ऐसे में संगठन ने सरकार से कई बार चालकों की सुरक्षा को लेकर लिखित व मौखिक बातचीत की, लेकिन कोई हल नहीं निकला। वर्मा ने बताया अब संगठन ने चालकों की राय से फैसला लिया है कि 22-23 मार्च को दो दिन के लिए शांतिपूर्ण चक्का जाम हड़ताल की जाएगी। उन्होंने बताया कि संगठन द्वारा चालकों की मांग है कि सभी यात्रियों का केवाईसी होना चाहिए, चालक की सुरक्षा की गारंटी दी जाए, आपातकालीन हेल्प सिस्टम मजबूत किया जाए, सभी मोबाइल बेस्ड ऐप कंपनियां की पूर्ण जवाबदेही तय की जाए और कम से कम 25 किलोमीटर तक न्यूनतम किराया तय किया जाए।

कांग्रेस में अपनी मेहनत, लगन व ईमानदारी से आम कार्यकर्ता भी बन सकता है पार्टी अध्यक्षः यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ऐसी पार्टी है जिसमें एक साधारण कार्यकर्ता भी अपनी मेहनत, लगन व ईमानदारी से पार्टी का अध्यक्ष तक बन सकता है। कांग्रेस में दलितों को जो सम्मान दिया जाता है वह अन्य दलों में देखने को नहीं मिलता। यादव ने कहा कि इसका जीवंत उदाहरण वर्तमान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के रूप में सबके सामने है। यादव प्रदेश कार्यालय में आयोजित दिल्ली कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग की कार्यकारिणी बैठक एवं सम्मान समारोह में बोल रहे थे। समारोह का आयोजन प्रदेश कांग्रेस एससी विभाग के चेयरमैन संजय नीरज ने किया। इस अवसर पर यादव के अलावा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एस.सी. विभाग के चेयरमैन राजेन्द्र पाल गौतम, एससी विभाग के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर प्रमोद जयंत सहित अन्य मौजूद थे। इस अवसर पर संबोधित करते हुए यादव ने कहा कि राजेन्द्र पाल गौतम अपनी पूरी क्षमता के बल पर देश भर के एक वर्ग विशेष अनुसूचित जाति के करोड़ों लोगों का नेतृत्व कर रहे है। मैं एस.सी. विभाग के सभी पदाधिकारियों और वरिष्ठ लोगों से कहना चाहता है कि हम यहां दिल्ली की राजधानी में कांग्रेस पार्टी का झंडा लेकर अपनी विचारधारा के अनुसार काम कर रहे है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नामः **दीपू कुमार, पुत्रः मूलचंद, निवासीः 556 और आर 2/32, लाल क्वार्टर, बुध विहार, मंगोल पुरी, बाहरी जिला, दिल्ली** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) इसके विरुद्ध **FIR No.28/2021 Dt.20.01.2021 U/S 25/54/59 शस्त्र अधिनियम** के तहत एक मामला **थाना पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र, पूर्वी जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया है कि अभियुक्त **दीपू कुमार** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **दीपू कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा है कि **FIR No.28/2021 Dt.20.01.2021 U/S 25/54/59 शस्त्र अधिनियम, थाना पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र, पूर्वी जिला, दिल्ली** के अभियुक्त **दीपू कुमार** को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए दिनांक **30.05.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, पी. भार्गव राव
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–05 (पूर्व),
कमरा नंबर–03, दूसरी मंजिल,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/3623/ED/2026
(अदालती मामला)

पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने दिल्ली के पहले इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के आयोजन और इसके उद्देश्यों की दी जानकारी

आईएफएफडी दिल्ली को वैश्विक सांस्कृतिक मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करने वाला है सिनेमा उत्सव : रेखा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में 25 से 31 मार्च तक भारत मंडपम में पहली बार आयोजित होने वाला इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, दिल्ली (आईएफएफडी)-2026, रचनात्मकता को बढ़ावा देने, अवसर पैदा करने, दिल्ली को वैश्विक सांस्कृतिक मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करने वाला सिनेमा उत्सव है। यह बात दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार इस आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएं देते हुए कही। दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इस फेस्टिवल के लिए दुनियाभर के देशों से 2000 से ज्यादा एंट्री आई हैं। इनमें 140 फिल्मों का चयन कर सिनेमा प्रेमियों के लिए इनका प्रदर्शन किया जायेगा। अंतरराष्ट्रीय फिल्मों के साथ ही इस फिल्म फेस्टिवल में देश के विभिन्न क्षेत्रों की विविधता को दर्शाने के लिए तमिल, तेलगु, गुजराती, मराठी, भोजपुरी, पंजाबी, हरियाणवी, नॉर्थ-ईस्ट और बंगाली सिनेमा की चुनिंदा फिल्मों की स्क्रीनिंग की जाएगी। इसके साथ ही बॉलीवुड की भी कुछ प्रमुख फिल्मों का प्रदर्शन होगा। विशेष रूप से 'धुरंधर 2' की स्क्रीनिंग इस फेस्टिवल का प्रमुख आकर्षण रहेगी। कपिल मिश्रा ने कहा कि इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के तीन प्रमुख उद्देश्य है। पहला उद्देश्य है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो ऑरेंज इकॉनमी एवं क्रियेटर्स इकॉनमी का लक्ष्य दिया है, दिल्ली सरकार उसी लक्ष्य में आगे बढ़ते हुए दिल्ली को लाइव एंटरटेनमेंट का एक हब बनाने का काम कर रही है। दिल्ली के फिल्म जगत से जुड़े हुए युवाओं चाहे वो थिएटर के हों, आर्ट के हों, डायरेक्शन, कैमरा, एनीमेशन एआई इत्यादि से जुड़े हों उन सब युवाओं को एक ऐसा प्लेटफार्म प्रदान करना जिसके माध्यम से उनकी कला को पूरा विश्व देख सके। दूसरा उद्देश्य है कि दिल्ली के पास जो ग्लोबल इवेंट ऑर्गेनाइज करने का इंफ्रास्ट्रक्चर प्रधानमंत्री के कार्यकाल में बनाया गया है, जिसमें भारत मंडपम, यशोभूमि, कर्तव्य पथ, वॉर मेमोरियल, न्यू पार्लियामेंट, प्रधानमंत्री संग्रहालय जैसे स्थल शामिल है उन्हें पूरी दुनिया के सामने शोकेस करना। मिश्रा ने कहा कि तीसरा उद्देश्य दिल्ली को फिल्म शूटिंग डेस्टिनेशन के तौर पर स्थापित करना है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी टिंकू,** पुत्रः अशोक दास, **पताः** सी–22/32, शाहबाद डेयरी, **दिल्ली, FIR No. 280/2020, Dt. 19.06.2020 U/S: 33 Delhi Excise Act, पुलिस थानाः शाहबाद डेयरी दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **टिंकू,** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **टिंकू,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **टिंकू, FIR No. 280/2020, Dt. 19.06.2020 U/S: 33 Delhi Excise Act, पुलिस थानाः शाहबाद डेयरी दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **22.04.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
भारती बेनीवाल
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–05, (उत्तर)
कोर्ट रूम नंबर 114, प्रथम तल
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/3476/ON/2026
(Court Matter)

सिंगल-यूज प्लास्टिक का उपयोग करें बंद : महापौर

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने राजधानी में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को लेकर एक महत्वपूर्ण संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि 'आज का एक छोटा सा बदलाव, कल की स्वच्छ दिल्ली की दिशा में बड़ा कदम साबित हो सकता है।' महापौर ने नागरिकों से सिंगल-यूज प्लास्टिक का उपयोग बंद करने और कपड़े के थैलों को अपनाने की अपील की। महापौर राजा इकबाल सिंह ने बताया कि सिंगल-यूज प्लास्टिक न केवल पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचाता है, बल्कि नालियों और सीवर सिस्टम को भी जाम कर देता है, जिससे जलभराव और गंदगी की समस्या बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक कचरा लंबे समय तक नष्ट नहीं होता और यह जमीन, पानी और हवा तीनों को प्रदूषित करता है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने सभी दिल्लीवासियों से आह्वान किया कि वे आज से ही प्लास्टिक के उपयोग को 'ना' कहें और कपड़े के थैलों को 'हां' कहकर एक स्वच्छ, स्वस्थ और हरित दिल्ली के निर्माण में अपना योगदान दें।

मुख्यमंत्री ने 56 सिविल सेवा परीक्षा पास करने वालों को किया सम्मानित

हमारा लक्ष्य हर साल दिल्ली से बड़ी संख्या में निकलें आईएएस, आईपीएस अधिकारी : रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

हमारा लक्ष्य हर साल राजधानी से बड़ी संख्या में आईएएस, आईपीएस अधिकारी, डॉक्टर और इंजीनियर तैयार करना है। यह बात मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को 'मुख्यमंत्री जनसेवा सदन' में आयोजित 'दिल्ली के गौरव : यूपीएससी अचीवर्स सम्मान समारोह 2026' में सिविल सेवा परीक्षा पास करने वाले 56 होनहार युवाओं को सम्मानित करने के अवसर पर कही। इस कार्यक्रम के दौरान, मुख्यमंत्री ने सफल उम्मीदवारों से बातचीत की, उनके अनुभवों, संघर्षों और सफलता के सफर के बारे में जाना, और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा लक्ष्य हर साल राजधानी से बड़ी संख्या में आईएएस, आईपीएस अधिकारी, डॉक्टर और इंजीनियर तैयार करना है। दिल्ली सरकार द्वारा राजस्व विभाग के सहयोग से पहली बार आयोजित इस समारोह में उम्मीदवारों के माता-पिता भी मौजूद थे। इस कदम की राज्य की एक सराहनीय नई पहल के रूप में प्रशंसा की गई। सीएम ने परिवार के सदस्यों से बातचीत करके अपने बच्चों की उपलब्धियों के बारे में उनके विचारों और भावनाओं को समझा। इस अवसर पर मुख्य सचिव राजीव वर्मा, मंडलायुक्त नीरज सेमवाल और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपनी अथक मेहनत, अनुशासन और अटूट दृढ़ संकल्प के माध्यम से, इन युवाओं ने न केवल अपने परिवारों को, बल्कि पूरे शहर और राष्ट्र को गौरवान्वित किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह उपलब्धि केवल एक व्यक्तिगत सफलता नहीं है, बल्कि राष्ट्र-निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का मकसद एक ऐसा शैक्षिक माहौल बनाना है, जहां हर छात्र को अच्छी शिक्षा, सही मार्गदर्शन और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए जरूरी संसाधन मिल सकें।

दिल्ली सरकार राजधानी की शिक्षा व्यवस्था को और ज्यादा मजबूत, सबको साथ लेकर चलने वाली और प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए लगातार काम कर रही है, ताकि हर साल दिल्ली से बड़ी संख्या में आईएएस, आईपीएस और दूसरे अधिकारी निकलें।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में चल रहे सुधार सिर्फ परीक्षा में सफलता तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि इनका मकसद छात्रों में नेतृत्व के गुण, संवेदनशीलता और सेवा-भाव जगाना भी है। सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि लक्ष्य यह पक्का करना है कि संसाधनों की कमी की वजह से कोई भी होनहार छात्र पीछे न रह जाए। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने चुने गए 56 उम्मीदवारों के साथ तैयारी के अनुभवों, चुनौतियों और सुझावों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि युवाओं की राय सरकार के लिए एक मार्गदर्शक का काम करती है और भविष्य की पीढ़ियों को बेहतर अवसर देने के लिए इसे नीति-निर्माण में शामिल किया जाएगा।

नव-चयनित अधिकारी देश की प्रशासनिक व्यवस्था की रीढ़ के रूप में करेंगे काम

सभा को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि ये नव-चयनित अधिकारी देश की प्रशासनिक व्यवस्था की रीढ़ के रूप में काम करेंगे और विकास योजनाओं को समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि उनका समर्पण, संघर्ष और सेवा-भाव आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सिविल सेवाओं को केवल अधिकार पाने का जरिया नहीं, बल्कि एक सार्थक सेवा के अवसर के तौर पर देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि असली बदलाव तभी मुमकिन है, जब अधिकार के साथ-साथ कोई मकसद भी जुड़ा हो।

पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे

'सरकार ने 3700 करोड़ के भुगतान को दी मंजूरी'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने पूर्वी और पश्चिमी पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे' की भूमि अधिग्रहण लागत में दिल्ली की बकाया हिस्सेदारी के भुगतान के प्रस्ताव को आधिकारिक मंजूरी दे दी है। इस प्रस्ताव के तहत दिल्ली सरकार ने करीब 37 सौ करोड़ रुपए के भुगतान की मंजूरी दी है। इस बात की जानकारी दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे का मुख्य उद्देश्य दिल्ली को भारी वाहनों के दबाव से मुक्त करना और शहर में वायु प्रदूषण के स्तर को कम करना है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि पूर्व की सरकार ने इस महत्वपूर्ण परियोजना को लेकर कभी गंभीरता नहीं दिखाई और राजनीतिक द्वेष के चलते केंद्र सरकार को जानबूझकर भुगतान रोके रखा, जिससे दिल्ली के हितों को नुकसान पहुंचा। मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले दिनों आयोजित कैबिनेट ने लोक निर्माण विभाग के उस प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है, जिसके तहत दिल्ली सरकार कुल बकाया राशि का भुगतान चरणबद्ध तरीके से करेगी। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के संशोधित बजट अनुमानों से 500 करोड़ रुपये की पहली किस्त केंद्र सरकार/भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को जारी की जाएगी। बाकी बची 3203 करोड़ 33 लाख रुपये की राशि भविष्य के बजट प्रावधानों के आधार पर किस्तों में दी जाएगी। मुख्यमंत्री के अनुसार 2018 में शुरू हुए इन एक्सप्रेस-वे ने हरियाणा और उत्तर प्रदेश के माध्यम से दिल्ली को एक सुरक्षा घेरा (यातायात के लिए) प्रदान किया है। इस भुगतान से अंतर-राज्यीय वित्तीय मुद्दों का समाधान होगा और भविष्य की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए केंद्र के साथ समन्वय बेहतर होगा। इससे न केवल यात्रियों के समय की बचत हो रही है, बल्कि दिल्ली की हवा को साफ रखने में भी बड़ी मदद मिल रही है।

क्यूआर कोड स्कैन कर दें पीडब्ल्यूडी की सड़क पर अपनी राय : प्रवेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ पीडब्ल्यूडी ने दिल्ली की सड़कों पर क्यूआर कोड-सक्षम डिस्प्ले बोर्ड लगाए

दिल्ली की जनता अब क्यूआर कोड को मोबाइल पर स्कैन कर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा बनाई गई किसी भी नई सड़क पर अपनी राय सीधे विभाग को दे सकती है। इस बाबत पारदर्शिता, जवाबदेही और जन-भागीदारी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पीडब्ल्यूडी ने उन सभी सड़कों पर जहां पर स्ट्रेंथनिंग और री-कार्पेटिंग का कार्य किया जा रहा है, क्यूआर कोड-सक्षम डिस्प्ले बोर्ड लगाए लगाने की शुरुआत की है। इस पहल के माध्यम से अब नागरिकों को सिर्फ जानकारी ही नहीं, बल्कि सीधे अपनी प्रतिक्रिया देने का अवसर भी मिलेगा। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि नए निर्देशों के अनुसार, किसी भी सड़क कार्य के पूरा होने के 7 दिनों के भीतर बस क्यू शेल्टर, प्रमुख चौराहों और अधिक भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर ये डिस्प्ले बोर्ड लगाए जाएंगे, ताकि अधिकतम लोगों तक इसकी पहुंच सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि इन क्यूआर कोड को स्कैन करने पर नागरिकों को संबंधित प्रोजेक्ट की पूरी जानकारी मिलेगी, जिसमें सड़क का नाम और लंबाई, अंतिम स्ट्रेंथनिंग की तारीख, ठेकेदार/एजेंसी का विवरण, स्वीकृत लागत और डिफेक्ट लाइबिलिटी पीरियड जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां शामिल होंगी। इसके साथ ही, क्यूआर सिस्टम में एक इंटीग्रेटेड फीडबैक मैकेनिज्म भी जोड़ा गया है, जिसके माध्यम से नागरिक सड़क कार्य की गुणवत्ता को लेकर अपनी शिकायत, सुझाव या अनुभव सीधे विभाग तक पहुंचा सकेंगे।

कोहरे की चादर में घिरी दिल्ली, न्यूनतम तापमान 13 डिग्री हुआ दर्ज

नई दिल्ली। मार्च के गर्मी वाले महीने में इस बार शनिवार सुबह राजधानी दिल्ली घने कोहरे की चादर में लिपट गई। लोगों को एक बार फिर जनवरी वाली सर्दी के दौर में पहुंचा दिया। कई लोगों को तो वापस गर्म कपड़े तक निकालने पड़ गए। घने कोहरे के कारण सुबह दृश्यता घटकर कई जगहों पर महज 10 मीटर से भी नीचे पहुंच गई। ऐसे में वाहनों को सुबह के समय वाहनों की हेड लाइट, फॉग लाइट व पार्किंग लाइट जलाकर चलना पड़ा। लगातार तीसरे दिन बारिश व घने कोहरे के कारण न्यूनतम तापमान गिरकर 13 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड स्तर पर दर्ज हुआ जो गत कई वर्षों में सबसे कम है। शनिवार जल्दी सुबह मौसम ने अचानक बड़ी करवट ली और देखते ही देखते कि दिल्ली में घना कोहरा छा गया। सबसे ज्यादा घना कोहरा बाहरी दिल्ली के एनसीआर से सटे क्षेत्रों में देखने को मिला। कोहरे के साथ ही कई क्षेत्रों में ओस भी भरपूर गिरी। इस बारे में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि दिल्ली का अधिकतम तापमान बढ़कर 27.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 3.9 डिग्री नीचे है। जबकि शुक्रवार को अधिकतम तापमान 2020 के बाद सबसे कम न्यूनतम तापमान दर्ज हुआ था। आईएमडी ने बताया कि शनिवार को न्यूनतम तापमान लुढ़ककर 13.0 डिग्री सेल्सियस रहा जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 3.5 डिग्री नीचे है।

खबर संक्षेप

मकान की छत गिरने से एक की मौत, 5 घायल

गुरुग्राम। जिला के गांव डूंडाहेड़ा में शुक्रवार की देर रात को एक मकान की छत गिर गई। इसमें छह

लोग मलबे के नीचे दब गए। कड़ी मशक्कत के बाद सभी को बाहर निकाला गया। इनमें एक की मौत हो गई और पांच गंभीर रूप से घायल हो गए। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों ओमप्रकाश (मकान मालिक) निवासी डूंडाहेड़ा व राकेश (केयरटेकर) निवासी बक्सर (बिहार) को काबू किया है।

अवैध हथियार रखने वाले दो आरोपी पकड़ाए

फरीदाबाद। अवैध हथियार रखने वालों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में फरीदाबाद पुलिस की क्राइम ब्रांच की विभिन्न शाखाओं ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए

2 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 2 देसी कट्टे बरामद किए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि 20 मार्च को क्राइम ब्रांच एवीटीएस की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अरसद निवासी गांव जलालपुर जिला पलवल को ट्रांसपोर्ट नगर सेक्टर-58 से एक देसी कट्टा सहित गिरफ्तार किया है।

20 लाख रुपए की ठगी करने वाला आरोपी काबू

फरीदाबाद। आईपीओ में निवेश का लालच देकर 20,41,000 रुपये

की ठगी करने के आरोपी को साईबर थाना एनआईटी की टीम ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार सेक्टर-43 फरीदाबाद निवासी एक महिला ने शिकायत दी कि उसे ठगों द्वारा एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया, जहां अन्य निवेशकों के मुनाफे से संबंधित जानकारी सांझा की जाती थी। इसके बाद ठगों ने उसे एक मोबाइल एप का लिंक भेजकर एप डाउनलोड करवाया और उसका अकाउंट खुलवाया। ठगों ने उसको आईपीओ में निवेश कर भारी मुनाफा कमाने का लालच दिया। झांसे में आकर उसने विभिन्न ट्रांजेक्शनों के माध्यम से कुल 20,41,000 रुपए ठगों के खातों में ट्रांसफर कर दिए।

दुनिया के साथ देश मे अमन चैन के लिए लाखों हाथ उठें

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ईदुल फितर का पर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

गाजियाबाद में शनिवार को ईद उल फितर हर 1600 परंपरागत तरीके से मनाया गया इस मौके पर जिले की तमाम ईद गांव में अनेक मस्जिदों में ईद उल फितर की नमाज अदा की गई साथ ही दुनिया में भारत में अमन जैन के लिए दुआ की गई इसके साथ ही विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं सामाजिक संगठनों के नेताओं ने एक दूसरे के यहां जाकर ईद की मुबारकबाद दी इसके अलावा दिनभर मोबाइल फोन पर ईद की शुभकामनाएं देने का कर्म चला रहा इस्लामनगर स्थित ईदगाह मस्जिद में शहर इमाम मुफ्ती जमीर अहमद सिद्धार्थनगर में मिर्जापुर की ईदगाह में ऑफिस इंतजार अहमद ने ईद की नमाज अता कर ए दोनों ही ईदगाह में दो बार नमाज अदा की गई वही डासना ईदगाह में ईद के पावन अवसर पर एक खूबसूरत नज़ारा देखने को मिला, जब सतीश शर्मा मुस्लिम समाज के बीच पहुंचे और पूरे दिल से ईद की मुबारकबाद पेश की। इस अवसर पर उनका गर्मजोशी से इस्तकबाल किया गया, जिसने भाईचारे और सौहार्द की मिसाल पेश की। इस पुरखुलूस मौके पर श्याम पोरवाल, राकेश प्रमुख, पन्नालाल शर्मा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने मिलकर एकता और सद्भाव का संदेश दिया।

गौरतलब है कि गाजियाबाद कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सतीश शर्मा शुरू से ही हिंदू-मुस्लिम एकता के पक्षधर रहे हैं। क्षेत्र में उनके इस प्रयास की लगातार सराहना होती रही है और उन्हें एक जमीनी नेता के रूप में पहचान मिली है। इस खास मौके पर सतीश शर्मा ने ईदगाह के अध्यक्ष सौलत पाशा से मुलाकात भी की। दोनों नेताओं ने मिलकर क्षेत्र में अमन-चैन, भाईचारे और तरक्की के लिए दुआएं मांगी।

मंत्री राव नरबीर सिंह ने गोदरेज एयर सोसायटी में 24 मीटर सड़क के री-ओपनिंग का किया शुभारंभ

24 मीटर सड़क खुलने से सात हजार से अधिक लोगों की राह से दूर हुई बाधा : मंत्री नरबीर सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

● बिल्डर सोसायटियों में 24 मीटर सड़कों की समस्या का होगा प्राथमिकता से समाधान

हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि सरकार बिल्डर सोसायटियों में 24 मीटर चौड़ी सड़कों की समस्या के समाधान के लिए गंभीरता से कार्य कर रही है। प्रदेश सरकार नागरिकों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए योजनाबद्ध तरीके से शहरी अवसंरचना को मजबूत कर रही है। कैबिनेट मंत्री शनिवार को सेक्टर-85 स्थित गोदरेज एयर सोसायटी में 24 मीटर सड़क के री-ओपनिंग कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में डीसी अजय कुमार तथा मानेसर के एसडीएम दर्शन यादव भी उपस्थित रहे।

मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि गुरुग्राम जिले में जिन-जिन सोसायटियों में 24 मीटर सड़क की कमी या अवरोध की समस्या सामने आ रही है, वहां प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि लोगों को बेहतर, सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। गुरुग्राम के सेक्टर-85 के निवासियों को 24-मीटर की सेक्टर सड़क खुलने से लंबे समय से अटकी राहत मिली है। यह सड़क इस इलाके को मल्टी-यूटिलिटी कॉरिडोर और द्वारका एक्सप्रेसवे से जोड़ती है। इस जोड़ने वाली सड़क के न होने के कारण, हजारों परिवारों को रोजाना आने-जाने में दिक्कत होती थी और भीड़भाड़ वाले अंदरूनी रास्तों पर निर्भर रहना पड़ता था। यह मुद्दा सालों से अनसुलझा था, जब तक इसे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक में नहीं उठाया गया। तब एक बड़ी सफलता मिली, जब गोदरेज प्रॉपर्टीज ने जमीन का वह निजी टुकड़ा खरीद लिया, जो सड़क के रास्ते में रुकावट बना हुआ था। कंपनी का मकसद उस रुकावट को हटाकर 24-मीटर की सडक़ को आम लोगों के इस्तेमाल के लिए खुलवाना था।

सीएम के मार्गदर्शन और टीम के सामूहिक प्रयासों से समाधान मिला

अपने भाषण के दौरान मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि सभी के अथक प्रयासों की बदौलत ही पहुंच से जुड़ा यह लंबे समय से अटका मुद्दा आखिरकार सुलझ गया है। सड़क खुल गई है। उपायुक्त अजय कुमार ने कहा कि इस मुद्दे को शिकायत निवारण समिति के माध्यम से सामने लाया गया था। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन और टीम के सामूहिक प्रयासों से इसका एक समाधान मिल गया। गोदरेज प्रॉपर्टीज की सीईओ-नॉर्थ जोन गीतिका त्रेहान ने कहा कि सरकार और प्रशासन की यह पहल सेक्टर-85 में पहुंच से जुड़ी एक पुरानी समस्या का समाधान करती है। गोदरेज प्रॉपर्टीज को इसके क्रियान्वयन में सहयोग देकर खुशी हुई है। यह नई 24-मीटर सड़क कनेक्टिविटी में काफ़ी सुधार करेगी, और निवासियों के लिए रोज़मर्रा की सुरक्षा और सुविधा को बढ़ाएगी। अब जब यह सड़क चालू हो गई है, तो 7000 से ज्यादा निवासियों को सेक्टर तक सीधी पहुंच का लाभ मिलेगा, जैसा कि मूल रूप से योजना बनाई गई थी। विंग कमांडर (रिटायर्ड) आरडी देशपांडे, सचिव राइस ऑलवेज वेलफेयर सोसाइटी ने कहा कि 24-मीटर सडक़ के खुलने से निवासियों और राहगीरों को राहत मिली है। यह देखकर अच्छा लगता है कि अधिकारी समुदाय की बात सुन रहे हैं और उस पर कुछ कार्रवाई कर रहे हैं। इसके लिए मंत्री, अधिकारियों और गोदरेज प्रॉपर्टीज का आभार है।

गोदरेज एयर सोसायटी निवासी मोनिका सिंह ने कहा कि गोदरेज प्रबंधन ने इस 24 मीटर सड़क के रास्ते में आ रहे घर को खरीदने और मुख्य सडक़ से इस महत्वपूर्ण रास्ते को खोलने का फैसला ऐतिहासिक और सराहनीय है।

गुरुग्राम विवि में पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

गुरुग्राम। गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में स्वास्थ्य, पर्यावरण और स्थिरता में उभरते रुझान विषय पर आयोजित दो दिवसीय

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शनिवार को शुभारंभ हुआ। यह सम्मेलन पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। सम्मेलन में देश-विदेश के लगभग 500 से अधिक शोध विद्वान, संकाय सदस्य, छात्र एवं विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख अधिकारी एक मंच पर एकत्रित हुए। जैव-विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में कुल 154 शोध पत्र प्राप्त हुए, जो इस विषय के प्रति बढ़ती वैश्विक रुचि और जागरूकता को दर्शाते हैं। कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि गुरुग्राम यूनिवर्सिटी द्वारा प्लास्टिक मुक्त और डिजिटल माध्यमों से आयोजित यह सम्मेलन अन्य संस्थानों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि युवा शोधकर्ता और विद्यार्थी पर्यावरण संरक्षण के वास्तविक परिवर्तनकारी बन सकते हैं, यदि वे अपने विचारों को व्यवहार में उतारें। उन्होंने कहा कि आज के शोध और नवाचार तभी सार्थक होंगे जब उनका लाभ आम जन तक पहुंचे। डीएलसी सुपवा के कुलपति डॉ. अमित आर्य ने कहा कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन विचारों के आदान-प्रदान के साथ-साथ एक बेहतर और सुरक्षित भविष्य की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

श्रद्धालुओं ने की साहस और संकल्प की प्राप्ति के लिए प्रार्थना

श्री सिद्धदाता आश्रम में माता चंद्रघंटा स्वरुप की पूजा में दिखा भक्ति और तप का आध्यात्मिक संगम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

चैत्र नवरात्रि पर्व के तीसरे दिन सूरजकुंड मार्ग स्थित श्रीलक्ष्मी नारायण दिव्यधाम श्रीसिद्धदाता आश्रम के सत्संग भवन में चल रहे आदिशक्ति मां दुर्गा के अनुष्ठान में देश-विदेश से पहुंचे श्रद्धालुओं ने आदि शक्ति मां दुर्गा के तृतीय स्वरुप मां चंद्रघंटा की पूजा-अर्चना की। वेदवेदांग आचार्यों द्वारा किए गए देवी पुराण महाभागवत के मंत्रोच्चार के साथ युवाचार्य स्वामी अनिरुद्धाचार्य जी ने विश्व कल्याण की विशेष पूजा-अर्चना की।

आयोजित अनुष्ठान में श्रद्धालुओं ने सौभाग्य, स्मृद्धि, साहस और संकल्प शक्ति की प्राप्ति के लिए मां चंद्रघंटा स्वरुप की पूजा की। श्रीसिद्धदाता आश्रम के अधिष्ठाता एवं श्रीरामानुज संप्रदाय की तीर्थ पीठ इंद्रप्रस्थ एवं हरियाणा के पीठाधीश्वर अनंतश्री विभूषित श्रीमद जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य जी महाराज ने विशेष पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं को अपने प्रवचन में आदिशक्ति मां दुर्गा के तृतीय स्वरुप मां चंद्रघंटा की कथा में प्रस्तुत किया कि माता चंद्रघंटा को शक्ति की वाग्देवी कहा गया है। माता चंद्रघंटा की कृपा से श्रद्धालुओं के पाप और संकट नष्ट हो जाते हैं। माता चंद्रघंटा की पूजा से जीवन में शांति मिलती है और मनुष्य के कष्टों का निवारण होता है। माता चंद्रघंटा सौभाग्य, धन-धान्य, साहस, सुख-संपत्ति, समृद्धि, संकल्प शक्ति और मुक्ति का आशीर्वाद प्रदान करती है। मां चंद्रघंटा की पूजा करने से आंतरिक शक्ति जागृत होती है, जो एकाग्रता में वृद्धि और प्रगति में बाधा डालने वाली रुकावटें दूर होती हैं। चैत्र नवरात्रि का पहला दिन संकल्प तय करने, दूसरा दिन अनुशासन में रहने और तीसरा दिन आत्मविश्वास के साथ संकल्प शक्ति को प्रगाढ़ करना चाहिए। श्रद्धालुओं ने आदि शक्ति मां दुर्गा के तीसरे स्वरूप चंद्रघंटा देवी की मंत्रों की गूंज के बीच पूजा-अर्चना की।

मंत्री के निदेर्श- बेसहारा बुजुर्गों को तुरंत गैस उपलब्ध कराएं

ताऊ देवीलाल वृद्वाश्रम के बुजुर्गो ने जताया खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री राजेश नागर का आभार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

ईरान-अमेरिका के युद्ध का असर नवजन मोर्चा समिति ताऊ देवीलाल वृद्धाश्रम-2डी ब्लॉक ब्लॉक पर भी पड़ा जब आश्रम में खाना बनाने के लिए गैस खत्म हो गई। नतीजन बुजुर्गो का खाना लकड़ी जलाकर बनाना पड़ा। आश्रम के संचालक किशन लाल बजाज ने बताया कि गैस एजेंसी के समक्ष उन्होनें बुजुर्गो का वास्ता देकर अपना दुखड़ा रोया तो उन्होंनें भी नियमों का हवाला देकर अपने हाथ खड़े कर दिए। आश्रम के साथ जुड़े सेवादार समाजसेवी एडवोकेट बलराज भड़ाना को अपनी समस्या बताई। बलराज भड़ाना ने तुरंत खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री राजेश नागर को आश्रम की व्यथा सुनाई। मंत्री राजेश नागर ने तुरंत संबधित गैस एजेंसी को हिदायत देते हुए कहा कि इन बेसहारा बुजुर्गो को तुरंत गैस उपलब्ध कराई जाए और भविष्य में इन्हें कोई परेशानी ना आने पाए। मंत्री राजेश नागर की सख्ती का असर यह हुआ कि आश्रम को गैस सिलैंडर मिलने प्रारंभ हो गए आश्रम के संचालक किशन लाल बजाज और वहां रह रहे बुजुर्गो ने मंत्री राजेश नागर और बलराज भड़ाना का आभार जताया।

मेगा पदयात्रा में स्कूल, कॉलेज आईटीआई एवं एनसीसी के छात्र भाग लेंगे

23 मार्च को शहीद दिवस पर एनआईटी क्षेत्र में मेगा पदयात्रा के मद्देनजर यातायात एडवाइजरी जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

आगामी 23 मार्च 2026 शहीद दिवस के अवसर पर माई भारत(मेरा युवा भारत) के तत्वावधान में फरीदाबाद में एक मेगा पदयात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस पदयात्रा में बड़ी संख्या में स्कूल, कॉलेज, आईटीआई एवं एनसीसी के विद्यार्थी भाग लेंगे।

यह पदयात्रा के.एल. मेहता कॉलेज से प्रारंभ होकर डीसीपी एनआईटी कार्यालय के सामने से होते हुए केसी रोड के.सी. सिनेमा रोड़ से शहीद भगत सिंह चौक एनआईटी-5 तक जाएगी। पदयात्रा के दौरान 23 मार्च 2026 को प्रातः 6 बजे से 11 बजे तक बीके चौक से

शहीद भगत सिंह चौक एनआईटी तक का मार्ग पूर्णतः यातायात के लिए बंद रहेगा। इस अवधि में उक्त मार्ग पर सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा तथा पूरे मार्ग पर किसी भी प्रकार की पार्किंग की अनुमति नहीं होगी। इस संबंध में डीसीपी ट्रैफिक एवं डीसीपी एनआईटी जयबीर सिंह ने बताया कि पदयात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने हेतु पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी तथा आवश्यकतानुसार डायवर्जन लागू किए जाएंगे तथा पूरे रूट पर यातायात प्रबंधन एवं निगरानी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि आमजन को न्यूनतम असुविधा हो और यातायात व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित रहे। सभी प्रकार की ड्यूटी, व्यवस्था के प्रभारी शैलेंद्र कुमार, एसीपी ट्रैफिक-1 होंगे। फरीदाबाद पुलिस द्वारा आमजन से अपील की जाती है कि उक्त समयावधि के दौरान केसी रोड एवं आसपास के मार्गों का उपयोग करने से बचें तथा वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें।

अनखीर चौक पुलिस टीम की कार्रवाई

प्रतिबंधित मांस बेचने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, सैंट्रो कार जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

बीती रात प्रतिबंधित मांच बेचने के मामले में थाना सूरजकुण्ड अन्तर्गत अनखीर चौक पुलिस ने दो युवकों को काबू कर उनके कब्जे से प्रतिबंधित मांस व सैन्ट्रो कार को बरामद किया है।

पुलिस यशपाल के अनुसार 20 मार्च को पल्ला निवासी एक व्यक्ति ने सूरजकुंड थाना पुलिस को शिकायत दी कि कुछ लोग गौ मांस बेचने के लिए गाड़ी मे भर कर गांव बडख़ल स्थित एक दुकान पर मांस उतार चुके है, जिनके नाम नजीर व ताहीर निवासी फतेहपुर तगा है। जिस शिकायत पर कार्रवाई करते

हुए गांव बड़खल स्थित दुकान से 110 किलो मांस बरामद किया गया तथा थाना सूरजकुंड में हरियाणा गौवंश संरक्षण एवं गौ संवर्धन अधिनियम 2015 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। पुलिस चौकी अनखीर प्रभारी संजय कुमार की टीम ने कार्रवाई करते हुए नजीर व ताहीर निवासी फतेहपुर तगा को गिफ्तार कर घटना में प्रयोग की गई सैंट्रो गाड़ी को बरामद किया गया है।

साइबर थाना एनआईटी की बड़ी कार्रवाई, ठगी करने वाला खाताधारक गिरफ्तार

फरीदाबाद। साइबर थाना एनआईटी की टीम ने फॉरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर एक डॉक्टर से

लगभग 4.43 करोड़ रुपये की ठगी करने के मामले में खाताधारक अतुल कुमार निवासी शहवार कासगंज उत्तर प्रदेश हाल निवासी विष्णु गार्डन, दिल्ली को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता अनुसार 24 अक्टूबर 2025 को सेक्टर-9 फरीदाबाद निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी एक डेटिंग वेबसाइट पर एक युवती से बातचीत हुई, जिसके बाद व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से भी संपर्क बना रहा।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **जी. कुमार, प्रोपराइटर ऑफ मेसर्स बालाजी एंटरप्राइजेज, कार्यालयः** 596/7, ज्ञान कैटर्स के पास, नेहरू लेन, विजय पार्क, गुरुग्राम, हरियाणा; एवं म.नं. 9303/13, डॉ. खरबंदा वाली गली, सुभाष नगर, गुरुग्राम, हरियाणा–122001 ने मुकदमा **CC No. 12737/17 U/s 138 NI Act, थानाः कोतवाली, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **जी. कुमार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **जी. कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **CC No. 12737/17 U/s 138 NI Act, थानाः कोतवाली, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **जी. कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **28.04.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री उर्वी गुप्ता
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी (एनआई एक्ट–01), केंद्रीय
कमरा नं. 201, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/3637/N/2026
(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **काजी शब्बीर उर्फ शब्बीर उर्फ सोनू उर्फ मेहरूफ खान उर्फ मिलन उर्फ रोबिन,** पुत्रः काजी हमीद, पताः खानाबदोश, निजामुद्दीन दरगाह के पास फुटपाथ पर, दिल्ली ने मुकदमा **FIR No. 77/2025 U/s 305(2) / 317(2), भारतीय न्याय संहिता, 2023, थानाः हजरत निजामुद्दीन, नई दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **काजी शब्बीर उर्फ शब्बीर उर्फ सोनू उर्फ मेहरूफ खान उर्फ मिलन उर्फ रोबिन** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **काजी शब्बीर उर्फ शब्बीर उर्फ सोनू उर्फ मेहरूफ खान उर्फ मिलन उर्फ रोबिन** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 77/2025 U/s 305(2) / 317(2), भारतीय न्याय संहिता, 2023, थानाः हजरत निजामुद्दीन, नई दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **काजी शब्बीर उर्फ शब्बीर उर्फ सोनू उर्फ मेहरूफ खान उर्फ मिलन उर्फ रोबिन** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **23.04.2026** को या इससे पहले हाजिर हों।

आदेशानुसार
सुश्री मनुज कौशल
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी–03
कमरा नं. 512, साकेत कोर्ट, नई दिल्ली

DP/3605/SE/2026
(Court Matter)

पुलिस रिमांड पर लेकर की जा रही है पूछताछ

डबुआ क्षेत्र में हुई हत्या के मामले में क्राईम ब्रांच डीएलएफ ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

अपराध शाखा डीएलएफ की टीम ने डबुआ क्षेत्र में हुई हत्या के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राधे निवासी डबुआ कॉलोनी व सन्नी उर्फ नन्दन निवासी गांव घुनपई, जिला फिरोजाबाद उत्तर प्रदेश हाल निवासी डबुआ कॉलोनी फरीदाबाद के रूप में हुई है।

पुलिस प्रवक्ता अनुसार पवन कुमार निवासी धर्मांगदपुर, जनपद मैनपुरी उत्तर प्रदेश ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि 4 मार्च को उसका छोटा भाई संजीव कुमार अपने एक दोस्त से मिलने के लिए जा रहा था। जब वह रतिराम मार्ग स्थित शुक्ला आटा

चक्की के पास पहुंचा, तो वहां खड़े लडके बादल, राधे, सन्नी, बिल्ला, करण व अन्य ने संजीव पर हमला कर दिया और उसे गंभीर चोट मारकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर परिजनों द्वारा संजीव को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान 15 मार्च को उसकी मृत्यु हो गई।

ऑडिटोरियम में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया

स्वास्थ्य विभाग फरीदाबाद की देखरेख में 125 टीबी मरीजों को निक्षय पोषण आहार किट वितरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

जनस्वास्थ्य एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति सराहनीय पहल करते हुए रोटरी क्लब फरीदाबाद ईस्ट द्वारा रेडक्रॉस सोसायटी सेक्टर-12 फरीदाबाद के ऑडिटोरियम में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 125 टीबी (क्षय रोग) से पीड़ित मरीजों को निक्षय पोषण आहार किट वितरित की गई।

यह किट आगामी 6 माह तक नियमित रूप से मरीजों को उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे उनके उपचार में पोषण की कमी न आए और वे शीघ्र स्वस्थ हो सकें। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सिविल सर्जन

डॉ.जयंत आहूजा ने कहा कि किसी भी बीमारी के उपचार में संतुलित एवं पौष्टिक आहार की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने रोटरी क्लब एवं रेडक्रॉस सोसायटी की इस पहल को अत्यंत सराहनीय बताते हुए कहा कि यह प्रयास टीबी उन्मूलन की दिशा में प्रभावी कदम साबित होगा। विशिष्ट अतिथि डिप्टी सिविल सर्जन डॉ.हरजिंदर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि 125 मरीजों को पोषण आहार किट प्रदान करना एक अनुकरणीय सामाजिक पहल है, जिससे मरीजों के स्वास्थ्य के साथ-साथ उनका मनोबल भी सुदृढ़ होगा। रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव बिजेंद्र सिंह सोरोत ने बताया कि वितरित की गई किट में दालें, काला चना, गुड़, तेल, प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ एवं अन्य आवश्यक पोषण सामग्री सम्मिलित है, जिससे मरीजों को समुचित पोषण प्राप्त हो सके। रेडक्रॉस सोसायटी के संरक्षक विमल खंडेलवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के जरूरतमंद वर्ग की सेवा ही सच्ची मानव सेवा है।

मिल्क वैल्यू चेन से जुड़ी साढ़े तीन लाख महिलाएं, स्वरोजगार का बना नया रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

योगी सरकार में उत्तर प्रदेश की ग्रामीण महिलाएं दुग्ध व्यवसाय से आत्मनिर्भर बन रही हैं। लगभग साढ़े तीन लाख महिलाएं दुग्ध संग्रहण और संबंधित कार्यों से जुड़ी हैं, जिससे यूपी इस क्षेत्र में देश में नंबर वन बन गया है। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन और मिल्क वैल्यू चेन से महिलाओं की आय बढ़ी है...

मुख्यमंत्री योगी सरकार में उत्तर प्रदेश की ग्रामीण महिलाएं तरक्की की नई इबारत लिख रहीं हैं। प्रदेश में दुग्ध संग्रहण और उससे जुड़े कार्यों के माध्यम से करीब साढ़े तीन लाख महिलाएं आत्मनिर्भर बनीं हैं। इतनी बड़ी संख्या के लिहाज से दुग्ध व्यवसाय के क्षेत्र में यूपी देश में नंबर वन है। यह परिवर्तन उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के जरिए संभव हुआ है, जो ग्रामीण महिलाओं के लिए तरक्की का मजबूत आधार बनकर उभरा है। योगी सरकार की अभूतपूर्व योजनाओं के जरिए उत्तर प्रदेश नित नए रिकॉर्ड बना रहा है।

प्राथमिकता में ग्रामीण महिलाएं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ग्रामीण महिलाओं को अपनी नीतियों के केंद्र में रखा है। इसी का परिणाम है कि प्रदेश में लगातार अभूतपूर्व योजनाओं के जरिए नए रिकॉर्ड बन रहे हैं और महिलाएं विकास की मुख्यधारा में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। उत्तर प्रदेश में दुग्ध व्यवसाय के माध्यम से महिलाओं का सशक्तीकरण न केवल एक आर्थिक बदलाव है, बल्कि यह सामाजिक परिवर्तन की भी मजबूत नींव बन चुका है। प्रदेश की महिलाएं आज आत्मनिर्भरता की मिसाल बनकर देश के सामने नई दिशा प्रस्तुत कर रहीं हैं।

मिल्क वैल्यू चेन से मिल रहा अब बेहतर मूल्य

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश में दुग्ध मूल्य श्रृंखला (मिल्क वैल्यू चेन) विकसित होने से अब उत्पाद का बेहतर मूल्य मिल रहा है। इसके साथ ही किसानों और महिला समूहों को नियमित एवं पारदर्शी भुगतान सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे उनके भरोसे और आय दोनों में वृद्धि हुई है।

रोजगार के साथ अर्थव्यवस्था को भी मजबूती

दुग्ध व्यवसाय से गांवों में बड़े स्तर पर रोजगार सृजन हो रहा है। इससे न सिर्फ महिलाओं की आय बढ़ी है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिली है। छोटे स्तर पर शुरू हुआ यह कार्य अब बड़े आर्थिक मॉडल का रूप ले चुका है।

महिलाओं का व्यापक सशक्तिकरण

सरकार की योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और बाजार से जोड़ने की सुविधा दी गई है। इसका परिणाम यह है कि आज ग्रामीण महिलाएं स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के जरिए आर्थिक रूप से मजबूत बन रही हैं और परिवार के साथ-साथ समाज में भी अपनी भागीदारी बढ़ा रही हैं।

बिहार में बेमौसम वर्षा से फसल बर्बाद, 4 की मौत

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार में बेमौसम बारिश ने तबाही मचा दी। पूर्णिया समेत सीमांचल के इलाके में मक्के की फसल काफी नुकसान हुआ तो गया में पोल टूट जाने के ट्रांसफार्मर जमीन पर गिर गया।

मुजफ्फरपुर, मोतिहारी, भागलपुर समेत कई जिलों में गेहूं की फसल को भारी नुकसान हुआ। वैशाली में तेज हवा से केले की फसल बर्बाद हो गई। कई जिलों में पेड़ टूटकर सड़क पर गिर गए। अररिया में घर गिरने से दबकर बच्चे की मौत समेत राज्य भर में चार की मौत हो गई। बाढ़ में ठनका गिरने से एक तार के पेड़ में आग लग गई। मौसम की मार किसानों से लेकर व्यापारियों तक पड़ी है।

मरांडी ने सीएम को लिखा पत्र, सरकारी संसाधन पर सवाल

एजेंसी ▶▶ रांची

भाजपा के वरिष्ठ नेता बाबूलाल मरांडी ने शनिवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर सरकारी संसाधनों की खरीद और इस्तेमाल पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा साल 2024 में खरीदे गए 17 बुलेटप्रूफ वाहनों की खरीद और उनके इस्तेमाल को लेकर नाराजगी जाहिर की है।

मरांडी ने पत्रा में कहा है कि इनमें से कुछ वाहनों का इस्तेमाल ही नहीं हो रहा ऐसे में राज्य सरकार को इन्हें खरीदने की क्या जरूरत थी। मरांडी का ये भी कहना है कि इनमें से कुछ वाहन तो खाली खड़े ही

रहते हैं जिनसे इनके इंजन के खराब होने की संभावना है। मरांडी ने पत्र में लिखा कि 'खरीदे गए 17 वाहनों में से तीन वाहन मुख्यमंत्री के काफिले में जोड़ दिए गए जबकि दो वाहन राज भवन के लिए दे दे दिए गए जबकि बाकी बचे 12 वाहन वीआईपी की आवाजाही के नाम पर हेडक्वार्टर रिजर्व ट्रांसपोर्ट में खड़े हैं।' उन्होंने दावा किया कि इनमें से ज्यादा वाहनों का समुचित इस्तेमाल नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा, 'अगर इन वाहनों का इस्तेमाल ही नहीं करना है, तो इन्हें खरीदने की जरूरत क्या थी? इन पर खर्च किए गए पैसे बचाए जा सकते थे।'

नेता विपक्ष मरांडी ने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्रियों को दिए गए वाहन 10-12 साल पुराने हैं और उनकी हालत भी ठीक नहीं है। यहां तक कि मुझे दिया गया बुलेटप्रूफ वाहन भी काफी पुराना है और बार-बार खराब होता रहता है। जो वाहन इस्तेमाल नहीं हो रहे हैं, उन्हें मुख्य सचिव, डीजीपी, गृह सचिव और कैबिनेट सचिव को दे देना चाहिए।

पेज एक का शेष

युद्ध के बीच प्रधानमंत्री...

अरब, ओमान और बहरीन शामिल हैं। इसके अलावा उनकी जॉर्डन के किंग से भी फोन पर वार्ता हो चुकी है। अन्य देशों (इजरायल और अमेरिका) के साथ प्रत्यक्ष या विभिन्न माध्यमों के जरिए पीएम की मंत्रणा की कवायद जारी है।

28 फरवरी के बाद दूसरी बार हुई वार्ता : उल्लेखनीय है कि पिछले महीने के अंत में 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच हुई युद्ध की शुरुआत के बाद यह दूसरा ऐसा मौका है। जब भारत और ईरान के राष्ट्राध्यक्षों के बीच टेलीफोन के माध्यम से बातचीत हुई है। दोनों का पहला सीधा संवाद इसी महीने 12 मार्च को हुआ था। जिसमें खासतौर पर मध्य-पूर्व में स्थिरता और ईरान में भारतीयों की सुरक्षा के मामले को प्रमुखता के साथ शामिल किया गया था। राष्ट्रपति पेजेश्कियन से बातचीत में पीएम ने नागरिकों की मौत के साथ बढ़ते तनाव और नागरिक बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान पर गहरी चिंता जाहिर की थी। इसके अलावा शांति-स्थिरता की तुरंत बहाली के लिए सभी पक्षों से संवाद और कूटनीति के जरिए समस्या समाधान को लेकर बने हुए देश के मजबूत रुख पर जोर दिया। इसके अलावा उन्होंने ईरान में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा और ऊर्जा की बेरोकटोक आवाजाही के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। ईरानी राष्ट्रपति ने भी इस वार्ता को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी थी और प्रधानमंत्री को मौजूदा हालातों के बारे में अवगत कराया। पेजेश्कियन ने भारत को क्षेत्रीय शांति के लिए एक अहम भागीदार बताया।

नवरोज के अवसर पर दी बधाई : ईरानी राष्ट्रपति से बातचीत से पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने नवरोज के मौके पर देशवासियों को भी अपना बधाई संदेश दिया। 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'नवरोज के विशेष अवसर पर शुभकामनाएं। मैं कामना करता हूं कि यह नया साल सुख-समृद्धि और हर्षोल्लास से भरा हो। सभी का स्वास्थ्य उत्तम रहे और सबकी आकांक्षाएं पूरी हों। नवरोज मुबारक'। गौरतलब है कि नवरोज का अर्थ नया दिन (नव-नया और रोज-दिन) होता है। जिसे फारसी और पारसी नववर्ष के आगमन का प्रतीक माना जाता है। यह त्योहार वसंत ऋतु के आगमन (वसंत विषुव-ज्यादातर 21 मार्च को होता है) के तौर पर मनाया जाता है।

स्वतंत्र-खुली हुई समुद्री आवाजाही जरूरी: उन्होंने राष्ट्रपति पेजेश्कियन के साथ वार्ता में युद्ध के अत्यंत चिंताजनक माहौल में नौवहन स्वतंत्रता की रक्षा करने और इसे सुनिश्चित करने के महत्व को दोहराया। इसके अलावा कहा कि जहाजों की आवाजाही से जुड़े हुए अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्ग खुले और सुरक्षित रहने चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने ईरान में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा प्रदान करने के लिए दिए जा रहे निरंतर समर्थन की भी सराहना की है।

पश्चिम-एशिया क्षेत्र...

पिछले साल खाड़ी में हुई 6826 मौतें : वर्ष 2025 में खाड़ी में मारे गए भारतीय कामगारों की कुल संख्या 6 हजार 826 है। जिसमें यूएई में 2 हजार 754 श्रमिकों की मौत हुई है। जबकि इसी अवधि में सऊदी अरब में ये आंकड़ा 2 हजार 533 रहा है। इसके अलावा क्षेत्र के बाकी देशों जैसे कतर में 287, ओमान में 360, कुवैत में 714 और बहरीन में 178 स्वदेशी कामगार 'काल के गाल में समा गए'।

ये रही 2021 से 2024 तक की स्थिति : वहीं, वर्ष 2024 में मारे गए भारतीयों की संख्या 6 हजार 603, 2023 में 6 हजार 290, 2022 में 5 हजार 937 और उससे एक साल पहले यानी वर्ष 2021 में 7 हजार 740 भारतीय कामगार मारे जा चुके हैं।

ईरान की जेलों में बंद हैं 18 नाविक : मंत्रालय द्वारा दिए गए एक अन्य आंकड़े में ये भी बताया गया है कि वर्तमान में दुनियाभर के देशों की जेलों में कुल 73 भारतीय नाविक बंद हैं। जिनमें ईरान में बंद नाविकों की संख्या 18 है। साथ ही जिबूती में यह आंकड़ा 17, चीन में 2, ऑस्ट्रेलिया में 1, ब्रिटेन में 2, इटली में 2, मॉरीशस में 2, नाइजीरिया में 22, सेनेगल में 4, त्रिनिदाद-टोबैगो में 1, मिस्र में 1 और कोट 'डी' आइवरी में 1 नाविक बंद है।

भारतीयों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता : इन सबके बीच बीते वक्त में एक प्रश्न के जवाब में विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने संसद में कहा था कि भारत सरकार विदेशों में रहने वाले सभी भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण के लिए पूरी तरह से संकल्पबद्ध है। जिसमें अल्पसंख्यक समुदाय के लोग भी शामिल हैं। इजरायल-फिलिस्तीन के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि भारत क्षेत्र में एक व्यापक और दीर्घकालिक स्थायी शांति के लिए प्रतिबद्ध है।

जनवरी में तय हुई पीएम की इजरायल यात्रा : एक अन्य प्रश्न के जवाब में सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजरायल यात्रा को लेकर बताया कि इस वर्ष 25 से 26 फरवरी तक की गई उनकी इजरायल यात्रा का निर्धारण जनवरी-2026 की शुरुआत में ही हो गया था।

शीर्ष पर हैं यूएई...

इसका संबंध किसी तारीख विशेष तक ही सीमित है। वहीं, बताते चलें कि उक्त युद्ध की शुरुआत दोनों पक्षों के बीच 28 फरवरी 2026 को हुई थी। जबकि इसके पूर्व पिछले साल जून महीने में भी कुछ दिनों तक अमेरिका-ईरान के बीच एक छोटा संघर्ष हुआ था। जिसने इस बार बड़ा रूप धारण कर लिया है।

लोकसभा में कल...

कहा था। राज्यसभा में समाजवादी पार्टी संसदीय दल के नेता रामगोपाल यादव ने मामला उठाते हुए सरकार से आग्रह किया था सीआईपीएफ के वेतन विसंगतियां, प्रमोशन आदि पर कुप्रभाव न पड़े इसको भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

क्या है मुख्य चिंता : कुछ याचिकाकर्ताओं का कहना है कि सरकार इस विधेयक के जरिए वरिष्ठ पदों पर आईपीएस अधिकारियों की संख्या को कानूनी रूप से तय कर सकती है, जिससे सुप्रीम कोर्ट के आदेश का प्रभाव कम हो सकता है। वर्तमान स्थिति में सीएपीएफ के शीर्ष पदों पर आईपीएस अधिकारियों का वर्चस्व बना हुआ है। उदाहरण के तौर पर बीएसएफ में सभी अतिरिक्त महानिदेशक पद आईपीएफ अधिकारियों के पास हैं। आईटीबीपी में एडीजी स्तर पर सीएपीएफ कैडर का प्रतिनिधित्व नहीं के बराबर है। सीआईएसएफ में भी अधिकांश वरिष्ठ पद आईपीएस अधिकारियों के पास हैं।

पूर्व सैनिक संगठनों की मांग : सीएपीएफ के पूर्व कर्मियों के संगठन ने सरकार से मांग की है कि इस विधेयक को पहले संसद की गृह मामलों की स्थायी समिति को भेजा जाए ताकि सभी पक्षों से परामर्श लिया जा सके। संगठन ने यह भी कहा कि कैडर अधिकारियों को नीति निर्माण में शामिल किया जाए और उनकी पदोन्नति के अवसर बढ़ाए जाएं। इस मुद्दे को लेकर 23 मार्च को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की भी घोषणा की गई है।

सरकार का पक्ष : सरकारी सूत्रों के अनुसार, यह विधेयक प्रशासनिक स्पष्टता और सेवा शर्तों को व्यवस्थित करने के लिए लाया जा रहा है। हालांकि, इस पर अंतिम निर्णय संसद में चर्चा के बाद ही होगा।

अन्य विधेयकों पर भी नजर : संसद के दोनों सदनों में इस दौरान वित्त विधेयक पर भी चर्चा होने की संभावना है। इसके अलावा ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अधिकार संरक्षण संशोधन विधेयक और दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) संशोधन विधेयक, 2025 पर भी विचार किया जा सकता है।

भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट...

रुपये निवेश करके नया प्लॉट बनाने की इच्छा जताई है। कंपनी यहां बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम यूनिट स्थापित करना चाहती है।

वैश्विक सप्लाई चेन मजबूत कर रहे : हरियाणा सरकार ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स की वैश्विक सप्लाई चेन को और मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसके लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे, कौशल विकास और नीति समर्थन को मजबूत किया जा रहा है, जिससे हरियाणा को एक प्रमुख मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित किया जा सके। यह पहल प्रधानमंत्री के 'न्यू इंडिया' के विजन के अनुरूप है, जिसमें आत्मनिर्भरता, औद्योगिक विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर विशेष जोर दिया गया है। इन सभी कार्यों का समन्वय 'विदेशी सहयोग विभाग' द्वारा किया जा रहा है। इस बैठक के दौरान मुख्यमंत्री के सलाहकार पवन चौधरी, टीडीके बिजनेस के सीईओ फुमिओ शशिदा, टीडीके एनर्जी से हिदेआकि सेकी, टीडीके एनर्जी डिवाइस से ताकाहिरो सुतो, काजुनोबू मियाके, टीडीके पावर सप्लाई से नाओकि कातायोसे, निशाल के चीफ इलेक्ट्रिक केंटारो ओका व अन्य अतिथि मौजूद रहे।

उद्योग जगत के ...

और प्रक्रियाओं से जुड़ी चुनौतियों को कम किया जा सके। इन सुधारों से न केवल निवेशकों का विश्वास बढ़ा है, बल्कि छोटे और मध्यम उद्योगों को भी बड़ा लाभ मिला है।

रील एडिक्शन
हेल्थ-लाइफ के लिए हार्मफुल

सोशल मीडिया पर रील्स की भरमार मौजूद रहती है। हर उम्र के लोग इसकी लत के शिकार हो रहे हैं। इससे उनके शारीरिक ही नहीं, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता पर भी प्रभाव पड़ रहा है। इससे बचने के लिए घर-बाहर अनुशासित रहते हुए कुछ नियमों का पालन करना जरूरी है। आप सभी के लिए बहुत जरूरी सलाह।

कवर स्टोरी / रजनी अरोड़ा

वर्तमान डिजिटल युग में वर्चुअल दुनिया की लत, नई महामारी के रूप में तेजी से उभर रही है। जिसके विभिन्न प्लेटफॉर्मों के मोहपाश में अमूमन हम सभी बंधे हुए हैं। जेन-जी कहलाने वाली युवा पीढ़ी तो रियल वर्ल्ड के बजाय आर्टिफिशियल रील वर्ल्ड में घूम रही है। सोशल मीडिया पर वायरल होने, ख्याति पाने, फॉलोअर्स बढ़ने और पैसा कमाने की मंशा से रोज कंटेंट क्रिएट करने या फन रील्स बनाने की रैट रेस में शामिल हैं। इसके चलते न सिर्फ अभद्र आचरण, बल्कि अमर्यादित भाषा-डांस का भी सहारा लेते हैं। यहीं नहीं कई बार खुद अपनी और दूसरों की जान भी खतरे में डालने से गुरेज नहीं करते हैं। इसी वजह से आए दिन सोशल मीडिया को लेकर कई दुखद खबरें सुर्खियों में रहती हैं। ऐसे में डिजिटल एडिक्शन से बचने के लिए प्रभावी कदम उठाने जरूरी हैं।

बर्बाद होता है कीमती समय गौर करें तो अधिकांश सोशल मीडिया रील्स में कोई तर्क, तथ्य नहीं होता है। स्वस्थ और मर्यादित मनोरंजन भी नहीं होता। लेकिन इनकी लत ऐसी है कि लाखों-करोड़ों लोगों का कीमती वक्त रील्स देखने में गुजर जाता है। असल में टेक्निक बेस्ड सोशल मीडिया कंपनियों का एल्गोरिदम, व्यूअर्स को खुद से जोड़े रखने के लिए पसंद के मुताबिक रील्स एक के बाद एक दिखाता रहता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में इंस्टाग्राम के लगभग 240 करोड़ यूजर्स हैं, जिनमें से तकरीबन 50 करोड़ भारत में हैं। जो रोजाना तकरीबन 1 करोड़ 76 लाख घंटे रील्स देखने में बिताते हैं और 350 करोड़ रील्स दूसरों से शेयर करते हैं। टिकटॉक पर तो यह आंकड़ा 10 गुना ज्यादा है यानी रोजाना 19 करोड़ 78 लाख घंटे रील्स देखने में बिताते हैं। वहीं मेटा के हिसाब से फेसबुक और इंस्टाग्राम पर रोज तकरीबन 20 हजार करोड़ रील्स देखी जाती हैं।

क्या होता है असर: बहुत ज्यादा रील्स देखने से हमारे ब्रेन में डोपामाइन का विस्फोट होता है। यह एक न्यूरोट्रांसमीटर है, जो हमारी हैप्पीनेस के लिए जिम्मेदार है और यह रिवार्ड सिस्टम की तरह काम करता है। लाइक्स, ज्यादा से ज्यादा व्यूअर, फॉलोअर और सब्सक्राइबर मिलने से डोपामाइन बढ़ जाता है। यह और ज्यादा रील्स देखने के लिए मजबूर करता है। वहीं आपकी पोस्ट पर अगर ज्यादा लाइक्स या अच्छे कमेंट्स नहीं मिलते, तो हीन भावना से ग्रस्त हो जाते हैं, खुद को दूसरे से कमतर समझने लगते हैं और नेगेटिविटी का शिकार हो जाते हैं।

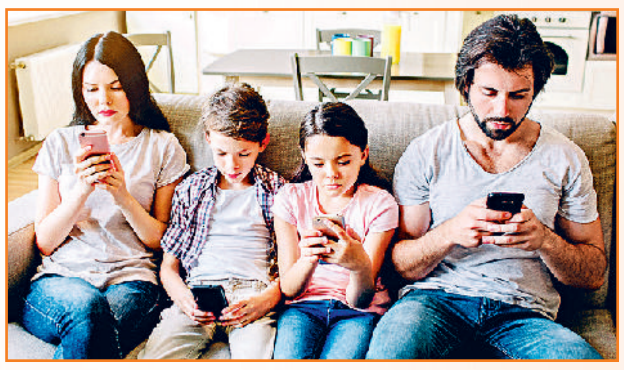

रिश्तों से बढ़ रही दूरी: रील बनाने के जुनून ने युवाओं की सोच और जीवनशैली पर गहरा असर डाला है। रील्स न बनाने वाले को आजकल पुराने जमाने या जेन एक्स की सोच वाला माना जाता है। ऐसे लोग वास्तविक जीवन में सार्थक बातचीत और अनुभवों को साझा करने के बजाय सोशल मीडिया में लगे रहते हैं। जिसके चलते वे अपने रिश्ते-नातों, अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ रहे हैं। सामाजिक अलगाव, तनावपूर्ण रिश्ते और वास्तविक दुनिया में सामाजिक मेलजोल में कमी आ रहा है।

बढ़ रही हैं शारीरिक समस्याएं: खेलने या फिजिकल एक्टिविटी करने के बजाय घर की चारदीवारी में मोबाइल या टैब पर घंटों बैठे रहते हैं। आउटडोर गेम्स खेलने से दूर होते जा रहे हैं। गतिहीन जीवनशैली की वजह से मोटापा और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो रही हैं। आंखों में तकलीफ होती है, ड्राई आई विजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। गलत पोश्चर में काम करने से गर्दन और पीठ में दर्द की शिकायत रहती है। स्क्रीन से निकलने वाली ब्ल्यू रेज से नींद में खलल पड़ सकता है, नींद की क्वालिटी प्रभावित होती है।

ऐसे छूटेगी रील एडिक्शन: सोशल मीडिया की लत, उसके नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए एक सुरक्षित और अधिक सकारात्मक ऑनलाइन वातावरण को बढ़ावा देना जरूरी है। इसके लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

स्क्रीन टाइम सीमित रखें: जानें कि आप अपने डिवाइस का इस्तेमाल क्यों कर रहे हैं और इससे आप क्या हासिल करना चाहते हैं? मैच्योर माइंड से दिन में टाइम लिमिट निर्धारित करें। दृढ़ संकल्प लें कि सोशल मीडिया का उपयोग कम से कम करना है। दिनचर्या नियत करें, जिसमें सोशल मीडिया के लिए नियत समय या एकाध घंटा निर्धारित करें। खुद के लिए समय निकालें। सभी फैमिली मेंबर्स खुद से कमिट करें कि उन्हें कुछ मिनट या अधिकतम आधे घंटे स्क्रीन देखना है।

डिजिटल लिट्रेसी है जरूरी: पैरेंट्स के लिए डिजिटल दुनिया की उपयोगिता, डिजिटल-स्पेस, इंटरनेट की अच्छाइयों, बुराइयों को जानना जरूरी है। ध्यान रखना चाहिए कि बच्चे किसी गेमिंग या गेंबलिंग एप का हिस्सा न बन रहे हों। बच्चों में रियल लाइफ के रिश्तों और रील लाइफ की आभासी दुनिया और सही-गलत में अंतर करने की समझ विकसित करनी चाहिए। डिजिटल गैजेट्स टाइम पास या गेम खेलने के बनिस्पत बच्चों की जरूरतों को पूरा करने के लिए उपयोग में लाना सिखाना चाहिए।

इसके अलावा पैरेंट्स की जिम्मेदारी बच्चों को सिर्फ अच्छी सुख-सुविधाएं देना ही नहीं हैं, अनुशासन, कानून का सम्मान और जिम्मेदारी सिखाना भी है। बच्चों को यह समझाना भी है कि सोशल मीडिया पर हिट होने के लिए अपनी या किसी दूसरे की जिंदगी को खतरे में न डालें।

स्कूलों में हो डिजिटल एजुकेशन: फिजिकल एजुकेशन की तरह डिजिटल एजुकेशन भी कंपल्सरी होनी चाहिए। बच्चों को सोशल मीडिया की लत के नुकसान हैं, इनको देखने में खराब होते टाइम के बारे में समझाया जाना चाहिए। पाठ्यक्रम में डिजिटल सिटिजनशिप प्रोग्राम की शुरुआत करनी चाहिए। जिसमें छात्रों को ऑनलाइन सुरक्षा, नैतिकता और सकारात्मक डिजिटल फुटप्रिंट बनाए रखने के महत्व के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए। बच्चों को जिम्मेदार सोशल मीडिया के उपयोग और ऑनलाइन शिष्टाचार पर मार्गदर्शन के साथ-साथ अनुचित सामग्री साझा करने के परिणामों के बारे में जानकारी देनी चाहिए।

माइंडफुल प्रैक्टिस है जरूरी: उन ट्रिगर्स से अवगत रहें, जो रील के अत्यधिक उपयोग का कारण बनते हैं। डिजिटल गैजेट्स का समझदारी से उपयोग करें। ताकि प्रोडक्टिव रहें और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखें।

करें सेल्फ कंट्रोल एक्सरसाइज: अपना फोन अपने से 15 फीट दूर चार्ज करें और संभव हो तो आप जिस रूम में हों, वहां चार्ज न करें। यह डिस्टेंस आपको फोन से अलग काम करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। फोन में फालतू के एप्स खासकर सोशल मीडिया का नोटिफिकेशन बंद कर दें। घर में कुछ जगह नियत करें जहां फोन का इस्तेमाल नहीं करना है जैसे खाना खाते समय, काम के समय या पढ़ते समय।

दूसरी एक्टिविटीज में हों शामिल: पैरेंट्स को बच्चों का रोल मॉडल बनना चाहिए। सोशल मीडिया पर निर्भरता कम करने के लिए ऑफलाइन शौक विकसित करने चाहिए और फिजिकली एक्टिव रहना चाहिए। खासकर बच्चे को फिजिकल एक्टिविटीज करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। स्पोर्ट्स से वो हार-जीत की भावना तो सीखता ही है, शारीरिक, मानसिक तौर पर फिट रहता है।

नींद को महत्व दें: सोने का समय निर्धारित करें और सोने से करीब एक घंटा पहले स्क्रीन से दूर रहें। ब्ल्यू लाइट फिल्टर का इस्तेमाल करें। खासकर रात को स्क्रीन पर ब्ल्यू लाइट फिल्टर लगाएं। ताकि नींद न आने की समस्या से बचाव हो सके।

लें मदद: लत पर काबू पाने के लिए मार्गदर्शन और मदद के लिए दोस्तों, परिवार या मनोचिकित्सक से संपर्क करें। *

(फोर्टिस एस्कॉर्ट हार्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली में साइकोलॉजिस्ट डॉ. भावना बर्मी से बातचीत पर आधारित)

मनोरोगों के हो रहे शिकार

आज के दौर में युवाओं के मन में दूसरों से पीछे न रह जाएं, आउटडेटेड न दिखें, टेकसेवी न कहे जाने की मानसिकता के चलते सोशल मीडिया पर फोटो या रील्स डालने का पियर प्रेशर रहता है। इसकी वजह से कई तरह की समस्याएं आती हैं। ध्यान में कमी, रील्स देखने से ध्यान और एकाग्रता में कमी होना, जरूरी काम या रचनात्मक गतिविधियों में ध्यान न लगा पाना, काल्पनिकता में जीना, दूसरों से तुलना करना और खुद को कमतर मानना, आत्मविश्वास में कमी जैसी समस्याएं देखी जा रही हैं। हॉर्वर्ड मेडिकल स्कूल की रिसर्च के मुताबिक सोशल मीडिया पर रील्स देखने या बनाने की लत को वैज्ञानिक मास साइकोजेनिक इलनेस कहा जा रहा है। रील्स उन्हें मनोरोगी बनाने का कारण रही है। किसी से अपने मन की बात शेयर नहीं कर पाते हैं, जिसकी वजह से उनमें स्ट्रेस, एंजाइटी, आक्रोश, गुस्सा बहुत बढ़ रहा है। नाकाम होने पर कई बार अपने को संभाल नहीं पाते और डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं।

इस बात में संदेह नहीं कि एआई तकनीक में कई तरह कमाल की क्षमताएं मौजूद हैं। जहां कुछ लोग इसका मिसयूज कर रहे हैं। वहीं बहुत से लोग इसे पॉजिटिव तरीके से यूज करके नाम कमा रहे हैं, अपने जीवन को नई दिशा दे रहे हैं। जरूरत है एआई के संयमित और सही तरीके से उपयोग करने की।

एआई का पॉजिटिव यूज कर सकता है कमाल

टेक्नोलाइफ
डॉ. मोनिका शर्मा

आमतौर पर एआई के गलत इस्तेमाल के समाचार आते हैं। इसकी गलत सलाहों की भी खूब चर्चा होती है। हम सदा से सुनते आए हैं कि किसी भी वस्तु या सेवा की अच्छाई या उसके उपयोग के परिणाम इस बात से तय होते हैं कि उसका इस्तेमाल कैसे किया जाता है? उसके उपयोग की मंशा क्या है? इस मोर्चे पर एआई के सही इस्तेमाल को लेकर एक टेक प्रोफेशनल हसन ने प्रेरणादायी उदाहरण सामने रखा है। हसन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की अपनी पोस्ट में बताया कि उन्होंने सिर्फ तीन महीनों में 27 किलो वजन कम कर लिया। ध्यान देने वाली बात है कि अपनी इस फिटनेस यात्रा में हसन ने चैट जीपीटी के सात प्रॉम्प्ट्स को यूज किया। जिम, सप्लीमेंट्स, पर्सनल ट्रेनर और बिना किसी महंगे फिटनेस एप के एआई की सहायता से एक सधा हुआ प्लान तैयार कर इस फिटनेस गोल को उन्होंने हासिल किया।

सकारात्मक हो इरादा: असल में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल का इरादा पॉजिटिविटी लिए हो तो परिणाम भी सकारात्मक मिलते हैं। इस मोर्चे पर यूजर्स का अनुशासन और आत्म नियमन तकनीक के मिली सुविधाओं का सार्थक इस्तेमाल करने के लिए आवश्यक है। चैट जीपीटी जैसे टूल्स मोटिवेट भी कर सकते हैं और मनोबल भी तोड़ सकते हैं। सब कुछ इस बात पर निर्भर है कि टेक्निकल सहूलियत का उपयोग कितने सधेपन से हो रहा है? कैसी जानकारियां मांगी जा रही हैं? किन विषयों पर सलाह ली जा रही है?

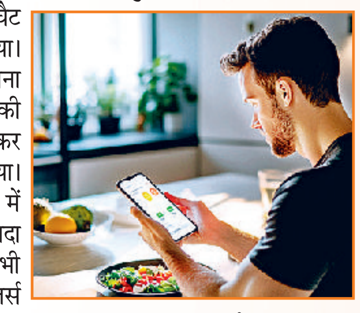

प्रश्न सही तो उत्तर सही: जैसा प्रश्न वैसा ही जवाब। यह बात वर्चुअल या असल सलाहों के मामले में अकसर लागू होती है। तकनीकी टूल्स के मामले में सबसे अहम यही है कि आप उनसे क्या पूछ रहे हैं? टेक प्रोफेशनल के मामले में यह बात गहराई से समझने योग्य है। सबसे पहले उन्होंने अपना वजन, उम्र, हाइट और टार्गेट डालकर चैट जीपीटी से अपने शरीर का एनालिसिस करवाया। साथ ही 12 हफ्तों का ऐसा फिटनेस और डाइट प्लान मांगा, जिसमें जिम जाने की जरूरत न पड़े। अपने रुटीन को ध्यान रखते हुए बहुत व्यावहारिक लक्ष्य रखे। खाने के लिए हाई प्रोटीन, फिक्स कैलोरी वाला साप्ताहिक प्लान का चार्ट बनाकर उसे फॉलो किया।

इस पहल पर एआई ने उन्हें डेली स्नैक्स की लिस्ट दी। इतना ही ओवरईटिंग रोकने के लिए खुद से बात करने वाले छोटे-छोटे मैसेज भी बनाए। कुल मिलाकर देखा जाए तो एआई ने जिम, महंगे खाने और भारी-भरकम रुटीन के बजाय एक ऐसी जीवनशैली का प्रारूप दिया, जिसके हिसाब से चलना मुश्किल न हो। आम जिंदगी में भी देखने में आता है कि वजन कम करना हो या कोई दूसरा लक्ष्य पाना, मुश्किल रुटीन को शुरू करने वाले लोग उसे बहुत दिन तक फॉलो नहीं कर पाते। यह वाकया बताता है कि पहले खुद अपनी एक चेकलिस्ट बनाकर तकनीकी टूल्स से मदद लेना बेहतर है। इससे मिलने वाली सही और टिकाऊ योजना न केवल लंबी चलती है बल्कि सफल भी होती है।

यूजर्स का अनुशासन अहम: एआई के इस्तेमाल में यूजर्स का अनुशासन सबसे अहम है। इन दिनों 'रेस्पोंसिबल एआई' शब्द भी चर्चा में है। इस शब्द का अर्थ उन नैतिक सिद्धांतों और शासन के नियमों से जुड़ा है, जिनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एआई टेक्नोलॉजीज का विकास और उपयोग इस तरह से किया जाए, जिससे समाज को लाभ हो। इनके इस्तेमाल से नुकसान कम हो। समझना कठिन नहीं यूजर्स का अनुशासन ही उपयोग को सार्थक बना सकता है। इन दिनों जब एआई के कुछ टूल्स का गलत इस्तेमाल कुछ लोग करते हैं। वहीं बहुत से लोग तकनीक के माध्यम से अपने पुरखों की तस्वीरों को नया रूप भी दे रहे हैं। अपने आइडियाज सुंदर सकारात्मक संदेश देने वाले वीडियो में ढाल रहे हैं। एआई के उपकरण दिव्यांगों की सहायता करते हैं। सिरी और एलेक्सा जैसे वर्चुअल असिस्टेंट रोजमर्रा के कई कामों को आसान बनाते हैं। कनाडा के युवा उद्यमी तुआन ले का उदाहरण भी इस मामले में एक मिसाल ही है। बिना किसी कॉलेज डिग्री या प्रोफेशनल कोर्स यूट्यूब से स्किल सीखने की जिद ने तुआन को एक कामयाब उद्यमी बना दिया। वीडियो एडिटिंग से करियर की शुरुआत करने वाले इस युवा ने यह स्किल पूरी तरह यूट्यूब से सीखी। फिर छोटे कारोबारियों के लिए बहुत कम फीस लेकर वीडियो बनाए।

कोविड काल में काम पर असर भी पड़ा पर फिर क्लाइंट बढ़ते गए। तुआन ने धीरे-धीरे अपने काम को 12 करोड़ रुपए के बिजनेस में बदल दिया। हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी 'स्किल द नेशन एआई चैलेंज' कार्यक्रम में कहा कि 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता विश्वभर की अर्थव्यवस्थाओं और समाजों को नया आकार दे रही है। यह हमारे सीखने, काम करने, आधुनिक सेवाओं तक पहुंचने और मानवता की सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना करने के तरीकों को बदल रही है।'

राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि भारत जैसे युवा राष्ट्र के लिए एआई केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि सकारात्मक बदलाव का बहुत बड़ा अवसर है। *

कविता
विक्रम सिंह

आंखों की रोशनी

बस इतनी सी हसरत थी
कि बेटा पढ़-लिख जाए,
अपनी तनख्वाह से
घर का राशन ले आए।
दफ्तर जाने को
एक छोटा सा स्कूटर हो,
और बच्चों की फीस
समय पर भर पाए।
ख्वाब बस इतना था
कि शहर में उसका एक घर हो,
जिसके एक कोने में
बूढ़े बाप का छोटा सा कमरा हो।
मगर अब उसके पास
बड़ा फ्लैट, बड़ी गाड़ी है,
घर में खाना नहीं पकता
सब कुछ ऑर्डर पर आता है
पर उस आलीशान घर में
मेरा कमरा कहीं खो जाता है,
गाड़ियों के तेल के लिए पैसे हैं
पर मेरी दवा अकसर छूट जाती है
मेरी आंखों की रोशनी
धीरे-धीरे बुझ रही है,
बेटे की तरक्की
अंधेरे में उलझ रही है।

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कविता में विचार

हाल में हेमंत देवलेकर का तीसरा कविता संग्रह 'प्रूफ रीडर' छपकर आया है। संग्रह में संकलित अधिकांश छोटी-छोटी कविताओं में हेमंत गहन विचारों के बीज रोपते दिखते हैं। दुनिया भर में इंसानी जीवन के समक्ष मौजूद संकटों पर दृष्टि डालते हुए कवि कहीं विचलित दिखते हैं तो कहीं छोटा-सा कोई भरोसा उनके भीतर उम्मीद की लौ भी प्रज्वलित कर देता है। 'एक नदी जिंदा चुन दी गई है/उसी का सन्नाटा है दीवार पर।' (रेत की हवस)। 'दुनिया कोरस में विलापती है/अब किसी का भरोसा नहीं रहा।' (भरोसा) जैसी पंक्तियां और 'लोरी', 'नई भूख' जैसी अनेक कविताएं हर संवेदनशील व्यक्ति को उद्वेलित करने में सक्षम हैं। *

पुस्तक: प्रूफ रीडर, **लेखक:** हेमंत देवलेकर, **मूल्य:** 250 रुपए
प्रकाशक: राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

सम्मान

हाल में ही साहित्य अकादेमी ने वर्ष 2025 के लिए हिंदी की लोकप्रिय कथाकार ममता कालिया की संस्मरणात्मक पुस्तक 'जीते जी इलाहाबाद' को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार देने की घोषणा की है। ममता जी के अब तक के रचनात्मक लेखन और इस पुस्तक की विशिष्टताओं को रेखांकित कर रहे हैं **पल्लव।**

ममता कालिया को जीते जी इलाहाबाद के लिए मिलेगा साहित्य अकादेमी सम्मान

साहित्य प्रेमियों को जिस खबर का पिछले कई वर्षों से इंतजार था, वह आ गई। साहित्य अकादेमी ने वर्ष 2025 के लिए हिंदी की प्रसिद्ध कथाकार ममता कालिया को यह पुरस्कार देने की घोषणा की है। उनकी संस्मरण पुस्तक 'जीते जी इलाहाबाद' को अकादेमी का यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। हालांकि इससे पूर्व उनके उपन्यास 'दुक्खम सुक्खम', लंबी कहानी 'दौड़', शहरनामे की किताब 'कितने शहरों में कितनी बार' और 'बोलने वाली औरत' कहानी संग्रह को भी साहित्य जगत में काफी प्रतिष्ठा मिल चुकी है।

ममता जी के लेखन का सिलसिला 1963 से प्रारंभ हुआ था और तब से उनका साहित्य सृजन निरंतर जारी है। उनके लेखन की मुख्य विशेषता यह है कि वे भारतीय मध्यवर्ग के सामान्य जनजीवन को अत्यंत कुशलता से अपने लेखन में चित्रित करती हैं। वे किसी विचारधारा या वाद से आक्रांत होकर नहीं लिखतीं बल्कि खांटी जीवनानुभवों को प्रगतिशील दृष्टि से लेखन में जगह देती हैं। आश्चर्य नहीं कि उनकी दो पुस्तकों के शीर्षक 'थोड़ा-सा प्रगतिशील' और 'खांटी घरेलू औरत' उनके लेखन की प्रतिज्ञाओं को भी दर्शाते हैं। पेशे से उच्च शिक्षा में अंग्रेजी की शिक्षक रहीं ममता जी को दिल्ली, मुंबई और इलाहाबाद में काम करने के अनुभव हैं। वे वर्धा के महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय की अंग्रेजी पत्रिका 'हिंदी' की संपादक रहीं और कोलकाता की भारतीय भाषा परिषद की अध्यक्ष भी रहीं। विपुल मात्रा में लेखन करने वालीं ममता जी के गद्य को सदैव रोचकता, हार्दिकता और तरलता के लिए भी प्रशंसा मिली।

उनकी जिस कृति को अकादेमी ने पुरस्कार के लिए चुना है, वह संस्मरण की किताब है। ममता जी इससे पहले 'कितने शहरों में कितनी बार', 'अंदाज-ए-बयां उर्फ रवि कथा', 'कल परसों के बरसों', 'सफर में हमसफर' जैसी किताबें भी लिख चुकी हैं, जो कथेतर विधाओं की ही कृतियां हैं। कथेतर यानी कथा जैसी वे गद्य विधाएं, जो कथा तो नहीं हैं लेकिन कथा जैसा आस्वाद देती हैं। इनमें से 'कितने शहरों में कितनी बार' को विशेष रूप से आलोचनात्मक सराहना मिली, जो पहले 'तद्भव' पत्रिका में

धारावाहिक रूप से प्रकाशित हुई और जिसने एक तरह से नई विधा का सूत्रपात किया। यह विधा है- शहरनामा। ऐसा नहीं है कि इसमें वे स्मृतियों की पुनर्रचना नहीं कर रही थीं बल्कि कोई चाहे तो इसे भी संस्मरण की ही कृति मान सकता है लेकिन यहां ममता जी का जोर उस शहर के चरित्र को ध्यान में रखकर अपने अनुभव लिखने पर रहा। 'जीते जी इलाहाबाद' इस रचना श्रृंखला की उच्चतम परिणति है, जहां इलाहाबाद (प्रयागराज) जैसे सांस्कृतिक शहर के चरित्र को लिखते हुए इसके भीतर वे अपने और अपने प्रियजनों के व्यक्तित्व की तलाश भी करती हैं। हिंदी में इस तरह की कृतियां बहुत अधिक नहीं मिलतीं और नई शताब्दी में साहित्य की विधाओं में आ रहे बदलावों तथा अंतर्क्रियाओं का भी श्रेष्ठ उदाहरण ममता जी का कथेतर लेखन बन गया है। पाठकों में कथेतर के आकर्षण का मुख्य कारण है जीवन यथार्थ की अंतरंग प्रस्तुति और उसमें कथा जैसी सूत्रबद्धता या पठनीयता। हिंदी गद्य के इतिहास में संस्मरण, रेखाचित्र और जीवनियां पुरानी विधाएं हैं लेकिन नई शताब्दी में इनका चोला पूरी तरह बदला हुआ नजर आता है। अब यहां अश्रु विगलित श्रद्धांजलियां नहीं होतीं और न पुरखों का अतिरिक्त महिमामंडन।

पिछली शताब्दी के अंतिम दशक में जिन कृतियों के साथ कथेतर साहित्य के नए दौर का आगमन हुआ, उनमें रवींद्र कालिया की संस्मरण पुस्तक 'गालिब छुटी शराब,' काशीनाथ सिंह की 'याद हो कि न याद हो', दूधनाथ सिंह की 'लौट आ, ओ धार' तथा कांतिकुमार जैन की 'लौट कर आना नहीं होगा' अग्रगण्य हैं। ध्यान देना चाहिए कि संस्मरणों के साथ हिंदी साहित्य में आत्म उद्घाटन का नया दौर भी शुरू हुआ, जो आगे यात्रा आख्यानों, आत्मकथाओं, डायरियों, रेखाचित्रों, शहरनामों और जीवनियों के साथ बढ़ता गया। ममता कालिया के संस्मरण, शहरनामे और रेखाचित्र कथेतर विधाओं की शक्ति और संभावनाओं को दर्शाते हैं। उनके रेखाचित्रों की किताब 'कल परसों के बरसों' में इलाहाबाद के अनेक साहित्यकारों के व्यक्ति चित्र आए हैं।

ममता जी का जन्म 2 नवंबर 1940 को वृंदावन में हुआ। उनके पिता विद्याभूषण अग्रवाल आकाशवाणी में थे और उनके चाचा भारतभूषण अग्रवाल जाने माने कवि-लेखक। उनकी प्रारंभिक और उच्च शिक्षा दिल्ली, मुंबई, पुणे, नागपुर और इंदौर जैसे अलग-अलग शहरों में हुई। उन्हें अनेक सम्मान एवं पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें व्यास सम्मान, साहित्य भूषण सम्मान, यशपाल स्मृति सम्मान, महादेवी स्मृति पुरस्कार, राममनोहर लोहिया सम्मान, कमलेश्वर स्मृति सम्मान, सावित्री बाई फुले स्मृति सम्मान, लमही सम्मान आदि प्रमुख हैं। उन्होंने हिंदी के यशस्वी कथाकार और संपादक रवींद्र कालिया से विवाह किया, जो पूरी तरह मसिजीवी थे। संघर्षों से भरा ममता जी और रवींद्र जी का जीवन इन दोनों के कथेतर साहित्य का आधार भी है। साहित्य अकादेमी का यह पुरस्कार उनके लेखन के महत्त्व की प्रतिष्ठा ही नहीं है अपितु नई शताब्दी में आ रहे बदलावों के मध्य कथेतर विधाओं के महत्व की भी उद्घोषणा है। उम्मीद की जानी चाहिए कि ममता जी की किताब के बहाने कथेतर विधाओं पर नए ढंग से चर्चा शुरू होगी और जीवन यथार्थ के उद्घाटन के लिए इनके सामर्थ्य को देखा-सराहा जाएगा। *

(लेखक दिल्ली के प्रसिद्ध हिंदू कॉलेज में सह आचार्य हैं)

सदियों तक याद रहेगा मातृभूमि की रक्षा की लिए रानी अवंतीबाई का बलिदान : मुख्यमंत्री

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि रानी दुर्गावती से लेकर रानी कमलापति और रानी अवंतीबाई तक हमारी लोकनायिकाओं और वीरांगनाओं ने विदेशी आक्रांताओं के छक्के छुड़ा दिए थे। मातृभूमि की रक्षा के लिए रानी अवंतीबाई ने जो बलिदान दिया, वह सदियों-सदियों तक अविस्मरणीय रहेगा।

डॉ. यादव शुक्रवार को रानी अवंतीबाई के बलिदान दिवस पर डिंडोरी जिले में आयोजित कार्यक्रम को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित कर रहे थे। उन्होंने रानी अवंतीबाई के अटल साहस और अमर त्याग को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए उनकी स्मृति में डिंडोरी में एक करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित भव्य संग्रहालय का लोकार्पण भी किया।

रानी अवंतीबाई बलिदान दिवस पर डिंडोरी में हुआ कार्यक्रम | मुख्यमंत्री डॉ.मोहन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से किया संबोधित

कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

रानी लक्ष्मीबाई जैसी थी रानी अवंतीबाई की भूमिका

मुख्यमंत्री ने कहा कि सन 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में डिंडोरी में रानी अवंतीबाई की भूमिका ठीक वैसी ही थी, जैसी झांसी में रानी लक्ष्मीबाई की। जब अंग्रेजों ने राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह को तोप से उड़ाकर कायरता दिखाई, तब इस पूरे क्षेत्र में क्रांति की मशाल रानी अवंती बाई ने अपने हाथ में ली थी। सन 1857 की क्रांति में रानी अवंतीबाई ने रेवांचल में मुक्ति आंदोलन में बड़ी भूमिका निभाई। इसके बाद सन 1858 में जब अंग्रेजों ने एक विशाल सेना के साथ उन पर हमला किया, तब भी रानी ने झुकना स्वीकार नहीं किया। अपने मान-सम्मान और देश की अस्मिता के लिए उन्होंने लड़ते-लड़ते, हंसते-हंसते अपने प्राणों की आहुति दे दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने रानी अवंती बाई की शहादत को अविस्मरणीय बनाए रखने के लिए सागर में उनके नाम पर विश्वविद्यालय की स्थापना कर श्रद्धांजलि दी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की डिंडोरी जिले की तारीफ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रसन्नता जताई कि एनीमिया मुक्त भारत के संकल्प के साथ जिला प्रशासन डिंडोरी ने एक ही दिन में 50 हजार से ज्यादा महिलाओं और बेटियों की स्वास्थ्य जांच की। इस उपलब्धि के लिए डिंडोरी का नाम 'एशिया बुक ऑफ रिकाड्र्स' और 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में दर्ज हुआ है। यह हमारे लिए गौरव की बात है। 14 से 15 साल की बेटियों को टीकाकरण (एचपीवी अभियान) में भी डिंडोरी जिला प्रदेश में प्रथम स्थान पर आया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियों के सपनों को पंख देने के लिए डिंडोरी जिले में 'पंखिनी अभियान' चलाया जा रहा है। इसमें बेटियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी कराई जा रही है। यह एक अभिनव प्रयास है। मुख्यमंत्री ने इस अभियान के लिए जिला प्रशासन डिंडोरी को बधाई भी दी।

खबर संक्षेप

आउटसोर्स कर्मी नए श्रम कानून में हों शामिल

भोपाल। मध्य प्रदेश के आउटसोर्स कर्मचारियों को भी एक अप्रैल से भारत सरकार के नए श्रम कानून वेतन वृद्धि सहित अन्य सुविधाओं का लाभ दिया जाए। यह मांग मप्र संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर की है। संघ के प्रदेशाध्यक्ष कोमल सिंह ने बताया कि प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य सभी शासकीय विभागों में तीन लाख से अधिक आउट सोर्स के जरिए कर्मचारी कार्यरत है। मप्र में अन्य राज्यों की तुलना में आउटसोर्स कर्मचारियों को बहुत कम मानदेय दिया जा रहा है। भारत सरकार के नए श्रम कानून मप्र पूरी तरह से लागू किए जाए तो आउटसोर्स कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति में सुधार होने के साथ 10 से 11 हजार तक वेतन में वृद्धि भी होगी।

'साधना' सप्ताह से निखरेगा कामकाज

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार अपने अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यशैली और व्यवहार में सुधार लाने के लिए साधना सप्ताह का आयोजन करने जा रही है। योजना के तहत 2 अप्रैल से 9 अप्रैल तक साधना सप्ताह मनाया जाएगा। इस दौरान अलग-अलग विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को उनकी कार्यप्रणाली के अनुसार विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम दो चरणों में पूरा किया जाएगा, जिसकी अंतिम तिथि 30 मार्च तय की गई है।

सिलेंडर की समस्या के बीच राजगढ़ में थिंक गैस की निरंतर उपलब्धता

राजगढ़। सीजीडी कंपनियों में से एक थिंक गैस ने आज अपने ग्राहकों को आश्वस्त किया कि क्षेत्र में सीएनजी और पीएनजी की आपूर्ति स्थिर बनी हुई है। कंपनी ने बताया कि फिलहाल कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है और उसके वितरण नेटवर्क में सामान्य संचालन जारी है। घरेलू ग्राहकों, आवश्यक सेवाओं और परिवहन क्षेत्र के लिए सीएनजी और पीएनजी सेवाएँ सामान्य रूप से जारी हैं। थिंक गैस के मुख्य विपणन एवं वाणिज्यिक अधिकारी, विनुकुमार बालकृष्णन ने कहा, थिंक गैस में हमारी तत्काल प्राथमिकता सरकार के प्राथमिकता आवंटन ढाँचे के अनुरूप घरेलू खाना पकाने की आवश्यकताओं (पीएनजी) और परिवहन क्षेत्र (सीएनजी) के लिए आवश्यक सेवाओं के उपभोक्ताओं को हमारे सभी भौगोलिक क्षेत्रों में निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री निवास में होगी सिंधी समाज की पंचायत, डॉ. यादव ने दी चेटीचंड पर्व की मंगलकामनाएं

व्यापार, शिक्षा और समाज सेवा सभी क्षेत्रों में सिंधी समाज ने दिया महत्वपूर्ण योगदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राज्य सरकार विकास के साथ अपनी सांस्कृतिक विरासत को संजोकर आगे बढ़ रही है। हर समुदाय की परंपराओं और संस्कृति को सम्मान देना और सभी को समान अवसर उपलब्ध कराना हमारा उद्देश्य है। चाहे व्यापार हो, शिक्षा हो या समाज सेवा, सिंधी समाज ने अपने परिश्रम समर्पण और सकारात्मक सोच से समाज को नई दिशा देते हुए प्रदेश और देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। शीघ्र ही मुख्यमंत्री निवास में सिंधी समाज की विशेष पंचायत आयोजित की जाएगी। यह बात शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कही।

सिंधी समाज के नववर्ष के रूप में मनाए जाने वाले भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव चेटीचंड के अवसर पर रवीन्द्र भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समाज बंधुओं को पर्व की मंगलकामनाएं दीं। विधायक भगवान दास सबनानी तथा सिंधी सेंट्रल पंचायत के प्रतिनिधि कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का पुष्प वर्षा का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में भजन और सांगीतिक प्रस्तुतियां भी हुईं।

रवींद्र भवन में आयोजित कार्यक्रम में हुई भजन और सांगीतिक प्रस्तुतियां

मंच से संबोधित करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन आम आदमी की समस्याओं की प्रति संवेदनशील : सबनानी

विधायक भगवान दास सबनानी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव आम आदमी की समस्याओं की प्रति संवेदनशील हैं। उनके नेतृत्व में व्यापार, उद्योग, कृषि सहित सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास हो रहा है और प्रदेशवासियों को इसका लाभ भी मिल रहा है। कार्यक्रम में महापौर मालती राय सहित समाज के वरिष्ठजन उपस्थित थे।

चेटीचंड पर्व याद दिलाकर भारतीयों के हृदय में जागृत रखता है अखंड भारत का सपना

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि चेटीचंड का पर्व अखंड भारत की याद दिलाता है। भारतीयों के हृदय में अखंड भारत का सपना जागृत रखता है। सामाजिक उत्सवों से एक दूसरे के प्रति प्रेम और आत्मीयता बढ़ती है।

मुख्यमंत्री ने सम्राट विक्रमादित्य को उनकी वीरता, न्यायप्रियता और दानशीलता के लिए याद किया। उन्होंने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य से प्रेरित होकर शासन उन गुणों को आत्मसात कर सुशासन के नए आयाम स्थापित कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन के टावर चौक पर चेटीचंड महापर्व पर आयोजित सिंधी समाज के चल समारोह में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने विक्रम संवत 2083 में बाबा श्री महाकाल की नगरी से देश एवं प्रदेशवासियों को चेटीचंड के महापर्व की मंगलकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश, प्रदेश विकास के नवीन आयाम स्थापित कर रहा है। सिंहस्थ 2028 के लिए सरकार नवीन विकास के कार्य कर रही है। सभी गणमान्य नागरिक भी विकास कार्यों में अपना योगदान दे रहे है। आगामी सिंहस्थ के दिव्य आयोजन से प्रदेश और उज्जैन की वैश्विक पटल पर नवीन पहचान स्थापित होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवा ध्वज लहराकर चल समारोह का शुभारंभ किया। रैली में विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद और एक्ट्रेस जयाप्रदा, एक्टर आफताब शिवदासानी, तारक मेहता का उल्टा चश्मा फेम गोली सांसद अनिल फिरोजिया आदि उपस्थित रहे।

सिंधी समाज ने संघर्ष कर पुनः स्वयं को स्थापित कर बनाई अपनी पहचान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चेटीचंड नव वर्ष के आरंभ का प्रतीक होने के साथ आस्था, एकता और सांस्कृतिक गौरव का प्रतिबिंब है। यह पर्व हमें भगवान झूलेलाल की शिक्षाओं के अनुरूप सद्भाव, सेवा और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंधी समाज ने संघर्ष और कठिनतम परिस्थितियों में स्वयं को पुनः स्थापित करने के अनेक उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। लगभग 1200 वर्ष पहले राजा दाहिर द्वारा विधर्मियों से धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए किया गया योगदान इतिहास में दर्ज है।

प्रशासन की टीम अलर्ट, बचाव कार्य जारी

बिलासपुर डैम का एक हिस्सा टूटा, कई गांवों में घुसा पानी

दो दिन पहले ही क्षेत्र के किसानों ने प्रशासन से नहर में पानी खोलने की मांग की थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। रायगढ़ जिले के बिलासपुर डैम का एक हिस्सा अचानक टूट गया। बिलासपुर डैम का गेट टूटने से कई गांवों में पानी घुस गया है। अचानक गांव में पानी घुसने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। बांध टूटने की जानकारी मिलते ही ही प्रशासन की टीम अलर्ट हो गई है। प्रभावित गांवों में राहत और बचाव कार्य जारी है।

बिलासपुर जलाशय रायगढ़ जिले के भूपदेवपुर में बना है। दो दिन पहले किसानों ने प्रशासन से नहर में पानी खोलने की मांग की थी। बताया जा रहा है कि इसके बाद डैम का एक गेट खोला गया था। लेकिन बहुत दिनों से मरम्मत नहीं होने के कारण गेट फंस गया था। शुक्रवार की रात गेट टूट गया जिसके बाद किसानों के खेत में पानी भर गया।

क्षेत्र में दहशत का माहौल

बांध का गेट टूटने से पानी एनएच और पास के खेतों में फैल गया। खेतों में पानी भरने के साथ ही पानी दर्जनभर गांवों में पहुंच गया है जिससे लोगों में दहशत का माहौल है। प्रशासन की टीम और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचकर पानी का बहाव रोकने में जुटे हैं। राहत बचाव टीम मौके पर पहुंचकर डैम के टूटे गेट को मरम्मत करने में जुटी है। प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचकर लगातार पानी को रोकने की कोशिश में लगी है। टूटे हुए गेट को ठीक करने के लिए भी टीमें कई घंटे से काम कर रही हैं। लगातार पानी बहने से जलाशय का स्तर तेजी से कम हो रहा है, वहीं प्रभावित गांवों में राहत और बचाव कार्य जारी है। पानी का बहाव तेज होने के डैम खाली हो रहा है जिस कारण से लोगों को गर्मी में पीने के पानी की दिक्कत हो सकती है। प्रशासन के अनुसार, इस बांध से गर्मी में कई इलाकों में पानी की सप्लाई की जाती है।

चालक की सूझबूझ के चलते टला बड़ा हादसा

लाइन मार्किंग कार्य के दौरान मशीन में जबरदस्त विस्फोट, जनहानि नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

देवपुरी इलाके में शुक्रवार को सड़क पर चल रहे रोड मार्किंग कार्य के दौरान अचानक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। काम में लगी एक मशीन में अचानक आग लग गई, जिसके बाद कुछ ही देर में जोरदार धमाका हो गया। धमाके की आवाज से आसपास का इलाका गूंज उठा और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के मुताबिक, सड़क पर लाइन मार्किंग का काम जारी था, तभी मशीन में तकनीकी खराबी के चलते आग भड़क गई। शुरुआत में मामूली दिख रही आग तेजी से फैलने लगी और स्थिति गंभीर हो गई। इसी बीच मशीन चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए जलती मशीन को तुरंत सड़क से हटाकर किनारे कर दिया। चालक का यह फैसला बेहद अहम साबित हुआ, क्योंकि जैसे ही मशीन सड़क से नीचे उतारी गई, उसमें जोरदार विस्फोट हो गया। अगर यह ब्लास्ट

सड़क के बीच होता, तो वहां से गुजर रहे लोगों और वाहनों को बड़ा नुकसान हो सकता था। धमाके के बाद आसपास के लोग दहशत में आ गए और बड़ी संख्या में मौके पर जमा हो गए। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन और संबंधित विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया। प्रारंभिक जांच में हादसे के पीछे तकनीकी खराबी या ज्वलनशील पदार्थ को कारण माना जा रहा है। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है।

नरकंकाल मिलने से हड़कंप पुलिस कर रही मामले की जांच

रायपुर। उरला स्थित मेटल पार्क क्षेत्र में एक नर कंकाल मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, जहां प्रारंभिक जांच में कंकाल की पहचान दिलीप नामक व्यक्ति के रूप में की गई है, जो करीब एक माह से लापता था। बताया जा रहा है कि मृतक की गुमशुदगी की रिपोर्ट पहले ही दर्ज कराई जा चुकी थी। ऐसे में कंकाल मिलने के बाद मामला और गंभीर हो गया है। घटना की सूचना मिलते ही क्राइम ब्रांच, स्थानीय थाना पुलिस और फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया जा रहा है और आसपास के क्षेत्र में भी सुराग तलाशे जा रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अभी केवल कंकाल बरामद हुआ है, इसलिए मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक रिपोर्ट के बाद ही हो पाएगा। फिलहाल पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है, जिसमें हत्या और अन्य संभावनाओं को भी खंगाला जा रहा है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है।

तकनीकी खामियों और सर्वर की समस्याओं से मिलेगी राहत

अब लाभार्थियों को अप्रैल माह में ही मिलेगा अगले तीन महीनों का चावल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक वितरण प्रणाली को लेकर बड़ा फैसला लिया गया है। अब अप्रैल महीने में ही तीन माह अप्रैल, मई और जून का चावल एक साथ वितरित करने का निर्णय लिया है। दरअसल, पिछले कुछ समय से तकनीकी खामियों और सर्वर की समस्याओं के कारण राशन वितरण प्रभावित हो रहा था। इसके साथ ही गोदामों में स्टॉक की कमी ने भी स्थिति को जटिल बना दिया था। फरवरी और मार्च में भी वितरण को सुचारू रखने के लिए अस्थायी उपाय किए गए, लेकिन अपेक्षित सुधार नहीं हो सका। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए खाद्य विभाग ने नई रणनीति अपनाई है।

सभी उचित मूल्य दुकानों को निर्देश दिए गए हैं कि वे मार्च के अंत तक पर्याप्त मात्रा में चावल का भंडारण सुनिश्चित करें, ताकि अप्रैल के दौरान हितग्राहियों को बिना रुकावट राशन दिया जा सके।

पहले की तरह रहेंगी सभी औपचारिकताएं: नई व्यवस्था के तहत लाभार्थियों को राशन प्राप्त करने के लिए पहले की तरह ई-पास मशीन में बायोमेट्रिक सत्यापन कराना होगा। इसके बाद उन्हें एक साथ तीन महीने का चावल उपलब्ध कराया जाएगा। इस बदलाव की जानकारी दुकानों में स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने के साथ-साथ ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में व्यापक प्रचार भी किया जाएगा। सरकार ने वितरण प्रक्रिया को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए अप्रैल में चावल उत्सव आयोजित करने का भी निर्णय लिया है। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी मौके पर मौजूद रहकर निगरानी करेंगे। किसी भी प्रकार की अनियमितता या गड़बड़ी पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

पीएम मोदी, सीएम डॉ. यादव, राज्यपाल पटेल का जताया आभार

जयभान सिंह पवैया 6वें वित्त आयोग के अध्यक्ष बने, पूर्व मंत्री बोले- मां भगवती का आदेश मानकर करूंगा सेवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

महाराष्ट्र के सहप्रभारी और पूर्व मंत्री जयभान सिंह पवैया को राज्य वित्त आयोग का अध्यक्ष नियुक्त

किया गया है। राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष बनाए जाने पर जयभान सिंह पवैया ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मुझे कल शाम को जब सूचना मिली, तो मैंने अनुभव किया कि नवरात्रि के पहले दिन की संध्या को जगदंबा मां ने मुझे कोई आदेश दिया है। पवैया ने कहा कि वह मध्य प्रदेश की जनता की सेवा करने के इस दायित्व को भगवती के चरणों में अर्पित करते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगू भाई पटेल के प्रति हृदय से कृतज्ञता व्यक्त की। पवैया ने कहा कि इन नेताओं ने एक उच्च संवैधानिक संस्था, वित्त आयोग के अध्यक्ष के रूप में उनकी क्षमताओं को परखा और उन पर विश्वास जताया।

वित्त के सदुपयोग और पारदर्शिता पर जोर, पवैया ने रखी प्राथमिकताएं

जयभान सिंह पवैया नेकेंद्र से लेकर मध्य प्रदेश तक के संगठन के सभी पदाधिकारियों और पार्टी के प्रमुखों का भी आभार व्यक्त किया। पवैया ने इस बात पर जोर दिया कि भले ही यह एक संवैधानिक संस्था हो, लेकिन अपनी 'मां' (संगठन) को नहीं भूला जा सकता, जिसके कारण वह आज सेवा के लायक बने हैं। उन्होंने संगठन का भी कृतज्ञता व्यक्त की कि उन्होंने यह अवसर प्रदान किया। उन्होंने स्वीकार किया कि यह एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है और कार्यभार संभालने के बाद ही वह इस पर अधिक चर्चा कर पाएंगे। पवैया ने अध्ययन करने और मध्य प्रदेश का व्यापक भ्रमण करने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि जमीनी हकीकत को समझा जा सके। उन्होंने कहा कि आयोग की भूमिका निकायों के बीच, गांव से लेकर महानगरों तक, वित्त का न्यायपूर्ण वितरण और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की सलाहकार होती है। इसके लिए गहन अध्ययन की आवश्यकता होगी।

भाजपा और सरकार के बीच संवाद को मिलेगा संस्थागत रूप

आरएसएस की नई रणनीति, सरकार संगठन समन्वय के लिए बनेगी समिति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने मध्य प्रदेश में अपने संगठनात्मक ढांचे में महत्वपूर्ण बदलाव की तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत एक नई प्रदेश स्तरीय समिति का गठन किया जाएगा, जो राज्य सरकार और संगठन के बीच समन्वय स्थापित करने का काम करेगी।

यह नई व्यवस्था मार्च 2027 से लागू किए जाने की योजना है। सूत्रों के अनुसार, यह समिति विशेष रूप से सरकार और संगठन (भारतीय जनता पार्टी) के बीच संवाद, संपर्क और समन्वय को मजबूत करने की जिम्मेदारी निभाएगी। अब तक यह समन्वय अनौपचारिक स्तर पर होता रहा है, लेकिन नई व्यवस्था के तहत इसे संस्थागत रूप दिया जाएगा, जिससे निर्णय प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित और प्रभावी बन सके। बताया जा रहा है कि इस समिति में प्रदेश स्तर के प्रमुख पदाधिकारियों को शामिल किया जाएगा। खासतौर पर प्रांत प्रचारक और प्रांत कार्यवाह की भूमिका इसमें अहम मानी जा रही है। यही नेतृत्व सरकार के साथ तालमेल बैठाने, नीतिगत मुद्दों पर संवाद करने और संगठन की बात को प्रभावी तरीके से शासन तक पहुंचाने का कार्य करेगा।

विधानसभा चुनाव से डेढ़ से दो साल पहले समिति हो जाएगी सक्रिय

राजनीतिक दृष्टि से इस कदम को काफी अहम माना जा रहा है, क्योंकि मध्यप्रदेश में अगले विधानसभा चुनाव से करीब डेढ़ से दो साल पहले यह समिति सक्रिय हो जाएगी। ऐसे में यह भाजपा और सरकार के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। माना जा रहा है कि आगामी चुनावों में संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने में यह समिति निर्णायक भूमिका निभाएगी।

शिक्षकों के समर्थन में आए पूर्व मंत्री शर्मा, सीएम को लिखा पत्र

भोपाल। शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता को लेकर लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा आदेश जारी होने के बाद शिक्षक संगठन लगातार विरोध कर रहे है। अब कांग्रेस के पूर्व मंत्री पीसी शर्मा और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी शिक्षकों का समर्थन किया। शर्मा ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर शिक्षकों को राहत देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सरकार सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पिटीशन दायर करे। शर्मा ने कहा है कि प्रदेश के बड़ी संख्या में शिक्षकों में डर और निराशा का माहौल बन गया है। अन्य राज्यों में भी इस मामले में पुनर्विचार याचिका दायर की गई है, इसलिए मध्य प्रदेश सरकार को भी शिक्षकों के हित में ऐसा कदम उठाना चाहिए।

अमेरिका-इजराइल वर्सेज ईरान युद्ध ने दुनिया जहान को ऊर्जा के खतरे में डाल दिया है। ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट बंद किए जाने से खाड़ी मुल्कों को जो जबर्दस्त आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है, उसको सिर्फ स्थायी तौर पर युद्ध विराम के माध्यम से ही रोका जा सकता है। भारत अपनी आवश्यकता की लिक्विड नेचुरल गैस का आयात कतर से करता रहा है। कतर और यूएई से आने वाली लिक्विड नेचुरल गैस का कार्गो हार्मुज स्ट्रेट से गुजरता है। भारत के एलएनजी आयात का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा इसी रास्ते से गुजरकर आता है। खाड़ी देशों में छिड़ने वाला संघर्ष न केवल कच्चे तेल की कीमतों में आग लगा रहा है, अपितु यह उर्वरक संकट के माध्यम से भारत जैसे कृषि प्रधान देशों के रसोई घर तक अपनी तपिश पहुंचा रहा है, जिससे भविष्य में अनाज की पैदावार और उपलब्धता भी प्रभावित हो सकती है। भारत, चीन और ब्राजील जैसे दुनिया के तीन सबसे बड़े कृषि प्रधान देश अपनी मिट्टी की उत्पादकता को जीवित रखने के लिए भारी मात्रा में खाड़ी क्षेत्र से नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश का आयात करते हैं। पश्चिम एशिया में जारी इस जंग से बहुत दूर रहते हुए भी भारत को इसके परिणामों को भुगतना पड़ेगा। तेल और गैस आयात पर अत्यधिक निर्भरता को देखते हुए हमें न केवल तेल के भंडार बढ़ाने होंगे, बल्कि नए रास्ते तलाशने की दिशा में प्रयास और तेज करने होंगे। इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...

युद्ध से खतरनाक होंगे इसके परिणाम

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय
विदेशी मामलों के जानकार

आक्रामक मिसाइलों के विध्वंसकारी प्रहारों से पहले से ही कमजोर हो चुकी दुनिया जहान की ऊर्जा हिफाजत और अधिक गंभीर खतरे में चली गई है। कतर, बहरीन, सऊदी अरब आदि खाड़ी मुल्कों मुल्कों पर ईरान की मिसाइलें कहर बनकर टूट पड़ी है। तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल लगातार देखा जा रहा है। क्रूड ऑयल के विपरीत भारत के पास लिक्विड नेचुरल गैस का कोई भी स्ट्रेटेजिक भंडार नहीं है। पश्चिम एशिया में जारी जंग से बहुत दूर रहते हुए भी भारत को इस जंग के परिणामों को भुगतना पड़ेगा।

अमेरिका और इज़राइल द्वारा 28 फरवरी को संयुक्त रूप से ईरान पर आक्रमण का अंजाम दिया गया। इस विनाशकारी युद्ध ने ईरान द्वारा इजराइली शहरों और पश्चिम एशिया के इलाके में विद्यमान अमेरिका सैन्य ठिकानों पर ड्रोनों और मिसाइलों द्वारा आक्रमण अंजाम देकर भयंकर प्रतिउत्तर प्रदान किया गया। ईरान द्वारा खाड़ी मुल्कों में अमेरिका के निकट सहयोगी मुल्कों के तेल और गैस के प्लांट्स को भी अपनी मिसाइलों से निशाना बनाया। बादशाही राजकाज वाले खाड़ी मुल्कों को यह अंदाजा भी नहीं था कि उनको ऐसे भीषण विध्वंसक युद्ध में उलझा दिया जाएगा। अमेरिका द्वारा खाड़ी देशों के बादशाही मुल्कों को सैन्य हिफाजत का आश्वासन ईरान द्वारा तहस-नहस कर दिया गया। आखिरकार अब खाड़ी मुल्कों के पास क्या विकल्प बच गया है? यही कि युद्ध जितनी जल्दी खत्म हो जाएगा, उनका नुकसान उतना ही कम रहेगा।

खाड़ी मुल्कों को आर्थिक हानि

होर्मुज स्ट्रेट बंद हो जाने से खाड़ी मुल्कों को जो जबर्दस्त आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है उसको सिर्फ स्थाई तौर पर युद्ध विराम के माध्यम से ही रोका जा सकता है। खाड़ी देशों के बादशाही मुल्क अपना भूगोल परिवर्तित नहीं कर सकते, उनको 9 करोड़ आबादी वाले एक विशाल पड़ोसी देश ईरान के साथ सह-अस्तित्व का रास्ता निकालना ही होगा ! अन्यथा अमेरिका उनकी सैन्य हिफाजत नहीं कर सकता, यह विकट स्थिति वर्तमान युद्ध से सिद्ध हो चुकी है। हालांकि अमेरिका से दूर चले जाना बादशाही खाड़ी मुल्कों के लिए कदापि आसान नहीं होगा, क्योंकि अनेक सैन्य संधियां कम से कम 20 वर्ष की अवधि की होती है। खाड़ी मुल्कों के बड़े-बड़े क्रूड तेल और गैस उत्पादक इलाकों और भंडारों पर निरंतर अंजाम दिए जा रहे हैं। आक्रामक मिसाइलों के विध्वंसकारी प्रहारों से पहले से ही कमजोर हो चुकी दुनिया जहान की ऊर्जा हिफाजत और अधिक गंभीर खतरे में चली गई है। कतर, बहरीन, सऊदी अरब आदि खाड़ी मुल्कों मुल्कों पर ईरान की मिसाइलें कहर बनकर टूट पड़ी है। तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल लगातार देखा जा रहा है।

क्रूड तेल, गैस की कीमतें बढ़ीं

युद्ध प्रारंभ होने से पहले एशिया में शुरुआती ट्रेड में क्रूड तेल की कीमतें केवल 70 डॉलर प्रति बैरल थी। युद्ध के निरंतर जारी रहते किसी को ज्ञात नहीं है कि क्रूड तेल और गैस की कीमतें कहां जाकर रुकेंगी। विश्व की सबसे बड़ी नेचुरल गैस फील्ड में से एक है ईरान की साउथ पार्स गैस फील्ड।

ईरान की साउथ पार्स फील्ड पर इजरायल ने जोरदार आक्रमण अंजाम दिया। इसके तत्पश्चात ईरान ने कतर के पास रास लाफान की नेचुरल गैस फील्ड (एलएनजी) पर मिसाइल आक्रमण का अंजाम दिया। इन विध्वंसकारी आक्रमणों के तत्पश्चात तो गैस और तेल की कीमत में जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया है। रास लाफान में अंजाम दिए गए ईरानी मिसाइल आक्रमण के बाद अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बयान दिया कि इजरायल भविष्य में ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर आक्रमण अंजाम नहीं देगा। इसके साथ ही डोनाल्ड ट्रंप ने यह चेतावनी भी दे दी कि अगर भविष्य में ईरान ने दोबारा कतर के रास लाफान पर आक्रमण अंजाम दिया तो अमेरिका ईरान के समस्त ऊर्जा ढांचे को तहस-नहस करके रख देगा।

तेल व्यापार हुआ बाधित

उल्लेखनीय है कि ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर अंजाम दिए गए आक्रमण के जवाब में ईरान ने सऊदी अरब, यूएई और कतर के तेल क्षेत्रों पर आक्रमण अंजाम देने की चेतावनी पहले से जारी कर दी थी। अमेरिका-इजरायल विरुद्ध ईरान युद्ध के कारण समस्त पश्चिम एशिया के हालात बहुत अधिक विध्वंसक हो गए हैं। होर्मुज स्ट्रेट के बंद कर दिए जाने से इस जलडमरूमध्य से गुजरने वाला दुनिया का 22 प्रतिशत तेल व्यापार जबरदस्त तौर से बाधित हो गया है। उल्लेखनीय है कि भारत सहित दक्षिण एशिया के समस्त देश तेल और गैस की आपूर्ति के लिए, होर्मुज स्ट्रेट और खाड़ी देशों पर अत्याधिक तौर से निर्भर रहे हैं। कतर की रास लाफान पर अंजाम दिए गए भयानक आक्रमण से भारत की नेचुरल गैस आपूर्ति पर जबरदस्त असर पड़ने वाला है। कतर द्वारा लिक्विड नेचुरल गैस (एलएनजी) फील्ड को विकसित करने के लिए अरबों डॉलर का निवेश किया गया। ईरान द्वारा अंजाम दिए गए भीषण आक्रमण के बाद कतर का रास लाफान प्लांट बंद हो गया है। इसके करण यूरोप और दक्षिण एशिया में नेचुरल गैस की कीमतें बहुत बढ़ गई है। हालांकि कतर का एलएनजी उत्पादन एशिया के ही मुल्कों को सप्लाई किया जाता है। उल्लेखनीय है कि यह इलाका सबसे बड़े नेचुरल गैस फील्ड में एक है, जहां पर 51 ट्रिलियन क्यूबिक मीटर नेचुरल गैस का विशाल भंडार है। इस संपूर्ण क्षेत्र को ईरान और कतर दोनों समान रूप से साझा करते हैं। ईरान के आधिपत्य वाले नेचुरल गैस फील्ड को साउथ पार्स फील्ड कहा जाता है और कतर की तरफ वाले फील्ड को उत्तरी फील्ड कहा जाता है। ईरान दुनिया के पटल पर ऐसा चौथ मुल्क है जो कि अमेरिका, चीन और रूस के पश्चात गैस का सबसे बड़ा उपभोक्ता मुल्क है, साउथ पार्स फील्ड से अपनी जरूरत का तकरीबन अस्सी फ़ीसदी गैस प्रयोग करता है।

भारत पर जंग का पड़ेगा असर

ईरान ने भी लिक्विड नेचुरल गैस उत्पादन का एक शक्तिशाली ढांचा बनाने की कोशिश अंजाम दी थी, लेकिन परमाणु कार्यक्रम के कारण आयाद किए गए वैश्विक प्रतिबंधों के कारण उसे बहुत अधिक सफलता नहीं मिल पाई है। भारत अपनी आवश्यकता की लिक्विड नेचुरल गैस का आयात कतर से करता रहा है। कतर और यूएई से आने वाली लिक्विड नेचुरल गैस का कार्गो हार्मुज स्ट्रेट से गुजरता है। भारत के एलएनजी आयात का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा इसी रास्ते से गुजरकर आता है। विनाशकारी युद्ध के बाद भी कतर के गैस प्रोसेसिंग प्लांट को दोबारा शुरू करने में तकरीबन दो हफ्ते से अधिक लग जाएंगे। क्रूड ऑयल के विपरीत भारत के पास लिक्विड नेचुरल गैस का कोई भी स्ट्रेटेजिक भंडार नहीं है। महंगी लिक्विड नेचुरल गैस भारत नहीं खरीद सकता है। पश्चिम एशिया में जारी जंग से बहुत दूर रहते हुए भी भारत को इस जंग के परिणामों को भुगतना पड़ेगा।

उर्वरकों पर खतरा यानी रोटी पर संकट

संकट

दिनेश शर्मा 'दिनेश'
वरिष्ठ स्तंभकार

खाड़ी क्षेत्र में जारी युद्ध केवल सैन्य संघर्ष नहीं हैं, बल्कि यह उस 'खाद्य युद्ध' की पदचाप है जो खेतों की उर्वरता और वैश्विक पेट की भूख को सीधे प्रभावित कर सकती है। दरअसल युद्ध अपने साथ केवल प्रत्यक्ष विनाश, रक्तपात और विस्थापन ही नहीं लाता, बल्कि यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की उन सूक्ष्म धमनियों को भी बाधित करता है, जिनसे दुनिया की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा संचालित होती है। खाड़ी देशों में छिड़ने वाला संघर्ष न केवल कच्चे तेल की कीमतों में आग लगा रहा है, अपितु यह उर्वरक संकट के माध्यम से भारत जैसे कृषि प्रधान देशों के रसोई घर तक अपनी तपिश पहुंचा रहा है, जिससे भविष्य में अनाज की पैदावार और उपलब्धता पर प्रभावित हो सकती है। भारत, चीन और ब्राजील जैसे दुनिया के तीन सबसे बड़े कृषि प्रधान देश अपनी मिट्टी की उत्पादकता को जीवित रखने के लिए भारी मात्रा में खाड़ी क्षेत्र से नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश का आयात करते हैं। भारत के संदर्भ में यह निर्भरता रणनीतिक रूप से अत्यंत संवेदनशील और जोखिम भरी है। भारत अपनी यूरिया की कुल खपत का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा सीधे आयात करता है, जिसमें ओमान, सऊदी अरब और कतर जैसे देशों की भूमिका अहम है। यदि ईरान और खाड़ी देशों में जारी तनाव लंबा चलता है या पूर्ण युद्ध में बदलता है, तो यह भारत की 'खाद सुरक्षा' के लिए चिंतनीय होगा। वर्तमान स्थिति में सबसे पहली और घातक बाधा 'लॉजिस्टिक्स' और समुद्री परिवहन के मोर्चे पर आ रही है। दुनिया का लगभग एक-तिहाई समुद्री व्यापार हॉर्मुज जलडमरूमध्य के एक संकरे और तनावग्रस्त मार्ग से गुजरता है।

भारत अपनी यूरिया की कुल खपत का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा सीधे आयात करता है। यदि ईरान और खाड़ी देशों में जारी तनाव लंबा चलता है या पूर्ण युद्ध में बदलता है, तो यह भारत की 'खाद सुरक्षा' के लिए चिंतनीय होगा।

यदि यह जलमार्ग युद्ध के कारण अवरुद्ध होता है, तो उर्वरकों से लदे जहाज या तो बंदरगाहों पर फंस जाएंगे या उन्हें 'केप ऑफ गुड होप' (अफ्रीका) का चक्कर लगाकर हजारों मील लंबा रास्ता तय करना होगा। इससे परिवहन इतना महंगा हो जाएगा कि बंदरगाह पर उतरने वाली खाद की बोरी की कीमत किसान की पहुंच से बाहर हो जाएगी। उर्वरक संकट का दूसरा गहरा और तकनीकी संबंध 'प्राकृतिक गैस' की कीमतों से जुड़ा है। खाड़ी में युद्ध का अर्थ है वैश्विक गैस पाइपलाइनों और एलएनजी आपूर्ति में भारी व्यवधान। जब गैस की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ेंगी, तो भारत के घरेलू उर्वरक संयंत्रों की उत्पादन लागत भी अनियंत्रित रूप से बढ़ जाएगी। इसके साथ ही, चीन और ब्राजील जैसे देशों से मिलने वाली वैश्विक प्रतिस्पर्धा इस संकट को और गहरा कर देगी। यदि फसल सीजन के दौरान उर्वरक की समय पर आपूर्ति नहीं हुई, तो इसके परिणाम भयावह हो सकते हैं।

खाद की कमी का सीधा अर्थ है प्रति एकड़ पैदावार में 25 से 40 प्रतिशत तक की गिरावट। उत्पादन कम होने का अर्थ होगा बाजार में अनाज की कमी, जमाखोरी और उसके परिणामस्वरूप बेतहाशा खाद्य मुद्रास्फीति। इसके अतिरिक्त, सरकार पर 'उर्वरक सब्सिडी' का बोझ इतना बढ़ जाएगा कि वह देश के बुनियादी ढांचे और विकास कार्यों के बजट में कटौती करने पर मजबूर हो जाएगी। इस संभावित त्रासदी से बचने के लिए भारत को अब केवल 'प्रतिक्रियात्मक' नहीं बल्कि 'निवारक' रणनीति पर काम करना होगा। हम अब मोरक्को, जॉर्डन, रूस और कनाडा जैसे देशों के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौते कर रहे हैं ताकि खाड़ी क्षेत्र पर हमारी शत-प्रतिशत निर्भरता न रहे।

साथ ही, 'पीएम-प्रणाम' जैसी योजनाओं के माध्यम से वैकल्पिक उर्वरकों और नैनो यूरिया को बढ़ावा दिया जा रहा है, जो तरल रूप में होने के कारण कम मात्रा में अधिक प्रभावी होते हैं और जिन्हें भंडारित करना आसान है। भारत को अपनी 'सल्फर कोटेड यूरिया' जैसी तकनीकों को और विस्तार देना होगा ताकि मिट्टी की सेहत भी बनी रहे और आयात पर बोझ भी कम हो। खाड़ी देशों का यह संभावित युद्ध केवल मिसाइलों और टैंकों का मुकाबला नहीं है, बल्कि यह करोड़ों किसानों के हल और आम आदमी की थाली पर होने वाला प्रहार है। आवश्यकता है कि भारत अपनी 'खाद्य संप्रभुता' को सुरक्षित करने के लिए उर्वरक के क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को युद्ध स्तर पर गति दे।

वैश्विक संकट और कांग्रेस की सस्ती राजनीति

विचार

पंकज झा

देशद्रोह केवल वही नहीं होता जहां सीधे तौर पर देश से गद्दारी की जाय, देशद्रोह वह भी होता है जहां कोई राजनीतिक दल अपने देश की विदेश नीति के विरुद्ध ही गाल बजाना शुरू कर दे, विदेशों में जा-जा कर अपनी ही चुनी हुई सरकार के विरुद्ध प्रोपगंडा करे, अपनी ही सरकार को निराधार ही सरेंडर, कम्प्रोमाइज्ड आदि बताये। ऐसा ही देशद्रोह लगातार कांग्रेस सांसद और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी कर रहे हैं। कांग्रेस के अन्य नेता भी उन्हीं के रास्ते पर चलते हुए स्वयं को प्रासंगिक बनाए रखने में देश की सुरक्षा और शान्ति को दांव पर लगाने से नहीं चूकते। कठिन वैश्विक परिस्थिति, भीषण युद्ध की स्थिति में भी जो देश के पक्ष में खड़ा नहीं रहे, जो जनता को भड़काने के हर जतन में लगे रहे, जो लगातार झूठ और फरेब परोसता रहे विशेषकर ऐसे समय में, उसे न केवल देशद्रोही अपितु लोकद्रोही भी कहना चाहिए। कांग्रेस रसोई गैस और पेट्रोलियम आदि के मामले में यही करती नजर आ रही है। कांग्रेस की हर संभव कोशिश यही है कि किसी न किसी तरह जनता में अनरेस्ट फैले। उसके बाद ये अराजकता फैलाएं और फिर अपनी रोटी सेंक सकें। बाहरी कोशिश के बतौर तो लगातार वे कर ही रहे हैं, देश के भीतर भी भय फैलाना अब कांग्रेस ने अपनी अघोषित नीति के तहत शुरू कर दिया है। कांग्रेस महासचिव और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने लगातार गैस संकट का दुष्प्रचार करने, किंतु विफल रहने के बाद सोशल मीडिया पर जनमत संग्रह कराना शुरू किया। मानो वे कांग्रेस के जमाने के पीएम हों और गैस संकट तब का जम्मू-कश्मीर। उन्हें लगा कि अपने लोगों द्वारा वे यह सबित करने में सफल हो जायेंगे कि देश में त्राहिमाम बचा है। पर हजारों लोगों ने स्वतः स्फूर्त ढंग से उनके पोस्ट पर उन्हें बताया कि आपूर्ति सुचारू है और सबको समय से मिल जा रहा है। जाहिर है, कांग्रेस की ऐसी हर हरकत उसके वोट बैंक में एक-दो प्रतिशत की सेंध तो लगा ही देता है। ऐसा कुछ भी करने से इनका उल्लू सीधा नहीं हो पा रहा है, यह तय है। फिर भी इनकी ऐसी हरकत जारी है। विदेशी परिस्थितियों को भी साम्प्रदायिक रंग देते रहने की कोशिश समेत ऐसे तमाम कृत्यों से कांग्रेस देश को कमजोर करने या दिखाने की कोशिश लगातर कर रही है। इसमें बुरी तरह विफल होते रहने के बावजूद उसके अस्तित्व के लिए शायद यही एकमात्र विकल्प है कि वह झूठ फैलाते रहे। कांग्रेस के पूरे प्रोपगंडा का हेतु यही है कि वह आपूर्ति में कमी का रोना रोये ताकि लोग डर कर अधिक से अधिक पैनिक बुकिंग करें ताकि सिस्टम फेल हो सके। जाहिर है अत्यधिक आसामान्य मांग पैदा होने पर संकट खड़ा होता ही है, कांग्रेस इसी कोशिश में लगी है जिसका शिकार वास्तविक जरूरतमंद हो सकते हैं, दुखद यह है कि कांग्रेस को कभी उसकी परवाह रही भी नहीं है। आज जहां तमाम वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश में स्थिति सामान्य है, वहीं याद कीजिए खाड़ी युद्ध का दौर। भारत में तब कांग्रेस की सरकार थी और आपूर्ति श्रृंखला लगभग चौपट हो गयी थी। अभी से लगभग चौथाई से कम तब पेट्रो पदार्थों की मांग थी (1990 में लगभग 58 मिलियन टन – 2025 में लगभग 250 मिलियन टन), क्योंकि न तो इतने अधिक रसोई गैस कनेक्शन थे, न ही इतनी सारी गाड़ियां ही थी। फिर भी देश भर में हाहाकार मचा हुआ था। कई-कई किलोमीटर लम्बी कतार लग रही थी तब पेट्रो पदार्थों के लिए। तब अपेक्षाकृत अल्प चुनौतियों के बावजूद अपने कुप्रबंधन और भ्रष्ट व्यवस्था के कारण ऐसा लड़खड़ायी थी कांग्रेस सरकार जिसकी बुरी यादें आजतक ताजा है। नौबत यहां तक आ गयी थी कि अपमानजनक ढंग से कांग्रेस (और उसकी समर्थित) सरकार को भारत का 67 टन सोना बकायदा फिजिकल रूप में देश के बाहर गिरवी रखने भेजना पड़ा था। और वह फिजिकल सोना कांग्रेस ला नहीं पायी फिर देश वापस। फिर भी तब का विपक्ष संयत रहा था और देश की विदेश नीति के साथ खड़ा रहा, भले घरेलू मामलों में कांग्रेस की नाक में दम किए रहा था। इसके इतर भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश में सन 2024 में ब्रिटेन से 100 टन सोना लाकर अपने स्वर्ण भण्डार को मजबूत किया। आज जिस तरह सोने के भाव आसमान पर हैं, ऐसे में आप ऐतिहासिक सौ टन सोना के आने के निर्णय की कल्पना कीजिये। कोई भी गर्व करना चाहेगा अपनी सरकार पर। कांग्रेस का ऐसा ही गैर जिम्मेदाराना रवैया कोरोना जैसी मानव सभ्यता के ज्ञात इतिहास की सबसे बड़ी महामारी के समय भी देखने को मिला था। उस अकल्पनीय संकट के समय भी भारत में आपूर्ति श्रृंखला न केवल चमत्कारिक रूप से सुचारू रहा था बल्कि मोदीजी की सरकार ने अपने अनाज का गोदाम जनता के लिए खोल दिया था, जो आज तक जारी है। मोदीजी की सरकार ने उस 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' को अब स्थायी ही कर दिया है और आज देश के 81.35 करोड़ लोग निःशुल्क पेट भर अनाज अपनी सरकार से अपने ही घर में पा रहे हैं।

बढ़ाना ही होगा इलेक्ट्रिक वाहनों का चलन

चुनौती

उमेश चतुर्वेदी
राजनीतिक समीक्षक

ईरान पर अमेरिकी और इजराइली कार्रवाई के बाद पेट्रोलियम पदार्थों के आयात में न सिर्फ भारत, बल्कि पूरी दुनिया को कई तरह की परेशानियों और रुकावटों का सामना करना पड़ रहा है। अगर खाड़ी संकट जल्द नहीं थमा तो पहले से ही करीब अस्सी अरब डॉलर सालाना खर्च करने वाले भारत की ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियां और बढ़ सकती हैं। पेट्रोलियम कारोबार पर निगाह रखने वाले वैश्विक संस्थानों को आशंका है कि अगर ईरान-इजराइल-अमेरिका युद्ध लंबा खिंचा और इससे कच्चे तेल की कीमतों में प्रति बैरल दस डॉलर की भी बढ़ोत्तरी हुई तो भारत का पेट्रोलियम आयात खर्च पंद्रह हजार करोड़ डॉलर सालाना बढ़ सकता है।

पेट्रोलियम आयात पर होने वाली इस बढ़ोतरी के चलते भारत पर नए सिरे से आर्थिक दबाव बढ़ेगा । ऐसे में जरूरी है कि देश अपनी ऊर्जा जरूरतों को लेकर नए सिरे से विचार करे और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की तलाश की दिशा में न सिर्फ आगे बढ़े, बल्कि शोध और विकास पर भी जोर लगाए। खाड़ी संकट के बाद सिर्फ भारत ही नहीं, पूरी दुनिया को इस दिशा में सोचने को मजबूर किया है। तमाम देश वैचारिक स्तर पर पेट्रोलियम पदार्थों के विकल्पों की खोज में जुटने लगे हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर दुनिया का बढ़ता ध्यान इसी बदलती सोच का प्रतीक है। चीन ने इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने पर पिछले कुछ वर्षों में इतना जोर दिया है कि वहां एक तरह से इलेक्ट्रिक वाहन क्रांति ही आ गई है। भारत ने साल 2030 तक कुल वाहनों में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी तीस प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। ईरान संकट के पहले से ही इलेक्ट्रिक वाहनों के चलन को बढ़ावा देने की सरकारी कोशिशों से सालाना पेट्रोलियम आयात में करीब 25 हजार करोड़ की बचत होने लगी है। जिस तरह पेट्रोलियम उत्पादक खाड़ी के क्षेत्र में हालात बदल रहे हैं, उससे देश को पेट्रोलियम के विकल्प ढूंढने की दिशा में तेजी लाने और इस सिलसिले में शोध और विकास को भी गति देने की जरूरत बढ़ी है। ऐसा किए बिना देश के लिए पेट्रोल और डीजल के आयात के लिए

मार्च 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार भारत में रोजाना करीब 87 करोड़ लीटर पेट्रोल की खपत होती है। जबकि देश में इसका उत्पादन महज 9.65 करोड़ लीटर ही होता है।

विदेशी मुद्रा के भारी खर्च पर लगाम लगाना आसान होगा। भारत के संदर्भ में देखें, तो रसोई गैस के मोर्चे में देश ने पिछले दस वर्षों में बड़ी क्रांति को देखा है। देश के रसोई घरों में पीएनजी यानी पाइप्ड नेचुरल गैस और एलपीजी यानी लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस की खपत बढ़ी है। मौजूदा आंकड़ों के अनुसार, देश में प्राकृतिक गैस की रोजाना खपत करीब 189 मिलियन घन मीटर है, लेकिन घरेलू उत्पादन महज 97.5 मिलियन घन मीटर रोजाना ही है। करीब साठ फीसद गैस बाहर से आयात करनी पड़ती है। देश में करीब 33 लाख एलपीजी कनेक्शन हैं। इनमें दस लाख 33 हजार कनेक्शन प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत दिए गए हैं। इन कनेक्शनों पर सालाना 312 लाख टन गैस खर्च होती है। इस गैस का साठ फीसद हिस्सा आयात किया जाता है। जाहिर है कि देश का बड़ा गैस खर्च भी आयात पर ही निर्भर है। आंकड़ों के अनुसार देश की ऊर्जा स्त्रोत के रूप में सबसे ज्यादा खपत डीजल की है, जो कुल पेट्रोलियम खर्च का करीब करीब 38.5 फीसद है। इसके बाद पेट्रोल का नंबर आता है, जिसकी कुल ऊर्जा स्त्रोत के खपत में करीब 18 प्रतिशत की भागीदारी है, जबकि तीसरे नंबर पर करीब चौदह फीसद हिस्सेदारी के साथ प्राकृतिक गैस है। भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय के मार्च 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार देश में रोजाना करीब 87 करोड़ लीटर पेट्रोल की खपत होती है। जबकि देश में इसका उत्पादन महज 9.65 करोड़ लीटर ही होता है। देश की कुल पेट्रोलियम खपत का करीब 87 फीसद हिस्सा आयात करना पड़ता है। कुल एलपीजी खर्च का 60 फीसद हिस्सा आयात से पूरा किया जाता है। भारत में पारंपरिक रूप से लकड़ी के चूल्हे पर खाना पकाने का चलन रहा है। इसके लिए जलावन पारंपरिक तौर पर फसलों के साथ ही पेड़ों और जंगलों से मिलता रहा है। उन्हें बाद में स्वास्थ्य के लिए खराब माना जाने लगा। अब बदले हालात में जरूरी है कि पारंपरिक चूल्हों को विकसित करके उनकी ओर भी लौटा जाए। इसके लिए ऐसे उन्नत चूल्हे बनाए जाएं, जिससे धुआं कम से कम निकले और उनसे ऊर्जा ज्यादा मिले। समुद्री लहरों के जरिए भी बिजली बनाने पर शोध हो रहा है, इस दिशा में भी तेजी लाई जानी चाहिए। तभी जाकर हम आने वाले दिनों में ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोतों का ज्यादा इस्तेमाल कर सकेंगे, तब हम आयात के भारी-भरकम खर्च से बचेंगे।

ईरान युद्ध से सबक लेकर आत्मनिर्भर बने भारत

दृष्टिकोण

रवि शंकर
स्वतंत्र पत्रकार

पश्चिम एशिया में भड़की जंग ने दुनिया को ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है जहां हर अगला दिन एक नए खतरे का संकेत दे रहा है। यह सिर्फ दो देशों के बीच का टकराव नहीं रहा, बल्कि पूरी वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था को सीधे निशाने पर ले आया है। देखा जाये तो इजराइल ने जब ईरान के साउथ पार्स गैस क्षेत्र पर हमला किया, तो यह सीधा उस नस पर वार था जिससे पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति चलती है। जवाब में ईरान ने भी देर नहीं की और कतर के रास लफान गैस केंद्र को निशाना बना दिया। यह वही केंद्र है जो दुनिया की कुल गैस आपूर्ति का बड़ा हिस्सा संभालता है। यानी अब जंग सिर्फ सीमाओं पर नहीं, बल्कि दुनिया की रसोई और उद्योगों तक पहुंच चुकी है। तेल बाजार में हाहाकार मच गया।

कीमतें अचानक उछलकर एक सौ बीस डॉलर के करीब पहुंच गईं। यह सिर्फ आर्थिक उतार-चढ़ाव नहीं था, बल्कि उस डर का इजहार था कि फारस की खाड़ी अब बारूद का ढेर बन चुकी है, जहां से किसी भी वक्त पूरी दुनिया प्रभावित हो सकती है। बता दें, भारत अपने कच्चे तेल का 90 प्रतिशत दूसरे देशों से आयात करता है, जबकि एलपीजी 60 प्रतिशत और एलएनजी का आधे से अधिक आयात होता है। यह आपूर्ति मुख्यत खाड़ी देशों से ही होती है। इस आयात का ज्यादातर हिस्सा केवल एक अस्थिर क्षेत्र यानी पश्चिम एशिया से आता है। यही कारण है कि इस क्षेत्र में किसी भी रुकावट को नीति निर्माताओं और तेल कंपनियों के लिए तत्काल चिंता का विषय बना देता है। फिर भी, भारत के ऊर्जा योजनाकारों का तर्क है कि 1970 दशक के खाड़ी संकटों की तुलना में आज देश ऐसी बाधाओं से निपटने के लिए बेहतर स्थिति में है। पिछले कुछ वर्षों में भारत किसी एक क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता कम करने के लिए जानबूझकर अपनी कच्चे तेल की स्रोत रणनीति में विविधता लाया है। सबसे बड़ा बदलाव रूस से आयात में वृद्धि है, जो यूक्रेन संघर्ष के बाद से भारत का सबसे बड़ा कच्चे तेल का आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा है। साथ ही, भारतीय रिफाइनरियों ने अमेरिका, ब्राजील, मैक्सिको और पश्चिम अफ्रीका के उत्पादकों से तेल की खरीद बढ़ा दी है। ये सभी देश मिलकर अब भारत के कच्चे तेल की कुल मात्रा का लगभग आधा हिस्सा पूरा करते हैं, जिससे खाड़ी देशों से तेल की आपूर्ति धीमी होने पर रिफाइनरियों को आपूर्ति को संतुलित करने की सुविधा मिलती है।

हालांकि, भारत के लिए खाड़ी क्षेत्र भविष्य के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत जैसे देश भारत के दीर्घकालिक कच्चे

इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत जैसे देश भारत के दीर्घकालिक कच्चे तेल अनुबंधों का एक बड़ा हिस्सा आपूर्ति करते हैं।

तेल अनुबंधों का एक बड़ा हिस्सा आपूर्ति करते हैं। इन देशों से आने वाला तेल जामनगर, वडीनार और पारादीप जैसे भारतीय बंदरगाहों तक पहुंचने से पहले होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है। ऐसे में इस जलमार्ग के लंबे समय तक बंद रहने से भारत की ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार संतुलन पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। साफ है, वर्तमान की इन अल्पकालिक चुनौतियों के बीच, यह संकट आयातित जीवाश्म ईंधन पर भारत की निर्भरता कम करने की आवश्यकता को मजबूती से रेखांकित करता है। भारत बढ़ती ऊर्जा मांग के बीच तेल आयात पर निर्भरता कम करने और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाया है। इथेनॉल मिश्रण, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और 500 गीगावाट नॉन-फॉसिल क्षमता लक्ष्य से देश ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। लेकिन प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयासों के बीच हमने जीवाश्म ईंधन के घरेलू उत्पादन को कम महत्त्व दिया है। जबकि अगले दो दशकों में जीवाश्म ईंधन काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है क्योंकि यह वह समय है, जब भारत को अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का अधिकतम लाभ उठाना होगा। होर्मुज स्ट्रेट में आपूर्ति बाधित होने पर हमें वैकल्पिक स्रोतों की आवश्यकता होगी। पश्चिम एशिया पर निर्भरता हमारे लिए केवल अस्थायी विकल्प है। हमें तेल और गैस के घरेलू अन्वेषण और उत्पादन में तेजी लानी चाहिए। हमें खाना पकाने के लिए उपयुक्त चूल्हों का उपयोग करते हुए एथनॉल के इस्तेमाल में भी तेजी लानी चाहिए। दरअसल, इस जंग ने पूरी दुनिया को यह बताया कि अब ऊर्जा खुद एक हथियार बन चुकी है। गैस संयंत्र, तेल क्षेत्र और बंदरगाह अब सैन्य निशाने हैं। अगर यह सिलसिला जारी रहा तो दुनिया को एक ऐसे ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ सकता है जो पहले कभी नहीं देखा गया। यह संकट सिर्फ पेट्रोल या गैस की कीमतों तक सीमित नहीं रहेगा। इसका असर हर घर, हर उद्योग और हर देश पर पड़ेगा। महंगाई बढ़ेगी, आपूर्ति टूटेगी और अर्थव्यवस्थाएं हिल जाएंगी। अब सवाल यही है कि क्या इस आग को बुझाने का कोई रास्ता बचा है। सच यह है कि इस समय केवल अमेरिका ही ऐसा देश है जिसके पास दोनों पक्षों को रोकने की ताकत है। लेकिन क्या ट्रंप ऐसा करना चाहते हैं, यह सबसे बड़ा सवाल है।

बहरहाल, ईरान और इजरायल-अमेरिका युद्ध का नतीजा चाहे जो भी निकले, मगर एक बात तो तय है कि भारत को अब अपनी ऊर्जा निर्भरताओं पर नए सिरे से गंभीरता से विचार करना होगा। ईरान और इजरायल-अमेरिका युद्ध इस बात की तरफ स्पष्ट इशारा है कि ऊर्जा पर आत्मनिर्भरता देश के लिए कितनी जरूरी हो गई है। ईंधन की किल्लत रक्षा क्षेत्र में एक सीमित झटके से भी कहीं अधिक राजनीति को प्रभावित कर सकती है। तेल और गैस आयात पर अत्यधिक निर्भरता को देखते हुए हमें न केवल तेल के भंडार बढ़ाने होंगे, बल्कि नए रास्ते तलाशने की दिशा में प्रयास और तेज करने होंगे।

देशभर में शनिवार को ईद-फितर मनाया गया

जयपुर-दिल्ली हाइवे पर पढ़ी नमाज, सामूहिक इबादत की, बरसे फूल

ईरान पर हो रहे हमलों के विरोध में प्रदर्शन भी किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/ जयपुर

शनिवार को पूरे भारत में ईद-उल-फितर का त्योहार हर्षोल्लास और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। 30 दिनों के रमजान के रोजों के बाद, चांद दिखने पर लोगों ने मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज अदा की, एक-दूसरे को गले लगाकर बधाई दी और मिठाइयां बांटीं। इस मौके पर घरों में विशेष पकवान जैसे सेवइयां और शीर खुरमा बनाए गए। जयपुर में ईद उल फितर के अवसर पर शनिवार को जयपुर-दिल्ली हाईवे पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने सामूहिक रूप से नमाज अदा की। नमाज के दौरान बड़ी संख्या में लोग इकट्ठे हुए और धार्मिक परंपराओं का पालन करते हुए शांतिपूर्ण ढंग से इबादत की। शहर की ईदगाह, जामा मस्जिद सहित विभिन्न मस्जिदों में सुबह से ही नमाजियों की भीड़ उमड़ी। ईदगाह में करीब एक लाख लोगों ने एक साथ नमाज अदा कर अमन और भाईचारे का संदेश दिया।

जयपुर-दिल्ली हाईवे पर मुस्लिम समुदाय ने नमाज अदा की

ईरान पर हो रहे हमलों के विरोध में जयपुर, सीकर और अजमेर सहित राजस्थान के कई जिलों में प्रदर्शन देखने को मिला। शनिवार को लोगों ने काली पट्टी बांधकर ईद की नमाज अदा की और मस्जिदों पर काले झंडे लगाए। कई स्थानों पर अमेरिका और इस्त्राइल के खिलाफ नारेबाजी भी की गई।

दिल्ली की जामा मस्जिद में नमाज अदा करते लोग

लखनऊ में भी की नमाज अदा

लोगों ने फूलों की बारिश से किया स्वागत

ईद के मौके पर अन्य समुदाय के लोगों ने नमाजियों पर गुलाब की पंखुड़ियां बरसाकर उनका स्वागत किया। हिंदू-मुस्लिम एकता समिति से जुड़े राजेश कुमार शर्मा ने कहा कि समाज में कुछ लोग भेदभाव फैलाने की कोशिश करते हैं। उन्होंने संदेश देते हुए कहा कि राम के बिना रमजान अधूरा है और ईद के बिना दिवाली। सभी धर्मों के लोगों को मिलकर रहना चाहिए और एकता को मजबूत करना चाहिए। रैली के दौरान शिया-सुन्नी भाई-भाई, हिन्दुस्तान जिंदाबाद जैसे नारे भी लगाए गए, जिससे आपसी एकता और देशभक्ति का संदेश देने की कोशिश की गई।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने दी बधाई, राष्ट्र को मजबूत बनाने का संकल्प लें

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देशवासियों को ईद की बधाई दी है। राष्ट्रपति ने एक्स पर लिखा गया है, ईद पर सभी देशवासियों, विशेषकर मुस्लिम बहनों और भाइयों को हार्दिक बधाई। हम समाज और राष्ट्र को मजबूत बनाने का संकल्प लें। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा है, ईद की हार्दिक शुभकामनाएं। ईश्वर करे कि यह दिन भाईचारे और सद्भाव को और बढ़ावा दे।

खबर संक्षेप

गर्मी में चलेंगी कई वीकली, स्पेशल ट्रेनें

नई दिल्ली। रेलवे ने गर्मी के में यात्रियों की सुविधा के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाने का फैसला किया है।

इस पहल से यात्रियों को काफी राहत मिलेगी, जिससे उन्हें अपने गंतव्य तक पहुंचने में कोई परेशानी नहीं होगी। सीएमएमटी से गोरखपुर स्पेशल ट्रेन, एलटीटी-बनारस-एलटीटी द्वि-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन भी चलाई जाएंगी।

एआईएमआईएम का यूसीसी के खिलाफ प्रदर्शन

अहमदाबाद। शनिवार को अहमदाबाद की जामा मस्जिद के बाहर यूसीसी को लागू करने के

खिलाफ लोगों ने प्रदर्शन किया। पुलिस ने 5 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है। लोगों ने ईद की नमाज के बाद बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन एआईएमआईएम की ओर से किया गया था। इस दौरान यूसीसी को वापस लेने की मांग की गई है।

अल-फलाह का संचालन हरियाणा सरकार करेगी

फरीदाबाद। यहां के धौज में स्थित बहुचर्चित अल-फलाह यूनिवर्सिटी का संचालन अब हरियाणा सरकार

ने अपने हाथ में ले लिया है। सरकार की ओर से वरिष्ठ आईएएस डॉ. अमित अग्रवाल को यूनिवर्सिटी का प्रशासक नियुक्त किया गया है। जैसी बोस वाईएमसीए यूनिवर्सिटी से 6 अधिकारियों को ओएसडी तैनात किया गया है।

पानीपत के नेशनल हाईवे पर 2 दर्जन वाहन भिड़े

पानीपत। जिले में शनिवार सुबह मौसम के बदले मिजाज से नेशनल हाईवे-44 पर तबाही दिखी।

शनिवार को पूरा जिला घने कोहरे में रहा। विजिबिलिटी इतनी कम थी कि वाहनों को 5 मीटर दूर का रास्ता भी दिखाई नहीं दे रहा था। सिवाह बस स्टैंड के पास दो दर्जन से अधिक वाहन टकराए।

मथुरा में गोरक्षक बाबा की ट्रक से कुचलकर मौत के बाद बवाल

सड़क पर उतरे लोगों ने काटा हंगामा, हाइवे कर दिया जाम, पुलिस पर भी कर दिया पथराव

ईद के दिन मथुरा जिले के छाता क्षेत्र में गौसेवक बाबा चंद्रशेखर महाराज की ट्रक से कुचलकर हुई संदिग्ध मौत के बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया है। इस घटना से गुस्साए लोग सड़क पर उतर आए

जिले के छाता क्षेत्र में गौसेवक चंद्रशेखर महाराज की संदिग्ध मौत

एजेंसी ▶▶ मथुरा

ईद के दिन मथुरा जिले के छाता क्षेत्र में गौसेवक बाबा चंद्रशेखर महाराज की ट्रक से कुचलकर हुई संदिग्ध मौत के बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया है। इस घटना से गुस्साए लोग सड़क पर उतर आए और जमकर हंगामा शुरू कर दिया। उन्होंने इसे केवल दुर्घटना मानने से इनकार कर दिया है। घटना के विरोध में बड़ी संख्या में लोगों ने दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग (नेशनल हाइवे-19) को पूरी तरह जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने हाइवे के दोनों ओर यातायात रोक दिया, जिससे लंबा जाम लग गया और आम यात्रियों व वाहनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इसी बीच एक रिपोर्ट के मुताबिक नाराज लोगों ने पुलिस पर पथराव किया।

छाता क्षेत्र में माहौल तनावपूर्ण

आखिरकार सेना को उतारना पड़ा

लोगों ने इस तरह सड़क जाम कर दी

गोसेवकों की मांग- आरोपियों का एनकाउंटर करें

लोगों का आरोप है कि बाबा की मौत एक सोची-समझी साजिश के तहत की गई हत्या है। वे लगातार ट्रक चालक की गिरफ्तारी और मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग कर रहे हैं। जब तक आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, एनकाउंटर जैसी मांग पूरी नहीं होती, तब तक जाम नहीं हटाया जाएगा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गईं। भारी पुलिस बल तैनात कर स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की जा रही है।

8 साल की आयु में बन गए थे संत

बाबा चंद्रशेखर आठ साल की उम्र में संत बन गए थे। माता-पिता की मौत के बाद घर छोड़ दिया था, फिर संत हो गए। उसके बाद आयोध्या गए। श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन में भी हिस्सा लिया था। 20 साल तक वहां रहे, उसके बाद ब्रज में आ गए थे। यहां गोसेवा का संकल्प लिया और गोशाला चला रहे थे मथुरा के छाता ब्लॉक के आजनोख में बाबा की एक विशाल गोशाला है। जिसमें वह गायों की सेवा करते थे। उनके इस कार्य के चलते आसपास के इलाके के लोग भी उनसे जुड़ गए थे। गोपाष्टमी पर विशाल आयोजन करते थे जिसमें काफी संख्या में गोसेवक जुटते थे।

सीएम योगी बोले-दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा

मथुरा में गौरक्षक बाबा चंद्रशेखर उर्फ फरसा बाबा की हत्या के बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया है। आरोप है कि गौतस्करों ने

फरसा बाबा को गाड़ी से कुचल दिया जिसके बाद उनकी मौत हो गई। अब सीएम योगी ने इस मामले में संज्ञान लेते हुए अफसरों को कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है साथ ही कहा कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

आसपास के क्षेत्रों में नाकाबंदी की

बाबा को क्षेत्र में गौ-तस्करों की गतिविधियों की जानकारी मिली थी, जिसके बाद वे टीम के साथ उनकी तलाश में निकले थे। इसी दौरान नवीपुर के पास उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद छाता पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में नाकाबंदी कर दी है।

चंद्रशेखर ने फरसा वाले बाबा के रूप में पहचान बनाई

बाबा चंद्रशेखर मूल रूप से फिरोजाबाद के गांव गोपाल का नगला के रहने वाले थे। गोरक्षा में फरसा लेकर 'फरसा वाले बाबा' के रूप में पहचान बनाई।

संगठनों और समर्थकों में गुस्सा

बाबा का पार्थिव शरीर उनके गांव अंजनोख स्थित गोशाला में लाया गया, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीण और समर्थक जुटे। बाबा ब्रज क्षेत्र में काफी प्रसिद्ध थे। उनकी मौत की खबर फैलते ही कई संगठनों और समर्थकों में गुस्सा और दुख का माहौल है।

'डिजिटल-अरेस्ट' की ठगी पर जागी सरकार

व्हाट्स ऐप को निर्देश-ठगों की आईडी करो ब्लॉक

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

देश में तेजी से बढ़ रहे 'डिजिटल अरेस्ट' घोटालों पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार ने मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप को कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। गृह मंत्रालय द्वारा गठित उच्च स्तरीय अंतर-विभागीय समिति ने व्हाट्सएप से ऐसे डिवाइस आईडी को ब्लॉक करने को कहा है, जिनका इस्तेमाल बार-बार ठगी के लिए किया जा रहा है। यह फैसला हाल ही में हुई उच्चस्तरीय बैठक में लिया गया, जिसमें प्लेटफॉर्म की सुरक्षा प्रणाली को मजबूत करने और फर्जी खातों पर नियंत्रण के उपायों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में यह भी चर्चा हुई कि स्काइप की तरह व्हाट्सएप पर भी सुरक्षा फीचर्स लागू किए जाएं। इनमें संदिग्ध कॉल पर चेतावनी, कॉलर की अतिरिक्त जानकारी और संभावित ठगी की पहचान शामिल हो सकती है। व्हाट्सएप ने इन सुझावों को लागू करने पर सहमति जताई है।

सरकार के प्रमुख निर्देश

- डिजिटल अरेस्ट घोटालों में इस्तेमाल होने वाले डिवाइस आईडी की पहचान और ब्लॉकिंग
- संदिग्ध अकाउंट्स की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कड़े तकनीकी उपाय
- यूज़र डेटा को 180 दिन तक सुरक्षित रखना, ताकि जांच एजेंसियों को मदद मिल सके
- एंड्रॉइड सिस्टम में उपयोग होने वाले हानिकारक एपीके फाइल्स की पहचान और रोकथाम
- एआईऔर मशीन लर्निंग के जरिए फर्जी पहचान, सरकारी लोगो के दुरुपयोग और सिंथेटिक कंटेंट की पहचान
- स्काइप जैसे सेफ्टी फीचर्स लागू करने की तैयारी

क्या होता है 'डिजिटल अरेस्ट' घोटाला

डिजिटल अरेस्ट स्कैम में ठग खुद को पुलिस, सीबीआई या अन्य एजेंसियों का अधिकारी बताकर वीडियो कॉल करते हैं और पीड़ित को यह विश्वास दिलाते हैं कि वह किसी गंभीर अपराध में फंसा है। इसके बाद डराकर उससे बैंक खातों में बड़ी रकम ट्रांसफर कराई जाती है। रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में ऐसे 1.23 लाख से अधिक मामले सामने आए, जिनमें लगभग 1935 करोड़ रुपए की ठगी हुई जो 2022 की तुलना में तीन गुना अधिक है।

सिम लिंकिंग और ट्रेसबिलिटी पर जोर

पिछले साल नवंबर में डिपार्टमेंट ऑफ टेलिकॉम ने निर्देश जारी कर ऐप-आधारित सेवाओं को सिम लिंकिंग अनिवार्य करने को कहा था। इसका उद्देश्य यूज़र्स की पहचान सुनिश्चित करना और मल्टी-डिवाइस के दुरुपयोग को रोकना है। व्हाट्सऐप ने संकेत दिया है कि वह इस निर्देश को अगले 4–6 महीनों में लागू करेगा और एक्शन टेकन रिपोर्ट भी सौंपेगा।

एजेंसियों के साथ सहयोग बढ़ाएगा व्हाट्सऐप

प्लेटफॉर्म ने जांच एजेंसियों के साथ सहयोग बढ़ाने, संदिग्ध गतिविधियों की समय पर रिपोर्टिंग और फर्जी खातों पर त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।व्हाट्सऐप अब प्रोफाइल फोटो और अन्य डेटा का मिलान कर इम्पर्सोनेशन (फर्जी पहचान) के मामलों को पकड़ने की तकनीक भी मजबूत करेगा।

राहुल ने पोस्ट में किया दावा

चुनाव के बाद पेट्रोल-डीजल व एलपीजी की कीमतें बढ़ेंगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मिडिल ईस्ट में चल रही जंग और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का

असर भारतीय मुद्रा पर भी पड़ रहा है। डॉलर के मुकाबले रुपया लगातार कमजोर हो रहा है। इसे लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केंद्र सरकार का घेराव किया। राहुल ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि रुपए का डॉलर के मुकाबले कमजोर होकर 100 की तरफ बढ़ना और इंडस्ट्रियल फ्यूल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी- ये सिर्फ आंकड़े नहीं, आने वाली महंगाई के साफ संकेत हैं। उन्होंने कहा कि सरकार चाहे इसे 'नॉर्मल' बताए, लेकिन हकीकत ये है कि उत्पादन और ट्रांसपोर्ट महंगे होंगे। एमएसएमई को ज्यादा चोट लगेगी। एफआईआई का पैसा तेजी से बाहर जाएगा, जिससे शेयर बाजार पर दबाव बढ़ेगा। हर परिवार पर असर पड़ना तय है। चुनाव के बाद पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की कीमतें भी बढ़ा दी जाएंगी।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने किया ऐलान

सीएम, मंत्रियों व विधायकों का वेतन कटेगा, दिहाड़ी का बढ़ेगा

एजेंसी ▶▶ शिमला

हिमाचल के सीएम सुक्खू ने बजट में सीएम, मंत्रियों, विधायकों से

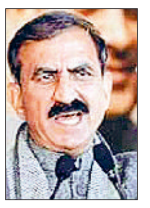

लेकर मुख्य सचिव से लेकर ए व बी श्रेणी कर्मचारियों-अधिकारियों के वेतन 50 से 3 प्रतिशत तक 6महीने के लिए डेफर करने की घोषणा की है। क्लास 1 और 2 के कर्मचारी और अधिकारियों का 3 प्रतिशत वेतन 6 माह तक टाला (डेफर) किया गया। मुख्यमंत्री के वेतन का 50, डिप्टी सीएम 40, मंत्री 30 और विधायक का 20 प्रतिशत डेफर करने की घोषणा की है। न्यायपालिका से भी ऐसा अनुरोध किया है।

न्यूनतम दिहाड़ी 750 की

सुक्खू ने कहा कि विधायक क्षेत्र विकास निधि को 2 करोड़ 20 लाख से घटाकर 1 करोड़ 20 लाख रुपए किया गया। ग्रेच्युटी का भुगतान भी किया जाएगा। अनुबंध कर्मचारियों को नियमित करेंगे। दिहाड़ी को 750 रुपए करने की घोषणा की।

केरल विधानसभा चुनाव की तैयारी तेज, पार्टियां तय कर रहीं प्रत्याशी

राज्यों में सियासी सरगर्मी

भाजपा ने जारी की तीसरी सूची, इसमें 11 उम्मीदवारों के नामों का किया ऐलान

एजेंसी ▶▶ केरलम

केरल विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर सियासी सरगर्मी बढ़ी है। इसी बीच भाजपा ने तीसरी उम्मीदवार सूची जारी कर चुनावी मुकाबले को और तेज कर दिया है। इस सूची में 11 उम्मीदवारों के नाम हैं, जिससे साफ है कि पार्टी अब पूरे जोर से चुनावी मैदान में उतर चुकी है। भाजपा ने तीसरी सूची में मुख्य रूप से दक्षिण के जिलों में फोकस किया है। पार्टी ने तिरुवनंतपुरम, कोवलम, पुथुपल्ली और चवारा जैसी सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं।

पुडुचेरी में भाजपा के 9 उम्मीदवार तय

पुडुचेरी में चुनाव को लेकर राजनीतिक हलचल बढ़ी है। भाजपा ने पहली सूची जारी करते हुए 9 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं। इसमें पार्टी प्रमुख और वर्तमान गृह मंत्री ए. नमशिवायम का नाम भी शामिल है। इन्हें मान्नाडीपेट से टिकट दिया है।

जो बंगाल को निशाना बना रहे, वो जहन्नुम में जाएं

कोलकाता। ईद पर बंगाल की सीएम ममता बेनर्जी ने राजनीतिक संदेश देकर माहौल को गरम कर दिया। रेड रोड पर नमाज के बाद उन्होंने 'सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है'... से लेकर 'खुदी को कर बुलंद इतना'... तक कहा।उन्होंने साफ कहा कि 'जो लोग बंगाल को निशाना बना रहे हैं, वो जहन्नुम में जाएं'।

हापुड़ से सांसद रह चुके त्यागी ने पूर्व प्रधानमंत्री चरण के अनुयायी

पूर्व सांसद केसी त्यागी आज जयंत चौधरी के राष्ट्रीय लोकदल में हो सकते हैं शामिल

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

जदयू से इस्तीफा देने वाले पूर्व सांसद केसी त्यागी रविवार को जयंत चौधरी की पार्टी राष्ट्रीय लोकदल में शामिल हो सकते हैं। चर्चा है कि अगले साल होने वाले यूपी विधानसभा चुनाव के सियासी समीकरणों को देखते हुए त्यागी पश्चिम उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय लोकदल की ताकत में इजाफा कर सकते हैं। इलाके में त्यागी समुदाय की बड़ी तादाद है। पूर्व राज्यसभा सांसद की तरफ से जारी प्रेस वक्तव्य में कहा गया है कि 22 मार्च को दिल्ली के मावलंकर हॉल में दोपहर 12:30 बजे एक राजनीतिक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

नीतीश कुमार से रहा 50 साल पुराना संबंध

त्यागी का नीतीश कुमार से 50 सालों का पुराना संबंध रहा है और ये

पश्चिमी यूपी में बड़े प्रभावशाली नेता माने जाते हैं। अक्टूबर 2003 में त्यागी ने जेडीयू के साथ अपनी पारी की शुरुआत की लेकिन उससे पहले नीतीश कुमार से उनका जुड़ाव था। समता पार्टी और जनता दल जब मिलकर जेडीयू बनती है उस सफर में भी त्यागी साथ रहे। जेडीयू में कई अहम पदों पर जिम्मेदारी निभाई। महासचिव से लेकर मुख्य प्रवक्ता तक रहे।

पश्चिम यूपी में त्यागी वोटर्स निर्णायक भूमिका में

त्यागी पश्चिमी यूपी से आते हैं। यहां त्यागी वोटर्स का काफी प्रभाव माना जाता है। कई सीटों पर त्यागी वोटर निर्णायक भूमिका में रहता है। कई ऐसी सीटें हैं जहां पर त्यागी वोटरों की संख्या 10 फीसद के आसपास है। ऐसे में वे हार-जीत का जो अंतर है वह तय करते हैं। इसी से जयंत त्यागी को अपनी पार्टी में लाने पर सोच रहे हैं। जयंत चौधरी मौजूदा समय में अपनी पार्टी के साथ भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन में हैं।

मथुरा के गोवर्धन पर्वत की पवित्र तलहटी पहुंचीं

राष्ट्रपति ने किया पौधरोपण, 21 किमी की परिक्रमा भी की

एजेंसी ▶▶ मथुरा

यहां के गोवर्धन पर्वत की पवित्र तलहटी में राष्ट्रपति ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का महत्वपूर्ण संदेश दिया। मथुरा जनपद स्थित इस धार्मिक स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय प्रशासन, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि धार्मिक स्थलों की पवित्रता बनाए रखने के साथ-साथ उनका पर्यावरणीय संतुलन भी बेहद आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने और प्रकृति की रक्षा करने की अपील की।

धार्मिक स्थलों की पवित्रता और पर्यावरणीय संतुलन का दिया संदेश

सेवायतों ने माला-पटुका पहनाकर किया स्वागत

कुछ दूरी पैदल चलने के बाद गोल्फ गाड़ी से तय की दूरी

गोवर्धन में शनिवार को देश की राष्ट्रपति ने श्रद्धा भाव के साथ पवित्र गोवर्धन पर परिक्रमा शुरू की। पहले उन्होंने गोवर्धन महाराज की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। मंदिर सेवायतों ने राष्ट्रपति का माला और पटुका पहनाकर स्वागत किया। राष्ट्रपति ने परिक्रमा की शुरुआत कुछ दूरी पैदल चलकर की, जिसके बाद गोल्फ गाड़ी से करीब 21 किलोमीटर लंबी परिक्रमा पूरी की।

गोवर्धन पहुंचने वाली देश की पहली राष्ट्रपति

वे शनिवार को गोवर्धन पहुंचीं, जहां वे गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा कर रही हैं। द्रौपदी गोवर्धन पहुंचने वाली देश की पहली राष्ट्रपति हैं। शनिवार को दिल्ली लौटने से पहले राष्ट्रपति मुर्मु का गोवर्धन परिक्रमा का भी कार्यक्रम तय था। उन्होंने गोवर्धन पहुंचकर गोल्फ कार्ट के जरिए 7 कोस की परिक्रमा शुरू की। परिक्रमा पूरी होने के बाद वे नई दिल्ली के लिए रवाना होंगी।

सुरक्षा का रखा गया खास ध्यान

राष्ट्रपति के आगमन को लेकर पूरे क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। परिक्रमा मार्ग पर जगह-जगह पुलिस, पीएसी और खुफिया एजेंसियों के जवान तैनात हैं। मार्ग को पहले से साफ-सुथरा कर सजाया गया, वहीं श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए विशेष प्रबंध किए गए।

सोना ही नहीं, ये विकल्प भी दिला सकते हैं बेहतर रिटर्न

सोना-चांदी जैसे सुरक्षित विकल्पों के साथ-साथ वैश्विक इक्विटी, क्वालिटी डेट और वैकल्पिक निवेश को मिलाकर संतुलित रणनीति अपनाना समझदारी भरा कदम हो सकता है। निवेश का मूल मंत्र वही है अस्थिरता में अवसर तलाशें, लेकिन सोच-समझकर।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

पश्चिम एशिया में जारी ईरान-इजरायल तनाव ने वैश्विक वित्तीय बाजारों को अस्थिर कर दिया है। शेयर बाजारों में गिरावट, कच्चे तेल और कीमती धातुओं में तेजी और निवेशकों का सुरक्षित विकल्पों की ओर रुख—ये सभी संकेत बताते हैं कि भू-राजनीतिक जोखिम फिलहाल बाजार की दिशा तय कर रहा है। ऊर्जा बाजार पर सबसे बड़ा असर पड़ा है। वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा जिस होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है, वहां अनिश्चितता बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया है। इसके साथ ही सोना और चांदी में भी तेज खरीदारी देखी गई है। खाड़ी क्षेत्र के हवाई मार्ग प्रभावित होने से दुबई और दोहा जैसे प्रमुख हवाईअड्डों पर परिचालन बाधित रहा, जिससे कारोबारी गतिविधियों पर भी असर पड़ा। विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले हफ्तों में बाजार में अस्थिरता बनी रह सकती है, लेकिन घबराहट में बड़े निवेश फैसले लेना समझदारी नहीं होगी।

मध्य पूर्व संकट के बीच ऐसे बनाएं निवेश की रणनीति

■ ईरान-इजराइल संघर्ष से वैश्विक बाजार अस्थिर हुए

■ कच्चे तेल, सोने-चांदी की कीमतों में उछाल आया यूबीएस ने लंबी अवधि निवेश की सलाह दी

अस्थिर बाजार में कहां लगाएं पैसा

कीमती धातुएं
भू-राजनीतिक तनाव के दौरान सोना सुरक्षित निवेश माना जाता है। यूबीएस के मुताबिक कुल पोर्टफोलियो का छोटा हिस्सा (कुछ प्रतिशत) सोने में रखना जोखिम संतुलन में मदद कर सकता है।

ऊर्जा सेक्टर
तेल कीमतों में उछाल से ऊर्जा कंपनियों के शेयरों को फायदा मिल सकता है। हालांकि यह निवेश जोखिमपूर्ण हो सकता है, इसलिए चयन सावधानी से करें।

वैश्विक इक्विटी
अमेरिका, यूरोप, जापान, चीन और भारत जैसे बड़े बाजारों में विविध निवेश लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न दे सकता है।

क्वालिटी फिक्स्ड इनकम
उच्च गुणवत्ता वाले बॉन्ड और डेट फंड पोर्टफोलियो की अस्थिरता कम करने में मदद करते हैं।

एक्टिव कमोडिटी स्ट्रेटेजी
सक्रिय रूप से प्रबंधित कमोडिटी फंड बदलती परिस्थितियों में बेहतर अवसर पकड़ सकते हैं।

हेज फंड/वैकल्पिक निवेश
उच्च नेटवर्थ निवेशकों के लिए वैकल्पिक रणनीतियां जोखिम प्रबंधन में सहायक हो सकती हैं।

क्या करें निवेशक? घबराएं नहीं, रणनीति बदलें

यूबीएस ग्लोबल वेल्थ मैनेजमेंट के मुख्य निवेश अधिकारी मार्क हेफेले के अनुसार, इतिहास गवाह है कि ज्यादातर भू-राजनीतिक झटकों का बाजार पर असर सीमित अवधि तक ही रहता है। जैसे ही यह स्पष्ट होगा कि ऊर्जा आपूर्ति में बाधा अस्थायी है और प्रमुख तेल ढांचा सुरक्षित है, तेल की कीमतों में शुरुआती उछाल आंशिक रूप से कम हो सकता है। यूबीएस का मानना है कि ऐसे समय में पोर्टफोलियो से जोखिम पूरी तरह हटाने के बजाय उसे संतुलित और विविधतापूर्ण बनाना ज्यादा फायदेमंद रहता है। बैंक ने सलाह दी है कि निवेशक लंबी अवधि का नजरिया रखें और व्यापक इक्विटी इंडेक्स में निवेशित बने रहें।

कैसा है मार्केट का फ्यूचर?

यूबीएस का अनुमान है कि सैन्य तनाव के शुरुआती दौर में शेयर बाजार दबाव में रह सकता है, लेकिन मजबूत अमेरिकी अर्थव्यवस्था, कंपनियों की बेहतर कमाई और वैश्विक स्तर पर बढ़ते सरकारी खर्च के कारण 2026 के अंत तक बाजार में मौजूदा स्तर से करीब 10 प्रतिशत तक बढ़त संभव है। बैंक को अमेरिका के साथ-साथ यूरोप, जापान, चीन और उभरते बाजारों में भी संभावनाएं दिख रही हैं।

अगर तेल के दाम ऊंचे रहे तो?

तेल कीमतों में लंबी अवधि तक तेजी रहने से महंगाई पर दबाव बढ़ सकता है। ऐसे में केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में बढ़ोतरी पर विचार कर सकते हैं। हालांकि हाल के वर्षों में केंद्रीय बैंकों ने अस्थायी महंगाई झटकों पर सीमित प्रतिक्रिया देने का संकेत दिया है। यूबीएस का मानना है कि ऊंची तेल कीमतें उपभोक्ताओं और कंपनियों पर अतिरिक्त लागत का बोझ डालती हैं, जो कर वृद्धि जैसा असर पैदा कर सकती हैं। लेकिन तेल बाजार आमतौर पर खुद को संतुलित कर लेते हैं कीमतें बढ़ने पर आपूर्ति भी बढ़ती है। यदि कीमतों में उछाल अस्थायी रहा तो आर्थिक विकास पर बड़ा असर नहीं पड़ेगा। लेकिन अगर तेल लंबे समय तक महंगा रहा, तो तेल आयात करने वाली अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव बढ़ सकता है।

रणनीतिक धैर्य ही असली कुंजी

मध्य पूर्व में जारी तनाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है, लेकिन इतिहास बताता है कि बाजार समय के साथ खुद को संभाल लेते हैं। ऐसे दौर में घबराहट में पोर्टफोलियो बदलने के बजाय संतुलन, विविधता और लंबी अवधि का नजरिया अपनाना ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। सोना-चांदी जैसे सुरक्षित विकल्पों के साथ-साथ वैश्विक इक्विटी, क्वालिटी डेट और वैकल्पिक निवेश को मिलाकर संतुलित रणनीति अपनाना समझदारी भरा कदम हो सकता है। निवेश का मूल मंत्र वही है अस्थिरता में अवसर तलाशें, लेकिन सोच-समझकर।

आर्थिक दबाव में घबराएं नहीं, स्मार्ट प्लानिंग करें

जब आपको खर्च भारी लगने लगे तो संभालें बजट व बढ़ाएं आमदनी

छोटे बदलाव और अनुशासन पा सकते हैं फाइनेंशियल संतुलन

समझदारी
बिजनेस डेस्क

कभी न कभी हर व्यक्ति ऐसी स्थिति का सामना करता है, जब अचानक खर्च बढ़ जाते हैं या आमदनी कम हो जाती है। ऐसे समय में सबसे बड़ी चुनौती पैसों की नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन बनाए रखने की होती है। अक्सर लोग घबरा जाते हैं और बिना सोचे-समझे फैसले लेने लगते हैं, जिससे स्थिति और बिगड़ जाती है, जबकि सच्चाई यह है कि ज्यादातर आर्थिक परेशानियां अस्थायी होती हैं और सही रणनीति से इन्हें संभाला जा सकता है। सबसे पहला कदम है स्थिति को समझना। जब भी खर्च अचानक बढ़ें या आमदनी घटे, तो तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय थोड़ी देर रुकें और पूरे हालात का आकलन करें। एक कागज या मोबाइल नोट में लिखें कि किस वजह से बदलाव आया है। कितना अतिरिक्त खर्च हुआ या आमदनी कितनी घटी? जब आप इसे साफ-साफ देखेंगे, तो समस्या उतनी बड़ी नहीं लगेगी, जितनी दिमाग में लगती है।

खर्चों को कंट्रोल करें

खर्चों को कंट्रोल करने के साथ-साथ आमदनी बढ़ाने पर भी ध्यान देना चाहिए। यह जरूरी नहीं कि आप तुरंत बड़ी कमाई शुरू करें। छोटे स्तर से शुरुआत भी काफी मददगार हो सकती है। अगर आपके पास कोई स्किल है जैसे पढ़ाना, लिखना, डिजाइनिंग या कोई अन्य हुनर—तो उसे अतिरिक्त आमदनी के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। फ्रीलांस काम, पार्ट-टाइम जॉब या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए अतिरिक्त आय के मौके तलाशे जा सकते हैं। इससे न केवल आर्थिक दबाव कम होता है, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

भविष्य की तैयारी करें

जब आपकी स्थिति थोड़ी स्थिर होने लगे, तो भविष्य की तैयारी करना न भूलें। एक इमरजेंसी फंड बनाना बेहद जरूरी है। कोशिश करें कि कम से कम 3 से 6 महीने के जरूरी खर्चों जितनी राशि धीरे-धीरे बचाकर अलग रखें। यह फंड किसी भी अचानक आने वाली आर्थिक परेशानी में आपकी ढाल बन सकता है। इसके अलावा, कई लोग अपने वित्तीय प्लान में लाइफ इंश्योरेंस को भी शामिल करते हैं, ताकि किसी अनहोनी की स्थिति में परिवार सुरक्षित रहे।

जरूरी और गैर-जरूरी खर्च समझें

इसके बाद जरूरी और गैर-जरूरी खर्चों के बीच फर्क करना बेहद जरूरी है। हर महीने के खर्चों की सूची बनाएं और उन्हें दो हिस्सों में बांटें। किराया, राशन, बिजली, बच्चों की फीस जैसे खर्च अनिवार्य होते हैं, जबकि बाहर खाना, ऑनलाइन शॉपिंग या मनोरंजन जैसे खर्चों को कुछ समय के लिए टाला जा सकता है। यह छोटे-छोटे बदलाव आपके बजट पर तुरंत सकारात्मक असर डालते हैं।

नियमित समीक्षा जरूरी

एक और महत्वपूर्ण बात है नियमित समीक्षा। आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए लगातार नजर रखना जरूरी है। हर हफ्ते या महीने अपने खर्च और आमदनी की समीक्षा करें। देखें कि कहां सुधार की जरूरत है और क्या बदलाव किए जा सकते हैं। यह आदत आपको भविष्य में भी वित्तीय अनुशासन बनाए रखने में मदद करेगी। ध्यान रखें कि कोई भी आर्थिक स्थिति एक दिन में नहीं बदलती। जैसे समस्याएं धीरे-धीरे आती हैं, वैसे ही समाधान भी समय लेते हैं। इसलिए धैर्य रखना बेहद जरूरी है। छोटे-छोटे कदम ही बड़े बदलाव की ओर ले जाते हैं।

कुछ न कुछ बचत करें

हर बार जब आप एक गैर-जरूरी खर्च कम करते हैं या थोड़ी अतिरिक्त बचत करते हैं, तो आप अपने लक्ष्य के करीब पहुंचते हैं। आर्थिक उतार-चढ़ाव जीवन का हिस्सा हैं। फर्क सिर्फ इतना होता है कि कौन इन परिस्थितियों में घबराता है और कौन समझदारी से काम लेता है। अगर आप सही सोच, अनुशासन और निरंतर प्रयास बनाए रखते हैं, तो किसी भी वित्तीय संकट से बाहर निकलना संभव है।

मुश्किल समय में फाइनेंशियल मंत्र

- **पहले स्थिति समझें:** खर्च और आमदनी का स्पष्ट हिसाब रखें
- **कटौती करें:** गैर-जरूरी खर्चों को तुरंत रोकें
- **आमदनी बढ़ाएं:** छोटे-छोटे साइड इनकम ऑप्शन अपनाएं
- **इमरजेंसी फंड बनाएं:** 3–6 महीने का खर्च अलग रखें
- **नियमित समीक्षा:** हर हफ्ते बजट पर नजर रखें
- **धैर्य रखें:** धीरे-धीरे ही स्थिरता वापस आती है

समझदारी से कदम उठाएं

जब हर खर्च भारी लगने लगे, तब घबराने के बजाय समझदारी से कदम उठाना ही सबसे बड़ा समाधान है। सही योजना, छोटे बदलाव और निरंतर प्रयास से आप न सिर्फ इस दौर से बाहर निकल सकते हैं, बल्कि भविष्य के लिए खुद को और मजबूत भी बना सकते हैं।

बाजार में अस्थिरता के बीच लंपसम निवेश करना मौका या फिर जोखिम

- इस समय वैल्यूएशन 10 साल के औसत से भी नीचे पहुंची
- एक्सपर्ट्स बोले, डर नहीं, रणनीति के साथ निवेश का वक्त
- भू-राजनीतिक तनाव ने निवेशकों के भरोसे को हिलाया

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

हालिया गिरावट ने शेयर बाजार में निवेशकों की धड़कनें जरूर बढ़ा दी हैं, लेकिन बाजार के जानकार इसे खतरे के बजाय अवसर के रूप में भी देख रहे हैं। सेंसेक्स और निफ्टी-50 अपने ऐतिहासिक औसत के मुकाबले नीचे आ चुके हैं, जिससे वैल्यूएशन आकर्षक नजर आ रहे हैं। ऐसे में बड़ा सवाल यह है क्या यह एकमुश्त (लंपसम) निवेश का सही समय है? या जोखिम होगा। पिछले कुछ महीनों में बाजार में उतार-चढ़ाव तेज हुआ है। वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और आर्थिक अनिश्चितता ने निवेशकों के भरोसे को हिलाया है। लेकिन इतिहास गवाह है कि बाजार की गिरावट अक्सर लंबे समय के निवेशकों के लिए मौके लेकर आती है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा गिरावट "टाइम करेक्शन" का परिणाम है, जहां बाजार ने समय के साथ अपने वैल्यूएशन को संतुलित किया है। यही वजह है कि अब बाजार पहले की तुलना में ज्यादा "वाजिब" स्तर पर नजर आ रहा है।

वैल्यूएशन क्यों हैं आकर्षक

मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार, सेंसेक्स और निफ्टी का वन-ईयर फॉरवर्ड पीई मल्टीपल करीब 17.8 गुना तक आ चुका है, जो पिछले कुछ सालों के निचले स्तरों में से एक है। इसका सीधा मतलब है कि शेयर अब पहले के मुकाबले सस्ते मिल रहे हैं। जब बाजार अपने ऐतिहासिक औसत से नीचे ट्रेड करता है, तो लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यह एक मजबूत एंट्री पॉइंट बन सकता है।

लंपसम निवेश सही फैसला?

अगर आपका निवेश नजरिया 3 से 5 साल या उससे ज्यादा का है, तो मौजूदा स्तर पर लंपसम निवेश फायदेमंद हो सकता है। बाजार में गिरावट के समय निवेश करने का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि आपको अच्छे शेयर या फंड्स कम कीमत पर मिल जाते हैं। हालांकि, हर निवेशक के लिए एक ही रणनीति सही नहीं होती। बाजार में अभी भी अस्थिरता बनी हुई है, इसलिए पूरी रकम एक साथ लगाना जोखिम भरा हो सकता है।

बैलेंस्ड अप्रोच अपनाएं

विशेषज्ञों का सुझाव है कि निवेशकों को "स्टैगर्ड" यानी चरणबद्ध निवेश की रणनीति अपनानी चाहिए। इसका मतलब है कुछ हिस्सा अभी निवेश करें। बाकी पैसा अगले 3–6 महीनों में धीरे-धीरे लगाएं। इस तरीके से आप बाजार के उतार-चढ़ाव का फायदा उठा सकते हैं और जोखिम भी कम कर सकते हैं।

किन फंड्स में करें निवेश

- लंपसम निवेश के लिए एक्सपर्ट्स निम्न विकल्पों को बेहतर मानते हैं।
- लार्ज-कैप फंड्स: स्थिर और कम जोखिम वाले
- फ्लेक्सी-कैप फंड्स: अलग-अलग कैटेगरी में निवेश का फायदा
- मल्टी-कैप फंड्स: विविधता के साथ संतुलित रिटर्न
- मिड-कैप और स्मॉल-कैप सेगमेंट में अभी भी कुछ हिस्सों में वैल्यूएशन ऊंचे हैं, इसलिए वहां थोड़ा सतर्क रहना जरूरी है।

वैश्विक कारकों का असर

- बाजार की दिशा सिर्फ घरेलू कारकों से तय नहीं होती। अंतरराष्ट्रीय घटनाएं भी इसमें बड़ी भूमिका निभाती हैं। कच्चे तेल की कीमतें, वैश्विक युद्ध जैसी स्थितियां और आर्थिक नीतियां—ये सभी बाजार में अस्थिरता बढ़ा सकती हैं।
- ऐसे में निवेशकों को जल्दबाजी में फैसले लेने से बचना चाहिए और लंबी अवधि के नजरिए के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

निवेश से पहले रखें ध्यान?

- अपनी जोखिम क्षमता को समझें
- निवेश का समय कम से कम 3–5 साल रखें
- एकमुश्त निवेश के साथ एसआईपी या एसटीपी का मिश्रण अपनाएं
- घबराकर बाजार से बाहर निकलने की गलती न करें

लंपसम निवेश के फायदे

- गिरावट में सस्ते दाम पर निवेश
- लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न की संभावना
- कंपाउंडिंग का अधिक फायदा

सावधानियां

- बाजार की अस्थिरता का जोखिम
- गलत समय पर पूरी रकम लगाने का खतरा
- मिड और स्मॉल कैप में सतर्कता जरूरी

ऐसी हो स्मार्ट निवेश रणनीति

- 30–40% राशि अभी लगाएं
- बाकी को एसटीपी के जरिए धीरे-धीरे निवेश करें
- लार्ज और फ्लेक्सी कैप फंड्स पर फोकस रखें
- लंबी अवधि के लक्ष्य तय करें
- बाजार की खबरों से घबराएं नहीं

गिरावट सुनहरा अवसर भी

शेयर बाजार की मौजूदा गिरावट डराने वाली जरूर है, लेकिन समझदार निवेशकों के लिए यह एक सुनहरा अवसर भी हो सकती है। लंपसम निवेश फायदेमंद साबित हो सकता है, बशर्ते आप इसे सही रणनीति और धैर्य के साथ करें। याद रखें। बाजार में असली कमाई टाइमिंग से नहीं, बल्कि समय देने से होती है।

पैसा बचाने से लेकर निवेश तक, अपनाएं ये स्मार्ट स्टेप्स

सुझाव
बिजनेस डेस्क

हर व्यक्ति चाहता है कि उसके पास पर्याप्त पैसा हो और भविष्य आर्थिक रूप से सुरक्षित रहे। लेकिन सच्चाई यह है कि केवल ज्यादा कमाना ही अमीर बनने का रास्ता नहीं है। असली फर्क इस बात से पड़ता है कि आप अपनी कमाई को कैसे संभालते हैं—कितना बचाते हैं और कहां निवेश करते हैं। सही रणनीति और अनुशासन के साथ कोई भी व्यक्ति धीरे-धीरे एक मजबूत फाइनेंशियल फाउंडेशन तैयार कर सकता है। यहां हम आपको ऐसे 8 आसान लेकिन असरदार स्टेप्स बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप न सिर्फ बचत बढ़ा सकते हैं, बल्कि समझदारी से निवेश कर भविष्य के लिए बड़ा फंड भी तैयार कर सकते हैं।

1. सबसे पहले लक्ष्य तय करें
बचत और निवेश की शुरुआत हमेशा एक स्पष्ट लक्ष्य से होनी चाहिए। सोचिए कि आपको पैसा किसलिए चाहिए—रिटायरमेंट, बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना या आर्थिक स्वतंत्रता? जब आपका लक्ष्य तय होता है, तो आपकी बचत और निवेश को दिशा मिलती है। हर रुपये का उपयोग सोच-समझकर होता है और अनावश्यक खर्च अपने आप कम होने लगते हैं।

2. बजट बनाएं और खर्च नियंत्रित करें
हर महीने अपनी आय और खर्च का हिसाब रखें। इसके लिए आप 50-30-20 नियम अपना सकते हैं। इसमें 50% जरूरी खर्च (राशन, किराया, बिल), 30% इच्छाएं और 20% बचत और निवेश के लिए रख सकते हैं। यह तरीका आपको अनुशासित बनाता है और धीरे-धीरे आपकी बचत बढ़ने लगती है।

3. एसआईपी से निवेश की शुरुआत करें
सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी हर महीने एक निश्चित राशि म्यूचुअल फंड में निवेश करना। यह निवेश का सबसे आसान और प्रभावी तरीका है। कोशिश करें कि सैलरी आते ही एसआईपी ऑटोमैटिक कट जाए।

4. लंबी अवधि के लिए सुरक्षित निवेश चुनें
एसआईपी के साथ-साथ लंबी अवधि के निवेश भी जरूरी हैं। इसके लिए आप पब्लिक प्रोविडेंट फंड, कर्मचारी भविष्य निधि और नेशनल पेंशन सिस्टम जैसी योजनाओं में निवेश कर सकते हैं। ये योजनाएं आपको रिटायरमेंट के लिए एक मजबूत फंड बनाने में मदद करती हैं और टैक्स बचत का फायदा भी देती हैं।

5. सिर्फ एफडी पर निर्भर न रहें
फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी सुरक्षित जरूर है, लेकिन महंगाई को मात देने के लिए यह पर्याप्त नहीं है। इसलिए अपने पोर्टफोलियो में इक्विटी म्यूचुअल फंड और इंडेक्स फंड भी शामिल करें। इससे आपको लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ती है।

6. कर्ज को प्राथमिकता से खत्म करें
अगर आपके ऊपर कोई लोन या क्रेडिट कार्ड का बकाया है, तो उसे जल्द से जल्द खत्म करने की कोशिश करें। कर्ज पर दिया जाने वाला ब्याज आपकी बचत को कम करता है। कर्ज से मुक्ति एक तरह की "गारंटीड बचत" होती है, क्योंकि इससे आपका पैसा बेवजह खर्च होने से बचता है।

7. इंश्योरेंस से सुरक्षा सुनिश्चित करें
आपकी मेहनत से बनाई गई बचत और निवेश को सुरक्षित रखना भी उतना ही जरूरी है। इसके लिए हेल्थ इंश्योरेंस, टर्म इंश्योरेंस जरूर लें। इससे किसी आपात स्थिति में आपकी आर्थिक स्थिति पर बड़ा असर नहीं पड़ता।

8. नियमित समीक्षा करें
हर साल अपने निवेश की समीक्षा करें। देखें कि कौन सा निवेश अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और कहां बदलाव की जरूरत है।साथ ही अपनी आय बढ़ाने पर भी ध्यान दें। नई स्किल सीखें, बेहतर अवसर तलाशें और वित्तीय ज्ञान बढ़ाएं। टैक्स बचाने के लिए आयकर की धारा 80सी जैसे विकल्पों का भी सही उपयोग करें।

जल्दी पैसा इकट्ठा करने के टिप्स
-सैलरी आते ही पहले बचत, बाद में खर्च
-छोटी-छोटी बचत को नजरअंदाज न करें
-लंबी अवधि तक निवेश जारी रखें
-बाजार गिरने पर घबराएं नहीं

पैसा जमा करना आदतों का खेल
पैसा जमा करना कोई जादू नहीं, बल्कि आदतों का खेल है। अगर आप सही समय पर सही कदम उठाते हैं, तो छोटी-छोटी बचत भी बड़े फंड में बदल सकती है। याद रखें अनुशासन, धैर्य और सही निवेश ही अमीरी की असली चाबी हैं।

निवेश के लिए फ्लेक्सीकैप, मल्टी-एसेट फंड व गोल्ड-सिल्वर ईटीएफ में रहेगा बेहतर संतुलन

म्यूचुअल फंड में दमदार रिटर्न के लिए बनाएं मल्टी-एसेट की रणनीति

योजना
बिजनेस डेस्क

नया वित्त वर्ष वित्त 27 करीब है और निवेशकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है। इस अनिश्चित बाजार में पैसा कहां लगाया जाए? पिछले 18 महीनों में इक्विटी बाजार ने कभी तेज रफ्तार पकड़ी, तो कभी अचानक ब्रेक लगा दिए। ऐसे में अब एक्सपर्ट्स साफ कह रहे हैं कि सिंगल स्ट्रैटेजी का दौर खत्म हो चुका है। अब समय है मल्टी-एसेट अप्रोच अपनाने का, जिससे न सिर्फ बेहतर रिटर्न मिल सकता है, बल्कि जोखिम भी नियंत्रित रखा जा सकता है। निवेशक इस उलझन में हैं कि बाजार की मौजूदा स्थिति में अपना पैसा कहां लगाएं। बाजार विशेषज्ञों ने निवेशकों को एक मल्टी-एसेट रणनीति अपनाने की सलाह दी है। विशेषज्ञों के मुताबिक, वित्त वर्ष 27 में बेहतर रिटर्न और जोखिम कम करने के लिए फ्लेक्सीकैप, मल्टीकैप और गोल्ड-सिल्वर ईटीएफ का मिश्रण एक समझदारी भरा फैसला साबित हो सकता है।

क्यों जरूरी है मल्टी-एसेट रणनीति

बाजार के उतार-चढ़ाव ने यह साफ कर दिया है कि केवल इक्विटी पर निर्भर रहना जोखिम भरा हो सकता है। जब शेयर बाजार गिरता है, तो पूरा पोर्टफोलियो प्रभावित होता है। ऐसे में अलग-अलग एसेट क्लास, इक्विटी, डेट और कमोडिटी-का संतुलन जरूरी हो जाता है। मल्टी-एसेट रणनीति का मूल सिद्धांत यही है। "सभी अंडे एक ही टोकरी में न रखें।

फ्लेक्सीकैप और मल्टीकैप फंड

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, वित्त वर्ष 27 के लिए फ्लेक्सीकैप और मल्टीकैप फंड सबसे मजबूत आधार साबित हो सकते हैं। इन फंड्स की खासियत यह है कि फंड मैनेजर बाजार की स्थिति के हिसाब से लार्ज, मिड और स्मॉल-कैप स्टॉक्स में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। इसका फायदा यह होता है कि जब बाजार में किसी एक सेगमेंट में गिरावट आती है, तो दूसरा सेगमेंट पोर्टफोलियो को संतुलित रखता है। विशेषज्ञों का मानना है कि पोर्टफोलियो का बड़ा हिस्सा लार्ज-कैप ओरिएंटेड फंड्स में होना चाहिए, क्योंकि ये अपेक्षाकृत स्थिर और कम जोखिम वाले होते हैं।

मिड और स्मॉल-कैप में क्यों जरूरी है सतर्कता

हालांकि मिड और स्मॉल-कैप सेगमेंट में रिटर्न की संभावनाएं ज्यादा होती हैं, लेकिन जोखिम भी उतना ही अधिक होता है। हाल के समय में इन सेगमेंट्स में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। एक्सपर्ट्स की सलाह है कि इन फंड्स में सीमित निवेश करें। लंबी अवधि (5 साल या उससे ज्यादा) का नजरिया रखें। एकमुश्त बड़ी राशि लगाने से बचें। यानी "हाई रिटर्न" के लालच में जोखिम को नजरअंदाज करना नुकसानदायक हो सकता है।

गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ

वैश्विक अनिश्चितताओं जैसे युद्ध, महंगाई या आर्थिक संकट के दौर में सोना हमेशा एक सुरक्षित निवेश माना गया है। सोना पोर्टफोलियो को स्थिरता देता है, जबकि चांदी में ग्रोथ की संभावना अधिक होती है। एक्सपर्ट्स का सुझाव है कि कुल पोर्टफोलियो का करीब 10% हिस्सा गोल्ड या सिल्वर ईटीएफ में जरूर होना चाहिए।

हाइब्रिड और मल्टी-एसेट फंड

जो निवेशक ज्यादा जोखिम नहीं लेना चाहते, उनके लिए हाइब्रिड और मल्टी-एसेट फंड बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं। ये फंड इक्विटी (शेयर बाजार), डेट (बॉन्ड्स), गोल्ड अच्छे विकल्प हैं। इससे अगर एक एसेट क्लास कमजोर पड़ता है, तो दूसरा उसे संभाल लेता है। यही कारण है कि ऐसे फंड्स को "ऑटोमैटिक बैलेंसिंग टूल" भी कहा जाता है।

कैसे बनाएं स्मार्ट पोर्टफोलियो?

- 50–60%: फ्लेक्सीकैप/लार्ज-कैप/मल्टीकैप फंड
- 10–20%: मिड और स्मॉल-कैप (सीमित निवेश)
- 10%: गोल्ड/सिल्वर ईटीएफ
- 10–20%: हाइब्रिड या डेट फंड

निवेशकों के लिए जरूरी सीख

निवेश की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि आप कितना "डाइवर्सिफाइड" पोर्टफोलियो बनाते हैं। सिर्फ रिटर्न के पीछे भागने के बजाय जोखिम प्रबंधन पर भी उतना ही ध्यान देना होगा। बाजार हमेशा एक दिशा में नहीं चलता। हर गिरावट एक अवसर भी हो सकती है। धैर्य और अनुशासन सबसे बड़ी ताकत हैं।

मल्टी-एसेट मंत्र

- **डाइवर्सिफिकेशन जरूरी:** कभी भी निवेश के लिए एक ही एसेट पर निर्भर न रहें
- **फ्लेक्सीकैप को प्राथमिकता:** बाजार के हिसाब से बदलाव की सुविधा
- **मिड-स्मॉल कैप में सावधानी:** सीमित और लंबी अवधि का निवेश
- **गोल्ड ईटीएफ जरूर रखें :** अनिश्चितता में सुरक्षा
- **हाइब्रिड फंड अपनाएं:** जोखिम और रिटर्न का संतुलन बहुत जरूरी
- **नियमित समीक्षा:** हर 6–12 महीने में अपने बनाए हुए पोर्टफोलियो को जरूर जांचें

क्या करें

- लक्ष्य आधारित निवेश करें
- एसआईपी और लंपसम का मिश्रण अपनाएं
- लंबी अवधि का नजरिया रखें

क्या न करें

- बाजार गिरने पर घबराकर निवेश बंद न करें
- एक ही सेगमेंट में ज्यादा पैसा न लगाएं
- शॉर्ट-टर्म रिटर्न के चक्कर में जोखिम न बढ़ाएं

संतुलन ही सफलता है।

फ्लेक्सीकैप, मल्टी-एसेट फंड और गोल्ड-सिल्वर ईटीएफ का सही मिश्रण न सिर्फ आपके पोर्टफोलियो को सुरक्षित रखेगा, बल्कि लंबे समय में बेहतर रिटर्न की राह भी बनाएगा। याद रखें, बाजार का उतार-चढ़ाव कभी खत्म नहीं होगा, लेकिन सही रणनीति के साथ आप हर दौर में अपने निवेश को मजबूत बना सकते हैं।

पुरुष वर्ग में सोनीपत और महिला में गुरुग्राम बना चैंपियन

चौथी यूथ पुरुष व महिला हरियाणा स्टेट बॉक्सिंग प्रतियोगिता

मुक्केबाजों ने रिंग में जबरदस्त ताकत, तकनीक और संयम का परिचय दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

चौथी यूथ पुरुष व महिला हरियाणा स्टेट बॉक्सिंग प्रतियोगिता का शनिवार को समापन हुआ। शनिवार को शानदार फाइनल मुकाबले खेले गए। फाइनल मुकाबलों में रोमांच चरम पर रहा। अलग-अलग जिलों से आए युवा मुक्केबाजों ने रिंग में जबरदस्त ताकत, तकनीक और संयम का परिचय दिया। पुरुष वर्ग में 24 प्वाइंट के साथ सोनीपत चैंपियन रहा और 22 प्वाइंट के साथ रोहतक रनरअप रहा। महिला वर्ग में 25 प्वाइंट के साथ गुरुग्राम चैंपियन और 18 प्वाइंट के साथ साई एच रनरअप। प्रतियोगिता महम बॉक्सिंग क्लब में आयोजित की गई।

हरियाणा की धरती मुक्केबाजी की नर्सरीः मेजर सत्यपाल सिंधु

हरियाणा बॉक्सिंग संघ अध्यक्ष मेजर सत्यपाल सिंधु ने खिलाड़ियों के जज्बे और अनुशासन की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि हरियाणा की धरती मुक्केबाजी की नर्सरी है। इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने जिस तकनीक और दमखम का प्रदर्शन किया है, वह यह दर्शाता है कि हमारे युवा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने मुक्केबाजों को जीत की बधाई देने के साथ-साथ हारने वाले खिलाड़ियों का भी हौसला बढ़ाया। उन्होंने विश्वास दिलाया कि हरियाणा बॉक्सिंग संघ खिलाड़ियों को बेहतरीन सुविधाएं, उच्च स्तरीय कोचिंग और सही मंच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

महिला वर्ग के विजेता

▶▶ 45-48 किलोग्राम भार वर्ग में साईं एच की गुंजन ने स्वर्ण पदक, हिसार की जिया ने रजत पदक और जींद की सिमरन व कैथल की निष्ठा तंवर ने कांस्य पदक जीते।

▶▶ 48-51 किलोग्राम में गुरुग्राम की कशिश मलिक ने स्वर्ण पदक, सोनीपत की रिद्धिमा ने रजत पदक, और पंचकूला की ज्योति व रोहतक की सिमरन ने कांस्य पदक जीते।

▶▶ 51-54 किलोग्राम में कैथल की जन्नत ने स्वर्ण पदक, कुरुक्षेत्र की महक ने रजत पदक, और जींद की ज्योति व हिसार की हिमानी पंवार ने कांस्य पदक प्राप्त किए।

▶▶ 54-57 किलोग्राम में गुरुग्राम की कंचन ने स्वर्ण पदक, झज्जर की तनीषा जांगड़ा ने रजत पदक, और भिवानी की चेष्टा व कैथल की पायल ने कांस्य पदक जीते।

▶▶ 57-60 किलोग्राम में फरीदाबाद की चाहत ने स्वर्ण पदक, सिरसा की समयरा ने रजत पदक और रोहतक की श्रुति व गुरुग्राम की कंचन ने कांस्य पदक जीते।

▶▶ 60-65 किलोग्राम में गुरुग्राम की वंशिका ने स्वर्ण पदक, रेवाड़ी की इवा यादव ने रजत पदक, और करनाल की निकिता डांगी व यमुनानगर की यशिका ने कांस्य पदक जीते।

▶▶ 65-70 किलोग्राम में सोनीपत की हंशिका ने स्वर्ण पदक, रेवाड़ी की पलचिन ने रजत पदक, और झज्जर की तेजस्वी व फरीदाबाद की मंशा ने कांस्य पदक जीते।

▶▶ 70-75 किलोग्राम में चरखी दादरी की अंशिका ने स्वर्ण पदक, साईं एच की सानिया ने रजत पदक, और गुरुग्राम की कोमल व भिवानी की रुचि ने कांस्य पदक जीते।

▶▶ 75-80 किलोग्राम में साईं एच की मेघा ने स्वर्ण पदक, झज्जर की शगुन ने रजत पदक, और हिसार की मुस्कान व भिवानी की भावना ने कांस्य पदक जीते।

▶▶ 80 से ज्यादा किलोग्राम में झज्जर की खनक ने स्वर्ण पदक, कैथल की अंतिम ने रजत पदक और जींद की सकीना ने कांस्य पदक जीता।

पुरुष वर्ग के विजेता

▶▶ 47-50 किलोग्राम में चरखी दादरी के दीपांशु ने स्वर्ण पदक, रोहतक के अर्णव दहिया ने रजत पदक, और साईं एच के विनीत कुमार व जींद के साहिल ने कांस्य पदक जीते।

▶▶ 50-55 किलोग्राम में रोहतक के आदित्य ने स्वर्ण पदक, पानीपत के शुभम ने रजत पदक, और रेवाड़ी के जतिन व जींद के अभिनव ने कांस्य पदक जीते।

▶▶ 55-60 किलोग्राम में साईं बी के सिकंदर ने स्वर्ण पदक, साईं एच के साहिल मोर ने रजत पदक और सोनीपत के करण मलिक व गुरुग्राम के मोहित ने कांस्य पदक प्राप्त किए।

▶▶ 60-65 किलोग्राम में सोनीपत के ध्रुव ने स्वर्ण पदक, कैथल के योगेश ढांडा ने रजत पदक, और रोहतक के गौरव व भिवानी के अभि ने कांस्य पदक जीते।

▶▶ 65-70 किलोग्राम में साईं एच के वैभव ने स्वर्ण पदक, झज्जर के दीक्षित ने रजत पदक, और जींद के जहां व कुरुक्षेत्र के प्रितम ने कांस्य पदक जीते।

▶▶ 70-75 किलोग्राम में भिवानी के भव्य ने स्वर्ण पदक, रोहतक के हनी ने रजत पदक, और गुरुग्राम के कुणाल व चरखी दादरी के सूरज भारद्वाज ने कांस्य पदक जीते।

▶▶ 75-80 किलोग्राम में मेवात के लोकेश ने स्वर्ण पदक, जींद के शिवम कुंडू ने रजत पदक, और सिरसा के परमीत देशवाल व अंबाला के जतिन ने कांस्य पदक प्राप्त किए।

▶▶ 80-85 किलोग्राम में रोहतक के अवलोक धनखड़ ने स्वर्ण पदक, पंचकूला के सौरव ने रजत पदक और यमुनानगर के अमन व गुरुग्राम के लकी ने कांस्य पदक जीते।

▶▶ 85-90 किलोग्राम में साईं बी के हनी ने स्वर्ण पदक, हिसार के देवांश ने रजत पदक और गुरुग्राम के अंशुल कादियान व रोहतक के वंश ने कांस्य पदक जीते।

▶▶ 90 से ज्यादा किलोग्राम में सोनीपत के आयुष ने स्वर्ण पदक, चरखी दादरी के राहुल कुमार ने रजत पदक, और जींद के अभिमन्यु व कैथल के दिपेश ने कांस्य पदक जीते।

खबर संक्षेप

50 मीटर फ्रीस्टाइल में मैकएवॉय ने तोड़ा विश्व रिकॉर्ड

शेनजेन। ओलंपिक और विश्व चैंपियन तैराक कैमरन मैकएवॉय ने पुरुषों की 50 मीटर फ्रीस्टाइल में 17 साल पुराना विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया है। ऑस्ट्रेलिया के 31 वर्षीय खिलाड़ी ने शेन्ज़ेन में चाइना ओपन में 20.88 सेकंड का समय दर्ज किया, जो ब्राजील के खिलाड़ी सेसार सिएलो के पिछले रिकॉर्ड से 0.03 सेकंड कम है। सिएलो ने 2009 में तैराकी के तथाकथित 'सुपर सूट' युग के दौरान 20.91 सेकंड का विश्व रिकॉर्ड बनाया था। बाद में इस तरह की प्रतियोगिताओं को बंद कर दिया गया था। इन प्रतियोगिता में खिलाड़ी की क्षमता बढ़ाई जाती थी, जिसके कारण 2009 में लगभग 150 विश्व रिकॉर्ड टूट गए थे। इस तरह की प्रतियोगिताओं पर 2010 में पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया था।

आईएसएलः चेन्नईयिन एफसी और एफसी गोवा में मुकाबला आज

चेन्नई। चेन्नईयिन एफसी रविवार को इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के अपने पहले घरेलू मैच में चौथे स्थान पर काबिज एफसी गोवा के खिलाफ जीत की लय को जारी रखना चाहेगा। चेन्नईयिन की टीम प्रतिद्वंद्वी केरला ब्लास्टर्स एफसी के खिलाफ मिली जीत की लय को बरकरार रखना चाहेगी। इमरान खान के पहले गोल ने चेन्नईयिन को इस सत्र की पहली जीत दिलाई थी। क्लब के मुख्य कोच क्लाईफोर्ड मिरांडा ने कहा, ' मैं अपनी रणनीति का खुलासा नहीं करूंगा, लेकिन हम एक टीम और एक समूह के तौर पर प्रतिद्वंद्वी को रोकने की कोशिश करते हैं।'

आईपीएल : 28 मार्च को चिन्नास्वामी स्टेडियम पर भिड़ेंगे आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद

कोहली ने साथी खिलाड़ियों को दिया गुरु मंत्र, कहा– 'एक भी मिनट बर्बाद न करें'

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

करिश्माई बल्लेबाज विराट कोहली ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के अपने साथी खिलाड़ियों से 'स्विच आन' करने का आग्रह किया और कहा कि आईपीएल खिताब बरकरार रखने की तैयारी में अब उन्हें अभ्यास सत्र का एक मिनट भी बर्बाद नहीं करना है। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर पहले अभ्यास सत्र के दौरान कोहली ने कहा कि उसी जज्बे को बरकरार रखना है, जिसके दम पर उन्होंने पिछले साल खिताब जीता था। कोहली ने कहा,' हमने पिछले दो तीन सत्र में काफी मेहनत की है, जिसके दम पर पिछले साल यह उपलब्धि हासिल कर सके। अब रास्ता और कठिन होगा क्योंकि बाकी टीमें भी पूरी चुनौती देंगी।' आरसीबी को 28 मार्च को चिन्नास्वामी स्टेडियम पर पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से खेलना है ।

हमें आगे रहना है तो स्विच आन करो : कोहली

कोहली ने कहा, ' हमें समय बर्बाद नहीं करना है। हमें आगे रहना है तो स्विच आन कर लीजिए। किसी भी सत्र का एक मिनट भी व्यर्थ नहीं करना है। हमें अगले ढाई महीने में अपना 120 प्रतिशत देना होगा।' आरसीबी ने टीम में वेंकटेश अय्यर, मंगेश यादव, जोर्डन कॉक्स, विकी ओस्तवाल और सात्विक देसवाल को शामिल किया है।

हमारी टीम बेहतर : कोच एंडी फ्लावर

मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने कहा, 'नीलामी काफी रोचक थी और हमारी टीम बेहतर हुई है। हमने कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों को लिया है। विराट और रजत की अगुवाई में स्थापित खिलाड़ियों के साथ उन्हें आरसीबी का हिस्सा बनाना रोमांचक होगा।' उन्होंने यह भी कहा, 'इस साल बात अलग होगी क्योंकि अब हम खिताब जीत चुके हैं। आरसीबी के सभी प्रशंसकों के लिए यह गर्व की बात है। लेकिन अब पिछला सत्र बीत गया है और नई चुनौती सामने है। यह काफी रोमांचक है और हम आईपीएल जीतने आए हैं।' विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने कहा, ' सभी एक दूसरे से मिलकर बहुत खुश हैं। सभी कोचों से फिर मिलकर और अभ्यास करके बहुत अच्छा लग रहा है।'

आकाशदीप पीठ की चोट के कारण आईपीएल से बाहर

कोलकाता। चोटिल खिलाड़ियों की समस्या से जूझ रहे कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को तब एक और झटका लगा जब उसके प्रमुख तेज गेंदबाज आकाशदीप पीठ के निचले हिस्से में दर्द के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से बाहर हो गए।

आकाशदीप कम से कम आठ सप्ताह तक नहीं खेल पाएंगे, जिससे दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज का जून की शुरुआत में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच में खेलना भी संदिग्ध है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, 'आकाशदीप की पीठ के निचले हिस्से में दर्द फिर से उबर गया है और उन्हें ठीक होने में आठ से 12 सप्ताह तक लग सकते हैं। वह आईपीएल में नहीं खेल पाएंगे और उनका अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच में खेलना भी संदिग्ध है।' इस 29 वर्षीय गेंदबाज ने अपना आखिरी मैच जम्मू कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के रूप में खेला था। तब वह पूरी तरह से फिट नहीं दिख रहे थे। उन्होंने पहली पारी में केवल 13 ओवर और दूसरी पारी में सात से कम ओवर फेंके थे। तब से वह बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं और उन्होंने बुधवार से यहां शुरू हुए केकेआर के अभ्यास शिविर में हिस्सा नहीं लिया।

ओलंपिक में स्क्वाश का पदार्पण ऐतिहासिक : घोषाल

नई दिल्ली। भारत के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सौरव घोषाल ने 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में स्क्वाश को शामिल किए जाने को ऐतिहासिक पल बताते हुए कहा कि खेल के विकास के लिए बेहतर कोचिंग और 'इकोसिस्टम' को मजबूत बनाने की जरूरत है।

हाल ही में विश्व प्रीमियर स्क्वाश के खेल कमिश्नर नियुक्त किए गए घोषाल ने कहा,' मैं खुशकिस्मत रहा हूं कि मैंने भारत के लिए 20 साल से ज्यादा पेशेवर स्क्वाश खेला है। यह उस सारे अनुभव को साथ लाने का दौर है और मुझे खुशी है कि वैश्विक स्तर पर योगदान दे पा रहा हूं।' उन्होंने कहा,' मैंने दबाव के हालात को हमेशा मौके की तरह देखा है। यह खेल के लिए कुछ खास करने का मौका है।' स्क्वाश में भारत के बढते ग्राफ के बारे में घोषाल ने कहा,' ताकत आंकड़ों में दिखती है। ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ी खेलेंगे तो चैम्पियन निकलेंगे। भविष्य भी उज्वल दिख रहा है।'

राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हरियाणा पदक तालिका में शीर्ष पर

भुवनेश्वर। हरियाणा ने 17 से 21 मार्च तक यहां आयोजित 24वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 95 पदक जीतकर तालिका में पहला स्थान हासिल किया। हरियाणा ने 39 स्वर्ण, 31 रजत और 25 कांस्य पदक जीते। तमिलनाडु कुल 51 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा जिसमें 14 स्वर्ण, 20 रजत और 17 कांस्य पदक शामिल थे। गुजरात ने 14 स्वर्ण, 11 रजत और पांच कांस्य से 30 पदक जीतकर तीसरा स्थान हासिल किया।

- **95 पदक जीते, इनमें 39 स्वर्ण, 31 रजत और 25 कांस्य पदक**

मेजबान राज्य ओडिशा कुल 17 पदकों के साथ नौवें स्थान पर रहा जिसमें पांच स्वर्ण पदक शामिल थे। इस प्रतियोगिता में 28 राज्यों के साथ सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और सेना खेल नियंत्रण कंट्रोल बोर्ड (एसएससीबी) की टीमों का प्रतिनिधित्व करते हुए कुल 1,460 पैरा एथलीटों ने हिस्सा लिया। पुरुषों की चक्का फेंक एफ11 स्पर्धा में हरियाणा के मोनू घांगस ने 35.05 मी के थ्रो से स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने राजस्थान के प्रवीण शर्मा (33.69) और आंध्र प्रदेश के नीलम संजय रेड्डी (31.34) को पीछे छोड़ा। पुरुषों की चक्का फेंक एफ51–एफ52–एफ53 स्पर्धा में, उत्तर प्रदेश के राम रतन सिंह ने 11.98मी की थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता; उनके बाद हरियाणा के प्रणव सूरमा (10.97मी) और धरमबीर (9.61मी) रहे।

बीसीसीआई का बड़ा ऐलान, आयरलैंड में भिड़ेगी टीम इंडिया, तारीखें तय

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम इंडिया के आयरलैंड दौरे का शेड्यूल शनिवार को जारी कर दिया। भारतीय टीम 2 टी20 मैचों के लिए जून 2026 में आयरलैंड का दौरा करेगी। बीसीसीआई की ओर से जारी शेड्यूल के मुताबिक, भारतीय टीम 26 जून और 28 जून को पहला और दूसरा टी20 मुकाबला खेलेगी। दोनों मुकाबले बेलफास्ट में खेले जाएंगे। भारतीय क्रिकेट टीम का हाल के कुछ वर्षों में आयरलैंड का यह चौथा दौरा होगा। टीम इंडिया 2018, 2022 और 2023 में भी आयरलैंड के दौरे पर गई थी। वहीं, भारतीय टीम 2007 के बाद पहली बार बेलफास्ट में खेलेगी। आयरलैंड क्रिकेट टीम और आयरलैंड क्रिकेट फैंस को भारतीय टीम के दौरे का हमेशा से इंतजार रहता है। भारतीय टीम को लेकर वहां के फैंस के बीच उत्साह रहता है। बीसीसीआई आयरलैंड दौरे पर युवा खिलाड़ियों की टीम भेजती रही है। देखना होगा कि आगामी दौरे पर सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली वो टीम आयरलैंड जाती है, जिसने विश्व कप जीता था, या किसी दूसरे खिलाड़ी की कप्तानी में युवा टीम भेजती है।

महिला एशियाई कप पर जापान का कब्जा

सिडनी। माइका हमानो के पहले हाफ में किए गए गोल की बदौलत जापान ने मेजबान ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से हराकर महिला एशियाई कप का खिताब जीत लिया। हमानो चेल्सी से 'लोन' पर टोटेनहम के लिए खेलती हैं। इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने 17वें मिनट में बाएं ओर से मिले पास पर पेनल्टी क्षेत्र के बाहर से जोरदार शॉट लगाया। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी 10 मिनट में बराबरी के लिए पूरा दबाव बनाया, लेकिन जापान की मजबूत रक्षा पंक्ति ने उन्हें लगातार रोके रखा।

टेबल टेनिस

मानव और यशस्विनी ने जीता राष्ट्रीय टेबल टेनिस का खिताब

एजेंसी ▶▶ इंदौर

पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड (पीएसपीबी) के मानव ठक्कर और यशस्विनी घोरपड़े ने सीनियर राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप में अपना पहला एकल खिताब जीता। पुरुषों के फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त मानव ने अपेक्षानुरुप प्रदर्शन करते हुए रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) के जीत चंद्र पर 4-1 (11-2 11-4 6-11 11-9 11-3) की शानदार जीत हासिल की। इसके विपरीत महिला एकल के फाइनल में काफी कड़ा मुकाबला देखने को मिला तथा आखिर तक रोमांच बन रहा। आखिर में यशस्विनी ने अपना नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज करा लिया। उन्होंने फाइनल में पीएसपीबी की युवा खिलाड़ी सिंड्रेला दास पर 4-3 (11-6,12-14,11-5,9-11, 13-11, 6-11, 11-8) से जीत हासिल करके खिताब अपने नाम किया।

डी विश्व ट्रॉफी से सम्मानित दिव्यांशी

मिश्रित युगल फाइनल में अंकुर भट्टाचार्जी (पश्चिम बंगाल) और सुहाना सैनी (हरियाणा) ने अनिकेत बोस और सम्प्रीति रॉय की पश्चिम बंगाल की जोड़ी को पांच गेम के रोमांचक मुकाबले में 3-2 (11-9 11-7 9-11 13-15 12-10) से हराया। इस बीच दिव्यांशी भौमिक को सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करने वाले युवा खिलाड़ी को दिए जाने वाले डी विश्व ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। उन्होंने क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया और शुक्रवार को खेले गए एक कड़े मुकाबले में पिछली बार की चैंपियन दीया चिताले के सामने कड़ी चुनौती पेश की। दिव्यांशी ने एशियाई युवा चैंपियनशिप में अंडर-15 एकल में स्वर्ण पदक जीता था। इसके अलावा उन्होंने पिछले साल आईटीटीएफ युवा विश्व चैंपियनशिप में अंडर-19 का खिताब भी अपने नाम किया था।

विंबलडन में 'वीडियो रिव्यू सिस्टम' की शुरुआत

लंदन। विंबलडन चैंपियनशिप 2026 का आयोजन 29 जून से 12 जुलाई के बीच होगा। ऑल-इंग्लैंड लॉन टेनिस क्लब (एईएलटीसी) ने पुष्टि की है कि इस सीजन में पहली बार टूर्नामेंट में एक नया वीडियो रिव्यू सिस्टम (वीएआर) पेश किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित ग्रास कोर्ट टूर्नामेंट में वीएआर के टेनिस वर्जन का इस्तेमाल किया जाएगा, जो ग्रैंड स्लैम में छह कोर्ट पर खेलने वाले खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध होगा।

ऊपर वाले से मिला वरदान
मेरे पास है हर समाधान
करो प्रेमिका / पति मुट्ठी में
जो व्यक्ति वास्तव में परेशान है, वो ही फोन करें।
रजि.
गुरु कबीर जी
की जुबान पत्थर की लकीर है।
आपकी हर समस्या का समाधान
जैसेः- शादी, कारोबार, पढ़ाई में रुकावट, सास बहु, मिया बीवी में अनबन, सौतन, दुश्मन नाश, ग्रह क्लेश, बेटा / बेटी / पति - पत्नी किसी के वश में कहना न मानता हो, पशु, फसल में नुकसान, कोर्ट-कचहरी मुकदमा जैसी सभी समस्याओं का गारन्टीड समाधान। पाँच मिनट में समाधान
एक फोन करो समाधान पाओ
9711428545
स्पेशलिस्ट : वशीकरण, मनचाहा प्यार

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF
Sh. Narender Singh
Additional District and Sessions Judge, Sonipat
KRISHAN KUMAR GDR NO. 13/2021
P.S.-MOOHANA
Vs.
VIKRAM DL4CS5946
CNR No. HRSO01-005552-2022
Next Date : 24.04.2026

It is, therefore, prayed that in view of the above mentioned facts, circumstances and submissions made by the petitioner/ Claimant, The Tribunal may kindly be please to award a compensation of Rs. 20,00,000/- as compensation to the claimant, jointly and severally along with costs and interest at the rate 18 percent per annum from the date of filling the petition of the claim till its realization of the amount in favour of the claimant/ petitioner to be paid by the responderts jointly and severally from the date of accident. in the interest of justice. Any other relief which this HoCourt may deem fit and proper in the circumstances of the case be also awarded in favour of the claimant/ petitioner to meet the ends of justice.

PUBLICATION ISSUED TO :-
Devender Kumar
Father::-Ram Kishan
1004, Pana Mamarpur, Narela New Delhi

In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s) / respondent(s) should appear in person or through counsel on **24.04.2026 at 10:00 a.m.**
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=Sonipat
Sd/- Additional District and Sessions Judge, Sonipat
Dated, this day of 16.03.2026

पश्चिम एशिया में और गहराया तनाव

ईरान के नतांज यूरेनियम प्लांट पर हवाई हमला, विकिरण रिसाव नहीं

यह परमाणु सुविधा तेहरान से लगभग 220 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित है। यह सुविधा जून 2025 में ईरान और इजराइल के बीच 12-दिवसीय युद्ध के दौरान और हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा भी लक्षित की गई थी

अमेरिका - ईरान जंग: विश्व युद्ध की आहट

आगामी हफ्ते में ईरान पर बढ़ेंगे हमले: काट्ज

'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के लक्ष्य पूरा करेंगे

एजेंसी ▶▶ तेहरान

सैनिकों के शव भी वापस ले जाना मुश्किल होगा: ईरान

ईरान के नतांज परमाणु सुविधा पर शनिवार को हवाई हमले की सूचना मिली है। ईरान ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि नतांज परमाणु संवर्धन सुविधा पर हवाई हमला हुआ, हालांकि किसी भी तरह के विकिरण रिसाव की सूचना नहीं है। नतांज, जो ईरान का मुख्य संवर्धन स्थल है, पहले भी युद्ध के शुरुआती हफ्तों में हमलों का निशाना बन चुका है, जिससे कई इमारतें क्षतिग्रस्त हुई थीं। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था ने पहले कहा था कि ऐसे हमलों से किसी भी तरह के 'रेडियोलॉजिकल परिणाम' की उम्मीद नहीं है। यह परमाणु सुविधा तेहरान से लगभग 220 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित है। यह सुविधा जून 2025 में ईरान और इजराइल के बीच 12-दिवसीय युद्ध के दौरान और हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा भी लक्षित की गई थी। इस घटना ने पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के चौथे सप्ताह में तनाव को और बढ़ा दिया है। इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा है कि आने वाले सप्ताह में ईरान के खिलाफ हमले काफी बढ़ जाएंगे। इराक ने सभी विदेशी तेल कंपनियों द्वारा विकसित तेल क्षेत्रों पर फोर्स मैज्योर की घोषणा की है। यह कदम स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में युद्ध और नौवहन में बाधाओं के कारण लिया गया।

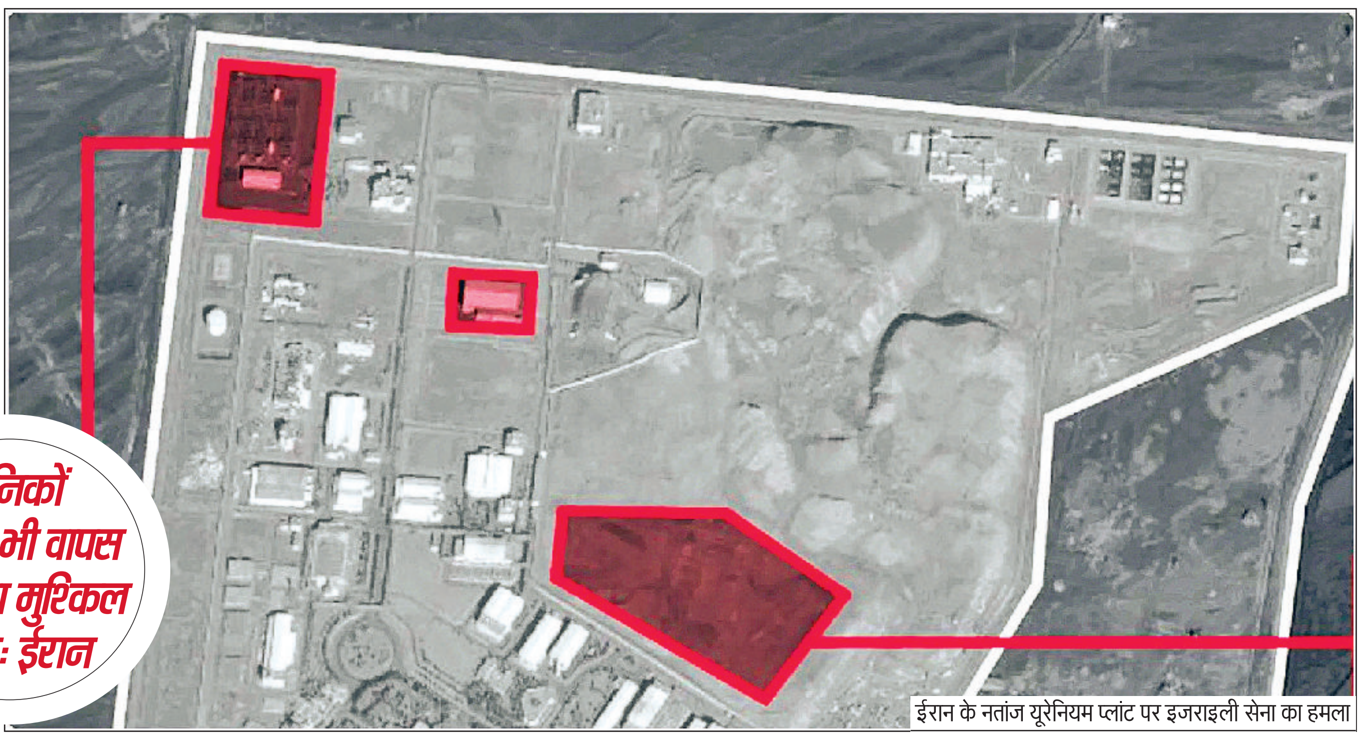
ईरान के नतांज यूरेनियम प्लांट पर इजराइली सेना का हमला

अमेरिका ने 'पैट्रियट' मिसाइलों को यूरोप से हटाकर पश्चिम एशिया भेजा

पैट्रियट मिसाइल

अमेरिका ने बड़ी संख्या में 'पैट्रियट' मिसाइलों को यूरोप से हटाकर पश्चिम एशिया की ओर भेज दिया है। अमेरिकी रक्षा अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इन मिसाइलों को पश्चिम एशिया में भेजे जाने के कारण यूक्रेन युद्ध के बीच रूस के खिलाफ यूरोप की वायु रक्षा कमजोर होने को लेकर चिंता पैदा हो गई है। एक अधिकारी ने बताया कि ईरान युद्ध के कारण यूरोप और अन्य क्षेत्रों में पैट्रियट मिसाइलों का भंडार निश्चित रूप से कम हो रहा है और स्थिति काफी चिंताजनक है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने एक बयान में कहा कि अमेरिकी सेना के पास राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा तय किए 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए पर्याप्त हथियार, गोला-बारूद और सैन्य भंडार मौजूद हैं।

मिडिल ईस्ट के बाहर ईरान का बड़ा हमला

हिंद महासागर में सैन्य ठिकानों पर दागी बैलिस्टिक मिसाइलें

ईरान ने शनिवार को हिंद महासागर में स्थित अमेरिका और ब्रिटेन के संयुक्त सैन्य बेस 'डिएगो गार्सिया' पर दो मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। मिडिल ईस्ट की सीमाओं से दूर अमेरिकी ठिकाने पर ईरान का यह अब तक का सबसे बड़ा और दुर्लभ हमला माना जा रहा है। हालांकि, ईरान द्वारा दागी गई दोनों मिसाइलें अपने लक्ष्य तक पहुंचने में विफल रहीं। एक मिसाइल उड़ान के दौरान टूट गई, जबकि एक अमेरिकी युद्धपोत ने दूसरी मिसाइल पर एसएम-3 इंटरसेप्टर दागा।

घटना निंदनीय: ब्रिटेन

वहीं, ब्रिटेन ने ईरान द्वारा मिसाइल दागे जाने की घटना की निंदा की है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय का कहना है कि ईरान द्वारा पूरे क्षेत्र में हिंसक हमले करना और होर्मुज जलडमरूमध्य को बंधक बनाए रखना ब्रिटिश हितों और ब्रिटिश सहयोगियों के लिए खतरा है। ब्रिटेन ने ईरान पर अमेरिकी-इजराइली हमलों में भाग नहीं लिया है, लेकिन उसने अमेरिकी बमवर्षकों को होर्मुज जलडमरूमध्य पर स्थित ईरान के मिसाइल ठिकानों पर हमला करने के लिए ब्रिटेन के ठिकानों का उपयोग करने की अनुमति दी है।

ईरान की अमेरिका को कड़ी चेतावनी

जमीन पर सेना उतारी तो देंगे मुंहतोड़ जवाब

ईरान की सेना के एक बड़े अधिकारी ने अमेरिका को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने साफ कहा है कि अगर अमेरिका ने ईरान की जमीन पर ग्राउंड अटैक यानी जमीन से हमला करने की कोशिश की, तो उसे बड़ा और चौंकाने वाला जवाब मिलेगा। ईरानी अधिकारी के मुताबिक, उनकी जमीन पर हमला करना उनकी 'रेड लाइन' है, यानी ऐसी सीमा जिसे पार करना युद्ध को और खतरनाक बना सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि पहले भी जब दुश्मनों ने हमला किया, तो ईरान ने उन्हें 'सरप्राइज' दिया था और इस बार भी वैसा ही होगा। उन्होंने कहा कि हालात इतने खराब हो सकते हैं कि सैनिकों के शव भी वापस ले जाना मुश्किल हो जाएगा।

अमेरिका का दुनिया में इसलिए है दबदबा

80 देशों में 750 से ज्यादा मिलिट्री बेस, सर्वाधिक जापान में

दुनिया के किसी भी हिस्से में अमेरिका चंद घंटे में सैन्य कार्रवाई या अभियान चलाने की क्षमता रखता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि दुनिया भर में उसके सैन्य एयरबेस एवं प्रतिष्ठान हैं। वाशिंगटन डीसी में अमेरिकन यूनिवर्सिटी में राजनीतिक मानवशास्त्र के प्रोफेसर डेविन वाइन के मुताबिक कम से कम 80 देशों में अमेरिका के लगभग 750 से ज्यादा सैन्य बेस हैं। हालांकि, पेंटागन ने दुनिया में अपने सैन्य बेसों के बारे में अपनी पूरी वास्तविक संख्या कभी नहीं बताई है, ऐसे में माना जाता है कि ये संख्या और ज्यादा हो सकती है। अमेरिका के सबसे ज्यादा एयरबेस जापान में और उसके बाद जर्मनी और फिर दक्षिण कोरिया में हैं।

मोसाद चीफ बार्निया ने दी थी गलत जानकारी

'ईरान में हमले से सत्ता परिवर्तन संभव', परिणाम उलट

इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के प्रमुख डेविड बार्निया ने युद्ध शुरू होने से पहले पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को बताया था कि 'ईरान में तख्तापलट संभव है।' मोसाद प्रमुख डेविड बार्निया ने राजनीतिक नेतृत्व से कहा था कि यदि इस ऑपरेशन के सैन्य लक्ष्य हासिल हो जाते हैं तो वांछित परिणाम हासिल हो सकते हैं। उनकी रिपोर्ट के बाद ही पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सैन्य अभियान शुरू होने के बाद ईरान में सत्ता परिवर्तन की तरफ इशारा किया था। ट्रंप ने बार बार ईरानी लोगों से सरकार के खिलाफ सड़क पर उतरने की अपील की थी। लेकिन ईरान के लोग सरकार के खिलाफ सड़क पर नहीं उतरे हैं ये इजराइल और अमेरिका दोनों के लिए बड़ा झटका है।

होर्मुज स्ट्रेट बंद करने पर 20 देशों ने जताई नाराजगी

कई देशों ने मिडिल ईस्ट में ईरान की ओर से की जा रही कार्रवाई की घोर निंदा की और होर्मुज स्ट्रेट बंद करने को लेकर नाराजगी भी जाहिर की है। इसके साथ ही सभी देशों ने संयुक्त बयान जारी कर ईरान से हमले रोकने की अपील की। ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड, जापान, कनाडा, रिपब्लिक ऑफ कोरिया, न्यूजीलैंड, डेनमार्क, लातविया, स्लोवेनिया, एस्टोनिया, नॉर्वे, स्वीडन, फिनलैंड, चेकिया, रोमानिया, बहरीन और लिथुआनिया के नेताओं ने होर्मुज स्ट्रेट में हालात को लेकर संयुक्त बयान जारी किया है। संयुक्त बयान में कहा गया कि हम खाड़ी में बिना हथियार वाले कमर्शियल जहाजों पर ईरान के हालिया हमलों, तेल और गैस इंस्टॉलेशन समेत सिविलियन इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमलों और ईरानी सेना द्वारा होर्मुज स्ट्रेट को असल में बंद करने की कड़ी निंदा करते हैं।

ईरान बनाएगा मुस्लिम ब्रदरहुड अंब्रेला, मसूद बोले- 'आप हमारे भाई'

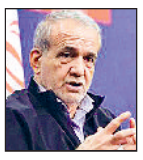

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने ईद-उल-फितर के मौके पर दुनिया के मुस्लिम देशों को एक 'अंब्रेला' के नीचे आने का न्योता दिया है, जिसका मकसद यूरोपियन यूनियन की तर्ज पर एक ताकतवर इस्लामिक ब्लॉक बनाना है। राष्ट्रपति पेजेशकियन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पड़ोसी मुस्लिम देशों को संबोधित करते हुए भावुक और आक्रामक अपील की है। उन्होंने साफ कहा है 'इस्लामिक देशों और प्यारे पड़ोसियों, आप हमारे भाई हैं'। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान का अपने पड़ोसियों के साथ कोई विवाद नहीं है। पेजेशकियन ने चेतावनी दी कि मुस्लिम देशों के बीच मतभेद का एकमात्र फायदा 'जायोनी सत्ता' को मिलता है।

अपने ताज़ातरीन सस्पेंस थ्रिलर उपन्यास 'द कैंटोनमेंट कांस्पीरेसी' के प्रमोशन कार्यक्रम से इतर मीडिया से बातचीत में बोले पूर्व सेनाप्रमुख

'मुझे लिखने का शौक है...लेकिन अब रुचि केवल काल्पनिक कथा लेखन में है: जनरल नरावणे'

'फोर स्टार ऑफ डेस्टिनी' किताब पर मचे राजनीतिक बवाल के बीच आई पूर्व सेनाप्रमुख की नई रचना

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय सेना के पूर्व प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरावणे एक बार फिर से चर्चा में हैं। लेकिन इस बार मामला उनके द्वारा पूर्व में लिखी गई 'आत्मकथाः फोर स्टार ऑफ डेस्टिनी' किताब से जुड़ा हुआ नहीं है। बल्कि जनरल के एक नई रचना सस्पेंस थ्रिलर उपन्यास 'द कैंटोनमेंट कांस्पीरेसी' से संबंधित है। पुणे में जिसके प्रमोशन कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि मुझे लिखने का शौक है। लेकिन अब मेरी रुचि केवल काल्पनिक कथा और कहानियों के लेखन में ही है। मैं, समय-समय पर कुछ न कुछ लिखता रहा हूं। जिसमें मैंने न केवल सेना की कुछ रिपोर्ट के विषय में लिखा है। बल्कि उसके अलावा में दुनिया की सबसे बड़ी पैदल सेना कही जाने वाली भारतीय थलसेना की तमाम अकादमिक पत्रिकाओं के लिए भी मैं लेखन करता रहा हूं। पूर्व में मैंने कुछ लघु कहानियां भी लिखी हैं। जिन्हें बहुत अच्छा रिस्पांस मिला है। ऐसी ही मेरी एक कहानी फेमिना पत्रिका में प्रकाशित हुई है। वर्ष-1999 में भारत और पाकिस्तान के बीच जम्मू-कश्मीर के कारगिल में हुई लड़ाई पर मैं एक युद्ध आधारित कहानी 'टाइगर हिल' लिख चुका है। पत्रकारों ने पूर्व सेनाप्रमुख से फोर स्टार ऑफ डेस्टिनी को लेकर कुछ सवाल पूछे थे। जिनके जवाब में उन्होंने यह जानकारी दी है। उनकी नई रचना का पिछले साल 2025 में लोकार्पण हो चुका है।

'फोर स्टार ऑफ डेस्टिनी' पर मचा बवाल

गौरतलब है कि संसद के मौजूदा बजट सत्र के दौरान विपक्षी दलों खासतौर पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने फोर स्टार ऑफ डेस्टिनी के कुछ अंशों का उल्लेख करते हुए लोकसभा के अंदर और बाहर

मामले को जोरशोर से उठाते हुए सरकार पर तीखा हमला बोला था। जिसमें उनका कहना था कि वह इस पुस्तक के एक मैगजीन (कैरावैन) में प्रकाशित अंशों का जिक्र कर रहे हैं। जिनमें भारतीय सेना के पूर्व प्रमुख ने 2020 में चीन के साथ पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर हुए सैन्य विवाद के दौरान सरकार से जरूरी निर्देश प्राप्त करते वक्त देश के शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व द्वारा 'जो उचित समझो, वो करो' कथन पर जोर देते हुए मुश्किल वक्त में सरकार पर सेना की अनदेखी करने का आरोप लगाया था। जवाब में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह खुलकर सामने आए और उन्होंने राहुल के उक्त बयान का कड़े शब्दों में विरोध करते हुए कहा कि विपक्ष के नेता जिस किताब व उसमें शामिल अंशों का उल्लेख कर रहे हैं। अभी तक उसका आधिकारिक रूप से प्रकाशन भी नहीं हुआ है। रक्षा मंत्रालय ने इस पर रोक लगाई हुई है। ऐसे में उनके द्वारा संसद में इस संबंध में उठाए गए किसी भी विषय का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने नेता विपक्ष को संसद या उसके बाहर कोई बात कहने से पहले सभी जरूरी तथ्यों को भली-भांति जांचने की नसीहत भी दी थी।

अच्छी प्रतिक्रिया से बढ़ा हौसला

जनरल नरावणे ने मीडिया से बातचीत में ये भी कहा कि 'द कैंटोनमेंट कांस्पीरेसी' उपन्यास को लोगों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। जबकि मैंने बतौर लेखक पहली बार ऐसे किसी उपन्यास को लिखा है। लेकिन इसके साथ जुड़ा मेरा अनुभव काफी अच्छा रहा है। साथ ही मेरे उपन्यास का प्रदर्शन भी अच्छा है। फौजी से कथाकार बनने तक का यह सफर सुखद रहा है। लोगों से मिल रही अच्छी प्रतिक्रिया से मेरा हौसला लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने आम जन से उम्मीद जताते हुए कहा कि इसे पढ़कर सभी को अच्छा लगेगा।

जल्द आएगा दूसरा संस्करण

उन्होंने कहा, जल्द ही इस उपन्यास का दूसरा संस्करण भी लोगों के हाथ में होगा। मुख्य किरदार रोहित-रेणुका पहले की तरह ही बने रहेंगे। लेकिन इस बार उनकी नई सैन्य यूनिटों में तैनाती होगी और जहां पर वो दोनों एकजुटता से उनके सामने आने किसी रहस्य से पर्दा उठाएंगे।

अगले महीने 3 अप्रैल को विशाखापट्टनम में आयोजित किया जाएगा समारोह, राजनाथ सिंह करेंगे अध्यक्षता

युद्ध के बीच मजबूत होगी नौसेना की मारक क्षमता, जंगी बेड़े में शामिल होगा 'तारागिरी' युद्धपोत

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया में अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध के मध्य भारतीय नौसेना के जंगी बेड़े में अत्याधुनिक गाइडेड स्टेल्थ मिसाइल फ्रिगेट 'तारागिरी'(एफ-41) तैनाती के लिए पूरी तरह से तैयार है। रक्षा मंत्रालय ने इस संबंध में विशाखापट्टनम को मुख्य आयोजन स्थल के रूप में चुना है। जहां 3 अप्रैल को तारागिरी को कमीशन किया जाएगा और इस समारोह की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। इसका निर्माण नौसेना ने प्रोजेक्ट-17ए श्रेणी के तहत स्वदेशी रूप से किया गया है। पोत न केवल समुद्री क्षेत्र में अग्रणी शिकारी है। बल्कि आधुनिक कूटनीति और मानवीय संकटों जैसी जटिलताओं के लिए भी बेहद उपयोगी है। साथ ही इसकी अनुकूलन मिशन प्रोफाइल इसे उच्च-तीव्रता वाले युद्ध से लेकर मानवीय सहायता व आपदा राहत (एचएडीआर) अभियानों का भी आसानी से संचालन करने योग्य बनाती है। तारागिरी के पूर्व में नौसेना के बेड़े में जो तीन युद्धपोत शामिल हुए हैं। उनमें आईएनएस नीलगिरी, हिमगिरी और उदयगिरी मुख्य हैं।

ब्रह्मोस मिसाइलों से वार करेगा तारागिरी : तारागिरी युद्धपोत संयुक्त डीजल या गैस (सीओडीओजी) प्रणोदन संयंत्र द्वारा संचालित है। जिसमें दो गैस टर्बाइन और दो डीजल इंजन लगाए गए हैं। पोत को उच्च-गति और सहनशक्ति की बहुमुखी प्रतिभा के साथ ही कई प्रकार के समुद्री अभियानों के लिए डिजाइन किया गया है। युद्धपोत की सटीक मारक क्षमता में इजाफा करने के लिए इसमें कई अति-विध्वंसक हथियारों का जखीरा लगाया गया है। जिसमें ब्रह्मोस जैसी सतह से सतह पर मार करने वाली सुपरसोनिक मिसाइलें, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें और एक विशेष पनडुब्बी रोधी युद्ध प्रणाली जैसे टॉरपीडो शामिल हैं। यह प्रणालियां अत्याधुनिक युद्ध प्रबंधन प्रणाली के जरिए एकीकृत की गई हैं। तंत्र का चालक दल पलक झपकते ही खतरों का जवाब दे सकता है।

एमडीएल ने किया निर्माण, वजन 6,670 टन

मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि तारागिरी का निर्माण मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) में किया गया है। ये महज एक युद्धपोत नहीं है। बल्कि कुल 6 हजार 670 टन वजन के साथ भारत की मेक इन इंडिया भावना के साथ हमारे घरेलू शिपयार्डों की बढ़ती हुई इंजीनियरिंग क्षमताओं और घरेलू औद्योगिक तंत्र की परिपक्वता का भी प्रतीक है। जिसमें 75% से अधिक स्वदेशी सामग्री लगी हुई है। निर्माण कार्य में देश के 200 से ज्यादा सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों (एमएसएमई) की अहम भूमिका रही है। जिसका संबंध केंद्र के आत्मनिर्भर भारत अभियान से है, जिसमें योगदान करते हुए हजारों भारतीयों को रोजगार प्रदान किया जाता है। स्टेल्थ तकनीक से लैस होने की वजह से इस युद्धपोत को समुद्र में दुश्मन के रडार नहीं पकड़ पाएंगे।

तारागिरी की खास बातें

तारागिरी युद्धपोत की लंबाई 149 मीटर और चौड़ाई 17.8 मीटर से अधिक है। समुद्र में तैनाती के बाद यह लगभग 28 समुद्री मील यानी 56 किलोमीटर की गति से विचरण करेगा और भारत की समुद्री सीमाओं को सुरक्षा प्रदान करेगा। यहां बता दें कि नौसेना के बेड़े में 1980 में भी तारागिरी (एफ-41) नामक एक युद्धपोत अपनी सेवाएं दे रहा था। जो वर्ष 2013 में सेवामुक्त हो गया है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109